



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ८९]  
No. ८९]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई ३, २०११/वैशाख १३, १९३३  
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 3, 2011/VAISAKHA 13, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, ३ मई, २०११

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम ट्रिपोली फॉस्फेट (एस टी पी पी) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. १४/२५/२००९-डीजीएडी.—वर्ष १९९५ में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, १९७५ (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, १९९५ (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

१. यतः मै. टाटा कैमिकल्स लि., मुंबई (जिसे एतदपश्चात याचिकाकर्ता कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिहें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम ट्रिपोली फॉस्फेट (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने का अनुरोध किया गया है।

२. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर ५ नवम्बर, २००९ को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया तथा जिसके तहत नियमावली के उप-नियम ५(५) के अनुसार संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की गई ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए जो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

3. और यह: निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अधिनियम और नियमावली को ध्यान में रखते हुए संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित सी.शु. टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के उपरीष 2835.31 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में जांच की और 21 मई, 2009 के समसंबद्धक प्रारंभिक जांच परिणामों के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की तथा संबद्ध वस्तु पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क 21 सितंबर, 2010 की सी.शु. अधिसूचना सं. 96/2010 के तहत लगाया गया था ।

**क. प्रक्रिया**

4. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच को उपर्युक्त जांच की शुरूआत को अधिसूचित करने वाली सार्टजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- (i) संबंधित नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को पाटनरोधी जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था ।
- (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध सूचना के अनुसार दिनांक 5 नवंबर, 2009 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग को भेजी थी। इस जांच के ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों से प्रश्नावली का उत्तर देने का और निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अनुरोध किया गया था । निर्यातक लो भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के साथ संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई थी तथा उनसे यह अनुरोध किया गया था कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें ।
- (iii) संबंधित नियम 6(3) के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराई गई थी ।
- (iv) नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मंगाने के लिए संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं । संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों से निर्यातक प्रश्नावली/एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ है :

क्र.सं.	उत्पादक और निर्यातक
1.	गुइज़ू वेंगफू जीन-फोस कैमिकल कं. लि. (उत्पादक)
2.	वेंगफू इंटरट्रेड लि. (निर्यातक)
3.	सिचुआन ब्लू सोर्ड कैमिकल (युप) कं. लि. (घरेलू विक्रेता)
4.	सिचुआन ब्लू सोर्ड चुआंगरी फॉस्फो कैमिकल्स कं. लि. (उत्पादक और घरेलू विक्रेता)
5.	सिचुआन ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (निर्यातक)
6.	मै. यीबिन तियानयुआन ग्रुप कं. लि. (निर्यातक)
7.	मै. यीबिन तियानलन कैमिकल कं. लि. (उत्पादक)
8.	मै. लिसान जिनगुआंग कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. (उत्पादक)
9.	मै. सिचुआन जिनगुआंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)
10.	मै. सिचुआन जिनगुआंग कैमिकल कं. लि. (उत्पादक)
11.	हुबेई जिगफा कैमिकल्स ग्रुप कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)
12.	कुनमिंग मेलोंग कैमिकल कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)

(v) नियम 6(4) के अनुसार ज्ञात आयातकों और भारत में संबद्ध वस्तु के प्रयोक्ताओं से आवश्यक सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावलियां भेजी गई थीं और आयातक प्रश्नावली का उत्तर केवल मै. रोहित सफेक्टेंट्स प्रा. लि. से प्राप्त हुआ है। तथापि, मै. पार्थ कैम. इम्पैक्स प्रा. लि. मै. फेना (प्रा.) लि., मै. पावर सोप्स लि., मै. संदीप आर्जनिक प्रा.लि., मै. ऑर्डर इंटरनेशनल प्रा.लि., मै. प्रभु सोप वर्क्स और तमिलनाडु स्माल सोप एंड डिटर्जेंट मैन्यु. एसो. से अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

(vi) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि समेत क्षति अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

(vii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय अंश को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु उपलब्ध रखा था।

(viii) सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई लेखांकन सूचना के आधार पर उत्पादन लागत पर आधारित क्षति रहित कीमत अनन्तिम रूप से ज्ञात की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम का पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

(ix) प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध । के पैरा 8 के अनुसा चीन जन.गण. के संबंध में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा रखते हुए जांच की शुरूआत की है और संबंधित देश और चीन जन.गण. के निर्यातकों को उक्त नियम के अंतर्गत उक्त धारणा का खंडन करने का अवसर प्रदान किया है । उक्त अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया था कि तथापि, प्राधिकारी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसा चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के निधारण के प्रयाजनर्थ यथासमय किसी उचित तीसरे देश को अधिसूचित कर सकते हैं । तथापि, आवेदकों समेत किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उपर्युक्त प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले उचित तीसरे देश के चयन हेतु प्राधिकारी के समक्ष कोई वास्तविक तथ्य नहीं रखा है ।

(x) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उनके आंकड़ों के संबंध में किए गए गोपनीयता के दावों की जांच की गई है । ऐसी सूचना जो अपनी प्रकृति के अनुसार गोपनीय है, या जो हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उनके अगोपनीय सार के साथ गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई है, को गोपनीय माना गया है ।

(xi) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 13 अगस्त, 2010 तथा 18 मार्च, 2011 को आयोजित मौखिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान किया । जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त किए थे उनसे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था ।

(xii) जांच शुरूआत के बाद और जांच की कार्यवाही के दौरान और विभिन्न न्यायालयों के समक्ष विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर इस जांच परिणम में जहां संगत पाया गया है, विचार किया गया है ।

(xiii) घरेलू उद्योग तथा प्रतिवादी सहयोगी उत्पादकों/संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था । सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणियों के लिए संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों को भेजी गई थी और उस पर प्राप्त टिप्पणियों की इस जांच परिणाम में जांच की गई है और उन पर विचार किय गया है ।

(xiv) इस जांच परिणाम में \*\*\* चिन्ह घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है ।

(xv) ऐसे निर्यातक, उत्पादक, आयातक, उपभोक्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने इस जांच में सूचना नहीं दी है, को असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है । तथापि, ऐसे पक्षकारों के अनुरोधों पर इस जांच परिणाम में विचार किया गया है ।

(vi) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को जांच के आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करते हुए प्रकटन जारी किया गया था । हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियां/अनुरोधों की जांच की गई है और उन पर इस जांच परिणाम में विचार किया गया है ।

(xvii) यह जांच 1 अप्रैल, 2008 से शुरू होकर 31 मार्च, 2009 (12 महीने-जांच अवधि) तक की अवधि में की गई थी । तथापि, क्षति जांच अवधि में 2005-06, 2006-07, 2007-08 और जांच अवधि शामिल है ।

(xviii) जांच अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर 45.80 रु. =1 अम.डॉ.है ।

5. मै. कुनमिंग मेलांग कैमिकल कं. लि. ने एक विलंबित और अधूरा उत्तर प्रस्तुत किया और इसलिए उसे प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था ।

6. मै. हुबाई जिंगफा कैमिकल्स ग्रुप कंपनी लि. (उत्पादक/निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर को प्राधिकारी ने स्वीकार नहीं किया था और प्रारंभिक जांच परिणाम हेतु प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक को इस तथ्य की वजह से स्वतंत्र पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया था कि उनकी स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अर्थात् मै. हुबाई जिंगफा कैमिकल्स एक्सपोर्ट एंड इंपोर्ट कंपनी लि., जिसने भी जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया था; ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया था । प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद हुबाई जिंगफा कैमिकल्स एक्सपोर्ट एंड इंपोर्ट कंपनी लि. ने यह अनुरोध करते हुए निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया कि उसने एक असंबद्ध पक्षकार से खरीद कर जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया था । मै. हुबाई जिंगफा कैमिकल्स ग्रुप कंपनी लि. ने यह अनुरोध किया कि उसने भारत को निर्यात हेतु न तो किसी उत्पादक से संबद्ध वस्तु की खरीद की और न ही उसने किसी निर्यातक/व्यापारी के जरिए संबद्ध वस्तु का निर्यात किया तथा भारत को उसकी बिक्री का माध्यम प्रत्यक्ष और हर तरह से पूर्ण है । इसके अलावा, उसने यह अनुरोध किया कि उसकी सहायक कंपनी मै. हुबाई जिंगफा कैमिकल्स एक्सपोर्ट एंड इंपोर्ट कंपनी लि. ने एक असंबद्ध उत्पादक अर्थात् मै. वुहान जिंगशी कैमिकल कंपनी लि. से खरीद कर भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया और इस बिक्री को उसके पाटन मार्जिन के निर्धारण में संगत नहीं माना जा सकता ।

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. हुबाई जिंगफा कैमिकल्स ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. और उनकी सहायक कंपनी अर्थात् मै. हुबाई जिंगफा कैमिकल्स एक्सपोर्ट एंड इंपोर्ट कंपनी लि. के उत्तर निर्धारित प्रपत्र के अनुसार अपूर्ण थे । इसके अलावा, उत्पादक जिसने मै. हुबाई जिंगफा कैमिकल्स एक्सपोर्ट एंड इंपोर्ट कंपनी लि., चीन को संबद्ध वस्तु की आपूर्ति की है और जिसने भारत को निर्यात किया है, से पूर्ण उत्तर न मिलने की स्थिति में उसी आपूर्ति के संबंध में सामान्य मूल्य की पुष्टि नहीं की जा सकती । तदनुसार सामान्य मूल्य और परिणामी पाटन मार्जिन, यदि कोई हो, को नियंत्रक कंपनी तथा सहायक कंपनी द्वारा किए गए समग्र निर्यातों के लिए निकालना संभव नहीं है । उपर्युक्त कारणों से मै. हुबाई जिंगफा कैमिकल्स ग्रुप कंपनी लि., चीन जन.गण. और उसके स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मै. हुबाई जिंगफा कैमिकल्स एक्सपोर्ट एंड इंपोर्ट कंपनी लि., चीन जन.गण. द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर को अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु इस जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया गया है । प्रकटन के पश्चात संबंधित पक्षकार ने अपने उत्तर को स्वीकार करने के लिए अपने तर्कों को दोहराया है परंतु मामले के तथ्य और अपने उत्तर को स्वीकार करने के लिए अपने तर्कों को दोहराया है परंतु मामले के तथ्य और स्थिति पर विचार करते हुए प्राधिकारी संबंधित उत्ताद/निर्यातक को असहयोगी मानते हैं ।

#### ख. जांच की कार्रवाई के दौरान विभिन्न न्यायालयों के समक्ष मुकदमा

8 हितबद्ध पक्षकारों ने विभिन्न न्यायालयों के समक्ष निम्नलिखित मामले दायर किए थे ।

I. मै. रोहित सरफैक्टेन्ट्स प्रा. लि. ने 21.5.2010 के प्रारंभिक जांच परिणामों को चुनौती देते हुए अहमदाबाद के माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष एक विशेष सिविल आवेदन सं. 2010 का 7818 दायर किया । माननीय उच्च न्यायालय ने 8.7.2010 के अपने आदेश के तहत विशेष सिविल आवेदन का निपटान निम्नानुसार किया :

"..... याचिका में यह मुद्दा अभिन्न अंग नहीं है क्योंकि इस उच्च न्यायालय ने स्यौर फेसेज प्लस बनाम भारत संघ, 2004 (173) ई एल टी 127 (गुज.) के मामले में यह निर्णय लिया है कि प्रारंभिक जांच परिणाम के बल अनुशंसात्मक होता है और यह अपील योग्य नहीं है कि केन्द्र सरकार द्वारा नियमावली, 1995 के नियम 12 और 13 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनंतिम शुल्क की अधिसूचना जारी करने से पूर्व यह बात हमेशा खुली रहती है कि कोई अभ्यावेदन किया जाए । तदनुसार इस उच्च न्यायालय द्वारा यथानिर्धारित यह याचिका इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए स्वीकार्य नहीं है कि केन्द्र सरकार अनंतिम शुल्क की अधिसूचना जारी करने से पूर्व ऐसे अभ्यावेदन जिसे याचिकाकर्ताओं द्वारा कानून के अनुसार प्रस्तुत किया जाए, पर विचार करने के लिए बाध्य है । याचिकाकर्ताओं ने आज से 7 दिन के भीतर अतिरिक्त अभ्यावेदन करने की मंशा से एक

अभ्यावेदन किया है । उपर्युक्त के अधीन याचिका स्वीकार्य नहीं है और तदनुसार इसे सरसरी तौर पर रद्द किया जाता है । ”

ii. मै. संदीप आर्गेनिक्स प्रा.लि. ने भी माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष ऐसी ही एक रिट याचिका दायर की थी जिसे माननीय न्यायालय ने समय पूर्व होने के कारण रद्द कर दिया था ।

ग. जांच की कार्रवाई के दौरान निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे

9. जांच की कार्रवाई के दौरान निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए थे :-

i. विचाराधीन उत्पाद से संबंधित मुद्दे

(क) फूड ग्रेड एस टी पी पी उत्पादन लागत, रासायनिक विशेषताओं आदि के संबंध में टेक्नीकल ग्रेड एस टी पी पी से मिल है और इसका उपयोग अदल-बदल कर नहीं होता है । विचाराधीन उत्पाद में इसे शामिल कर फूड ग्रेड एस टी पी पी के आयातों पर शुल्क लगाने का कोई कारण नहीं है ।

(ख) चीन से आयातित एस टी पी पी की गुणवत्ता घरेलू रूप से उत्पादित एस टी पी पी की गुणवत्ता की तुलना में काफी बेहतर है ।

ii. सामान्य मूल्य के निर्धारण से संबंधित मुद्दे

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का परिकलन करते समय पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निहित नियमों का पालन नहीं किया है । नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में 3 पद्धतियों का प्रावधान है जिनका क्रमबद्ध और उसी वर्णनुक्रम में निर्धारण किया जाना चाहिए परंतु निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रथम दो विकल्पों को समाप्त या उन्हें पूर्ण किए बिना एक पक्षीय रूप से कार्रवाई की है और उन्होंने भारत में उत्पादन लागत पर आधारित सामान्य मूल्य का सीधे परिकलन किया है ।

(ख) घरेलू उद्योग और चीन के उत्पादकों द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया अलग-अलग है और इसलिए प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना करना गलत है ।

(ग) जहां तक एम ई टी दर्जे का संबंध है, प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद प्रचलित बाजार कीमतों पर की जाती है जो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमत से तुलनीय है जो पाटनरोधी नियमों के दायरे में नहीं है । किसी निविष्टि का बाजार मूल्य अनिवार्यतः प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के बराबर होना जरूरी नहीं है ।

(घ) सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी को चीन में उत्पाद की घरेलू बिक्री कीमत पर विचार करना चाहिए था ।

(ङ) सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आंकड़ों में भारी समस्याएं हैं । इन आंकड़ों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और निर्यातकों द्वारा अपनाई गई अलग-अलग उत्पादन प्रक्रिया, चीन में रॉक फॉस्फेट, सोडा ऐश और सल्फ्यूरिक ऐसिड की कम कीमत पर उपलब्धता, फॉस्फोरिक ऐसिड की लागत, ताप लागत, शोधन लागत आदि जैसे कुछेक कारकों की अनदेखी की है जिनका कीमत और लागत की तुलनीयता पर प्रभाव पड़ता है और वह उनका समायोजन करने में विफल रहे हैं ।

(च) सामान्य मूल्य के त्रुटिपूर्ण निर्धारण से प्राधिकारी द्वारा पाटन और पाटन मार्जिन का गलत निर्धारण किया गया है ।

iii. गोपनीयता से संबंधित मुद्दे - प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन आदि के संबंध में अपनाई गई अत्यधिक गोपनीयता नियमावली के नियम 7 के अनुसार नहीं है ।

iv. घरेलू उद्योग को क्षति के अभाव से संबंधित मुद्दे

(क) घरेलू बिक्री कीमत पर पहुंच मूल्य का कोई प्रतिकूल प्रभाव इस तथ्य के मद्देनजर नहीं पड़ा है कि घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री प्राप्ति दोगुनी कर ली है ।

(ख) उत्पादन लागत, क्षतिरहित कीमत के त्रुटिपूर्ण निर्धारण से कम कीमत पर बिक्री, क्षति मार्जिन आदि का त्रुटिपूर्ण निर्धारण हुआ है ।

(ग) लाभप्रदता, निवेश पर आय आदि में गिरावट अंतरण कीमत के कारण उत्पादन की बढ़ी हुई लागत के सिवाय कुछ नहीं है ।

(घ) कीमत में कोई ह्रास नहीं हुआ है ।

(घ) घरेलू उद्योग के मासिक उत्पादन आंकड़ों पर विचार किया जाना चाहिए था क्योंकि जांच अवधि के दौरान संयंत्र बंद रहा था ।

(च) घरेलू उद्योग का संयंत्र काफी पुराना है ।

(छ) उत्पादकता में गिरावट का कारण आयातों को नहीं माना जा सकता क्योंकि उत्पादन में गिरावट आयातों का प्रत्यक्ष परिणाम नहीं है ।

(ज) बाजार हिस्से के मुद्रे के संबंध में असाधारणी का विश्लेषण त्रुटिपूर्ण है क्योंकि उन्होंने समर्थनकर्ता की क्षमता/उत्पादन के आंकड़ों पर जांच नहीं किया है परंतु बिक्री के प्रयोजनार्थ उस पर विचार किया जा रहा है ।

#### V. पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के अभाव से संबंधित मुद्दे

(क) वर्ष 2007 के उत्तरार्ध में सल्फर की लागत में असामान्य वृद्धि होने से उत्पादन लागत में तेजी से वृद्धि हुई जिससे घरेलू उद्योग अप्रतिस्पर्धी बन गया जिसने थर्मल प्रक्रिया की तुलना में उत्पादन की वैट प्रक्रिया को अपनाया था । घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, अस्थायी थी, जिसकी वजह प्रौद्योगिकी तथा सल्फर की कीमत रही है और उसका कारण वस्तु के आरोपित पाटन को नहीं माना जा सकता । ऐसे अस्थायी परिदृश्य का समाधान पाटनरोधी शुल्क नहीं है । इसके लिए ढांचागत समाधान की जरूरत होती है जिसे घरेलू उद्योग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में स्वीकार किया है ।

(ख) घरेलू उद्योग को हुई क्षति टीसीएल तथा हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड के बीच एसटीपीपी के उत्पादन हेतु की गई संविदागत व्यवस्था के कारण हुई है । अतः टीसीएल के उत्पादन और क्षमता में परिणामी गिरावट का कारण आरोपित पाटन नहीं माना जा सकता ।

(ग) टीसीएल को दो कारणों-फॉस्फोरिक एसिड की उच्च लागत के कारण कम लाभ दिखाकर तथा अपनी विदेशी संबद्ध कंपनी को प्रीमियम अंतरण कीमत के भुगतान हेतु उर्वरक सब्सिडी से लाभ प्राप्त कर - दोहरा लाभ हुआ है । टी सी एल द्वारा \*\*\* रुपए प्रति मी.ट. की कीमत पर अपने संबद्ध विदेशी उद्यम से फॉस्फोरिक एसिड का आयात किया जा रहा है जबकि जी ए सी एल तथा जी एस एफ सी द्वारा क्रमशः \*\*\* और \*\*\* की कीमत पर फॉस्फोरिक एसिड की बिक्री की जा रही है । टीसीएल द्वारा प्रदत्त अतिरिक्त कीमत को सही क्षति रहित कीमत की गणना, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के निर्धारण हेतु समायोजित किया जाना चाहिए ।

(ध) फॉस्फोरिक एसिड की बढ़ी हुई लागत का उपयोग क्षति रहित कीमत के निर्धारण और परिकलित सामान्य मूल्य में किया गया है। क्षति की पुष्टि संबद्ध कंपनियों को अतिरिक्त अंतरण कीमत पर आधारित बढ़ी हुई लागत द्वारा की गई है।

(ङ) सोड ऐश की खरीद हेतु टी पी एल द्वारा प्रदत्त अंतरण कीमत को सही क्षति रहित कीमत, सीएनवी, क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण करते समय सोडा ऐश के बाजार मूल्य से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

(च) क्षति रहित कीमत के निर्धारण में भारत के उच्चतम न्यायालय के अनुसार आंतरिक रूप से उत्पादित मध्यवर्तीयों की बाजार कीमत के रूप में अंतरण कीमत को शामिल किया जाना चाहिए। इससे वर्तमान मामले में क्षति रहित कीमत, क्षति मार्जिन में पर्याप्त कमी आएगी।

(छ) जांच अवधि के एक भाग के लिए बंद रहे संयंत्र के तथ्य को भी क्षति एवं कारणात्मक संबंध के निर्धारण हेतु समायोजित किया जाना चाहिए।

(ज) वार्षिक रिपोर्ट में उपयोगिताओं के अपर्याप्त उपयोग दर्शाया गया है जिससे इकाई अप्रतिस्पर्धी बन गई हैं जिसकी वजह से स्वतः स्फूर्त क्षति हुई है।

(झ) घरेलू उद्योग ने अधिक लाभ कमाने और बिक्री करने के लिए एस टी पी पी के उत्पादन के बजाए कच्ची सामग्री का उपयोग उर्वरक के उत्पादन में किया है, अतः जांच अवधि के दौरान एसटीपीपी के कम उत्पादन और बिक्री के कारणों में से एक कारण पाटन न होकर उर्वरकों से हुआ बेहतर लाभ है।

## vi. विविध मुद्दे

(क) संबद्ध उत्पाद पर शुल्क लगाने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि उत्पाद पहले से ही सुरक्षित है क्योंकि उसक प्रमुख दोनों संघटकों का पाटनराधी शुल्क तथा रक्षोपाय शुल्क द्वारा पहले से ही अपेक्षा से अधिक संरक्षण प्राप्त है। लगातार रक्षोपाय शुल्क और पाटनराधी शुल्क के भेदभावपूर्ण और अनक्रमिक अधिरोपण से प्रयोक्ताओं और उपभोक्ताओं का भारी कीमत चुकानी पड़ रही है जिसे प्राधिकारी को ऐसे शुल्क की संस्तुति करते समय समझना चाहिए।

(ख) खपत की पद्धति में एक खास परिवर्तन हुआ है। सिरेमिक उद्योग से मांग में वृद्धि जो अब तक डिटरजेंट उद्योग के बाद एस टी पी पी का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, की अनदेखी की गई है।

(ग) घरेलू उद्योग ने घरेलू मांग का गलत प्रदर्शन किया है। सिरेमिक उद्योग की ओर से मांग में वृद्धि की अनदेखी की गई है जो एस टी पी पी का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

(घ) टी सी एल एकाधिकार वाली बाजारी स्थिति में है और उसमें एस टी पी पी का अनियमित उत्पादन बनाए रखा है।

(ङ) घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग को पूरा करने में असमर्थ है और इसीलिए चीन से आयात अपरिहार्य हैं।

(च) जांच अवधि अनुचित है क्योंकि यह हाल की नहीं है। इसमें जनन्बूझकर वैश्विक मंदी की अवधि शामिल की गई है।

(छ) उच्चतर निवेश, रोजगार और राजस्व के कारण कमजोर प्रयोक्ता उद्योगों में अधिक सार्वजनिक हित है। यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो संबद्ध वस्तु की कीमत में वृद्धि होगी और कई डिटरजेंट विनिर्माता अपनी फैक्टरियां बंद कर देंगे।

#### घ. घरेलू उद्योग के विचार

10. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :-

i. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल का या वहां से निर्यातित सोडियम ट्रिपोली फॉस्फेट (एस टी पी पी) है। रासायनिक सूत्र  $Na_5P_3O_{10}$  वाला सोडियम ट्रिपोली फॉस्फेट (एस टी पी पी जिसे एस टी पी या सोडियम ट्राइफॉस्फेट या टी पी पी के नाम से भी जाना जाता है) सोडियम का एक पॉलीफोस्फेट या ट्रिफॉस्फोरिक अम्ल का सोडियम साल्ट है। मोटे तौर पर एस टी पी पी के दो ग्रेड हैं - तकनीकी ग्रेड और खाद्य ग्रेड। इसके अलावा एस टी पी पी के विभिन्न तकनीकी ग्रेड हैं अर्थात रेगुलर मध्यम तापमान राइज, उच्च तापमान राइज, दानेदार और हाइड्रेटेट। एस टी पी पी के सभी प्रकार विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि यदि टेक्नीकल ग्रेड एस टी पी पी की कीमत फूड ग्रेड एस टी पी पी की कीमत से अधिक हो जाती है तो उपभोक्ता फूड ग्रेड एस टी पी पी की ओर रुख करेंगे। फूड ग्रेड एस टी पी पी तथा टेक्नीकल ग्रेड एस टी पी पी के बीच एकमात्र अंतर यह है कि फूड ग्रेड में टैक्नीकल ग्रेड एस टी पी पी की तुलना में कम अशुद्धताएं होती हैं अतः यह स्पष्ट है कि फूड एस टी पी पी की तुलनात्मक कम होने की स्थिति में उपभोक्ता फूड एस टी पी पी की ओर तुरंत रुख करेंगे। इसी आधार पर फूड और टेक्नीकल एस टी पी पी को समान वस्तु माना जाना चाहिए।

ii. याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि सामान्य मूल्य, बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ सहित उत्पादन की परिकलित लागत पर आधारित है क्योंकि इस संबंध में कोई अन्य सूचना

उपलब्ध नहीं थी। ऐसी स्थिति में प्राधिकारी किसी अन्य सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने में पूर्णतः न्यायोचित हैं। याचिकाकर्ता सामान्य मूल्य के निर्धारण में प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई नीति से पूर्णतः सहमत हैं। इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन कई अन्य देशों में किया जाता है। प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्धारित अन्य सिद्धांतों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु इन उत्पादकों के दस्तावेज पर विचार कर सकते हैं।

iii. निम्नलिखित आधारों पर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता :

- (क) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता, जिसमें प्रमुख शेयरधारकों में से एक शेयरधारक राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी है।
- (ख) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है।
- (ग) उपयोक्ताओं सहित प्रमुख निविष्टियों में बाजार मूल्य प्रदर्शित होना चाहिए।
- (घ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करता है कि उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप की जाती है।
- (ड) सिद्ध करने का दायित्व भार/दायेत्व - बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति को सिद्ध करने का दायित्व चीन के निर्यातकों पर है।
- (च) यह एक स्थापित नियम है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता, जब तक प्रतिवादी कंपनी और उसका समग्र समूह यह दावा न करे।
- (छ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता कि रूपांतरण की प्रक्रिया दस्तावेज साक्ष्य के जरिए पूरी न की गई हो।
- (ज) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता यदि नियमों में निर्धारित मापदंडों में से एक की भी पूर्ति नहीं होती है।

iv. आयातों की भात्रा में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि हुई है। आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। कीमत कटौती के परिणामस्वरूप कीमत में इतनी अधिक सीमा तक हास हुआ है कि घरेलू उद्योग का अंशदान मार्जिन नकारात्मक बन गया है। इसके विपरीत बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच कीमत में भारी अंतर होने के कारण आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन तथा खपत की

तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। चालू अवधि के दौरान निष्पादन में गिरावट काफी अधिक और वास्तविक रही है। घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

v. टी सी एल द्वारा धारित एकाधिकार वाली स्थिति का तर्क वर्तमान मामले की विधिक और वास्तविक स्थिति के मद्देनजर निराधार है। टी सी एल की देश में अपनी खुद की विश्वसनीयता है और इसके अलावा, यह किसी प्रकार की एकाधिकार वाली/अवसरवादी स्थिति में विश्वास/आकंक्षा नहीं करती है। इसके अलावा, यह तर्क नहीं दिया जा सकता कि चूंकि याचिकाकर्ता विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है, इसलिए पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।

vi. जहां तक याचिकाकर्ता के अनियमित उत्पादन के तर्क का संबंध है, लिखित अनुरोधों में प्रदत्त माह दर माह आधार पर उत्पादन की सूचना से यह पता चलता है कि संबद्ध उत्पाद के पाटन के कारण भी उत्पाद में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने उत्पादन को कम करने के लिए जानबूझकर कोई प्रयास नहीं किया है। ऐसे सभी आरोपों से इंकार किया जाता है।

vii. वैश्विक मंदी को ऐसा सार्वभौमिक परिदृश्य नहीं माना जा सकता जिसका सभी देशों और सभी उत्पादों पर प्रभाव पड़ा हो। इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि वैश्विक मंदी से ऐसे टी पी पी उद्योग प्रभावित हुआ है।

viii. असंगत आपूर्ति और अपर्याप्त उत्पादन के सभी आरोपों से इंकार किया जाता है। ये तर्क निराधार, पूर्णतः अपुष्टिकृत और साह्यरहित हैं।

ix. जहां तक बिक्री प्राप्ति में वृद्धि का संबंध है, याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि इसे उत्पादन लागत में वृद्धि के साथ देखना अपेक्षित है। मात्र इस तथ्य से कि बिक्री कीमतों में वृद्धि हुई है, यह सिद्ध नहीं होता है कि आयात का घरेलू कीमत पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।

x. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि दावा की गई क्षति की स्थिति अस्थायी है और उसे ढांचागत समाधान के जरिए सुधारा जा सकता है जैसा कि घरेलू उद्योग ने स्वयं अपनी वार्षिक रिपोर्ट में स्वीकार किया है, यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग की समस्या मुख्यतः पाटन की है और इसका समाधान ढांचागत समाधानों के जरिए संभव नहीं है। वस्तुतः कदम पहले से ही उठाए जा चुके हैं जिनसे घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और बिक्री को बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है।

xi. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को क्षति टी सी एल तथा हिंदुस्तान यूनीलीवर लि. के बीच ऐसे टी पी पी के उत्पादन हेतु संविदागत व्यवस्था समाप्त होने के कारण हुई है और इसलिए टी सी एल के उत्पादन और क्षमता में गिरावट आई है, का कारण आरोपित पाटन नहीं माना जा सकता। याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि यह तर्क किसी तथ्यात्मक आधार से रहित है कि घरेलू उद्योग को क्षति एच यू एल के साथ संविदाओं की समाप्ति के कारण हुई है।

xii. अनेक पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता तथा चीन के विनिर्माता द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया अलग-अलग हैं और याचिकाकर्ता द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया अत्यधिक अकुशल है और

इसी से वस्तुतः घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । इस संबंध में याचिकाकर्ता के अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

क. प्रक्रिया में अंतर के बारे में इन पक्षकारों का समूचा तर्क इस वजह से अनर्गल है कि प्रक्रिया में आरोपित अंतर एस टी पी पी के उत्पादन में शामिल नहीं होता है । परंतु, प्रक्रिया में अंतर का फॉस्फोरिक ऐसिड के उत्पादन पर फर्क पड़ता है जो एस टी पी पी के उत्पादन के लिए अपेक्षित एक निविष्टि है । एस टी पी पी के उत्पादन के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री के रूप में फॉस्फोरिक ऐसिड और सोड ऐश की जरूरत होती है । ऐसे उत्पादकों द्वारा फॉस्फोरिक ऐसिड की प्राप्ति आबद्ध रूप से या बाजार से की जा सकती है । विशेषतः उत्पादकों द्वारा फॉस्फोरिक ऐसिड का आबद्ध उत्पादन किया जाता है । फॉस्फोरिक ऐसिड का आबद्ध उत्पादन रॉक फॉस्फेट पद्धति के जरिए अथवा यलो फॉस्फेट पद्धति के जरिए किया जा सकता है । अतः जहां तक एस टी पी पी के उत्पादन का संबंध है, फॉस्फोरिक ऐसिड प्राप्त करने के वैकल्पिक साधन हैं परंतु जहां तक एस टी पी पी के उत्पादन का संबंध है, विश्व भर के अलग-अलग उत्पादकों द्वारा एस टी पी पी के उत्पादन के लिए अपनाई गई प्रक्रिया में कोई अंतर नहीं है ।

ख. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया अकुशल है, याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि "चाइना केमिकल रिपोर्टर" द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट से स्पष्टतः पता चलता है कि वस्तुतः चीन के उत्पादक अब यलो फॉस्फेट पद्धति के बजाए रॉक फॉस्फेट पद्धति को अपनाने पर विचार कर रहे हैं । यलो फॉस्फेट के बजाए रॉक फॉस्फेट की पद्धति को अपनाया जाना निश्चित तौर पर रॉक फॉस्फेट पद्धति से जुड़े कारणों/लाभों की वजह से है । वस्तुतः चीन की एक कंपनी गुइन्जाऊ होंगफू इंड कंपनी ने रॉक फॉस्फेट पद्धति अपना ली है । इस तथ्य का तात्पर्य यह है कि फॉस्फोरिक ऐसिड के उत्पादन हेतु रॉक फॉस्फेट पद्धति एक बेहतर/पसंदीदा प्रक्रिया है और इसे चीन के उत्पादकों ने महसूस किया है । दूसरे शब्दों में घरेलू उद्योग द्वारा फॉस्फोरिक ऐसिड के निर्माण में प्रयुक्त प्रक्रिया वस्तुतः ऐसी प्रक्रिया है जिसे चीन के उत्पादक भी भविष्य में अपनाना चाहते हैं ।

xiii. उत्पादन प्रक्रिया में अंतर सी एन बी, पाटन मार्जिन या क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु पूर्णतः अप्रासंगिक है ।

xiv. याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि सी एन वी तथा क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए कच्ची सामग्री और उसकी कीमत पर विचार करना अपेक्षित होता है । निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए ऐसी कच्ची सामग्री की उत्पादन लागत पर विचार करना अपेक्षित नहीं होता है । कोई घरेलू उत्पादक बाजार से निविष्टि प्राप्त कर सकता

है अथवा उसका आबद्ध उत्पादन कर सकता है । यदि निविष्टि बाजार से प्राप्त की गई है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ने ऐसे निविष्टि की केवल खरीद कीमत ली है । यदि कोई उत्पादक ऐसी कच्ची सामग्री का उत्पादन भी कर रहा है तो उसकी ऐसी कच्ची सामग्री की उत्पादन लागत भी होगी । तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी यह सूचना प्राप्त नहीं करते हैं । घरेलू उद्योग के लिए ऐसी आबद्ध निविष्टि की उत्पादन लागत की सूचना प्रदान करना अपेक्षित नहीं होता है और निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसी आबद्ध निविष्टियों के बाजार मूल्य पर सतत रूप से विचार कर रहे हैं । निविष्टि की लागत और निविष्टि के बाजार मूल्य में अंतर लाभ में होता है जिसकी वजह से पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जाता है । फिर भी यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि निविष्टि की लागत नितांत अप्रासंगिक है ।

xv. याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि जांच अवधि में कोई संयंत्र बंद नहीं हुआ था । संयंत्र जांच अवधि के बाद बंद हुआ था ।

xvi. यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता ने संबद्ध आपूर्तिकर्ता से फॉस्फोरिक ऐसिड का आयात किया है जिसका घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि इस तर्क को निम्नलिखित आधार पर अस्वीकृत किया जाना अपेक्षित है कि -

(क) याचिकाकर्ता ने ऐस टी पी पी के उत्पादन हेतु स्वयं फॉस्फोरिक ऐसिड का उत्पादन किया है । कंपनी ने ऐस टी पी पी के उत्पादन हेतु फॉस्फोरिक ऐसिड का आयात नहीं किया है ।

(ख) आयातित फॉस्फोरिक ऐसिड अलग ग्रेड और विनिर्देशन का है जिसका उपयोग ऐस टी पी पी के उत्पादन में नहीं किया जा सकता । इसका उपयोग उर्वरकों के उत्पादन में ही किया जा सकता है ।

#### छ प्रकटन के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग द्वारा की गई टिप्पणियां/अनुरोध

11. प्रकटन के पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित टिप्पणियां/अनुरोध किए गए हैं:

- अनंतिम पाटनरोधी शुल्क अंतिम जांच परिणाम अंतिम मौखिक सुनवाई से पहले लगाया गया था ।
- समय/संप्रति आवेदक मै. टाटा कैमिकल्स लिमिटेड विस्तार प्रयोजन के लिए बंद है ।
- पाटनरोधी शुल्क का कोई उद्ग्रहण पूर्वदिनांकित अथवा नियत तारीख से पूर्व (अंतिम जांच परिणाम की तारीख से पूर्व) नई होना चाहिए ।
- कीमतों, लाभप्रदता और आवेदक के उत्पादन तथा आयात की मात्रा के बारे में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क का परिणाम उपलब्ध नहीं कराया गया है । पाटनरोधी शुल्क के बाद भी यदि आवेदक अपने उत्पादन स्तर पर नहीं पहुंचता है तो स्थिति क्या होगी ? क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा या कम कर दिया जाएगा ।

- घरेलू बिक्री कीमत में वृद्धि को महत्व दिया जाए ।
- आवेदक द्वारा उठाए गए विस्तृत ढांचागत कदमों को सूचित नहीं किया गया है । घरेलू उद्योग का पुनः सत्यापन एच यू एल, उसके संपर्क के ब्यौरे अथवा समाप्ति अथवा उसके आयात अथवा क्रय के साथ नहीं किया गया है । आवेदक का आरोप निराधार और साक्ष्य/समर्थकारी दस्तावेज से रहित है ।
- घरेलू उद्योग एस टी पी के विनिर्माण हेतु वैट प्रक्रिया का उपयोग करता है जबकि ब्लू सोर्ड एस टी पी के उत्पादन हेतु ड्राई प्रक्रिया का उपयोग करता है ।
- कच्ची सामग्री की प्रक्रिया में अंतर को महत्व दिया जाए । इसके अलावा यलो फॉस्फेट पद्धति तथा रॉक फॉस्फेट पद्धति में अंतर पर विचार किया जाए ।
- फॉस्फोरिक एसिड की कीमत के संबंध में असामान्य जांच अवधि का चयन चिंताजनक है । सल्फर/सल्फ्यूरिक एसिड और रॉक फॉस्फेट, जो फॉस्फोरिक एसिड की संघटक हैं, की कीमतों में असामान्यता के कारण आबद्ध रूप से उत्पादित फॉस्फोरिक एसिड की लागत प्रभावित हुई थी । हितबद्ध पक्षकारों ने जांच अवधि के दौरान सल्फर/सल्फ्यूरिक एसिड, रॉक फॉस्फेट तथा फॉस्फोरिक एसिड की प्रचलित कीमत की असामान्य स्थिति के तथ्य को उजागर किया था । परंतु, प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में इस मुद्दे पर कार्यवाही नहीं की है ।
- आवेदक ने संयंत्र बंद होने के सही कारक एवं सही अवधि नहीं बताई है ।
- कम क्षमता उपयोग के कारण क्षति रहित कीमत में समाहित पर इकाई नियत लागत बढ़ गई है । किसी सामान्य वर्ष में क्षमता उपयोग के उचित स्तर पर प्राधिकारी को विचार करना चाहिए था ।
- आवेदक ने बिक्री उद्योगवार (डिटर्जेंट उद्योग वार, सिरामिक उद्योग वार आदि) के ब्यौरे प्रदान नहीं किए हैं ।
- आवेदक तकनीकी एस टी पी के अन्य विभिन्न उप ग्रेडों का विनिर्माण नहीं करता है ।
- प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई सामान्य मूल्य के निर्धारण की पद्धति को स्पष्ट किए जाने की जरूरत है ।

## 12. प्रकटन पश्चात घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- यदि फूड ग्रेड का आयात पाटनरोधी शुल्क के बिना किया जाता है और तकनीकी ग्रेड के अनुप्रयोग में उसका उपयोग किया जाता है, तो लंबे समय से चल रही वर्तमान जांच का समूचा प्रयोजन ही विफल हो जाएगा । यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी का प्रस्ताव फूड ग्रेड को अलग रखने का है, तो इसे केवल उन अनुप्रयोगों के लिए अलग किया जाना चाहिए जिनमें केवल फूड ग्रेड ही अपेक्षित होता है और तकनीकी ग्रेड की खपत नहीं की जा सकती है ।

- निर्धारित क्षति रहित कीमत काफी कम है और नए कानून में भी इसका समर्थन नहीं है ।
- क्षति रहित कीमत का निर्धारण लागू हुए नए नियमों के असंगत पद्धति को अपनाकर किया गया है ।

### च. गोपनीयता से संबंधित मुद्दे

13. हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन आदि के संबंध में प्रदत्त अत्यधिक गोपनीयता को नियमावली के नियम 7 के अनुसार न होने का तर्क दिया है ।

#### च1 प्राधिकारी द्वारा जांच

14. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच की है । प्राधिकारी ने नियम-6(7) के अनुसार अनुरोध करने पर विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतरण वाले सार्वजनिक फाइल सभी हितबद्ध पक्षकारों को निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराई । हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने यह पाया कि सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और क्षति रहित कीमत की गणना की पद्धति का प्रकटन ग्रारंभिक जांच परिणामों में किया गया है ।

15. जहां तक सूचना की गोपनीयता का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नानुसार उपबंध है:-

**गोपनीय सूचना** (1) नियम 6 के उपनियम (2), (3) और (7), नियम 12 के उप नियम(2), नियम 15 के उप नियम (4) और नियम 17 के उप नियम (4) में निहित किसी बात के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी को नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां अथवा किसी पक्षकार द्वारा जांच के दौरान गोपनीय आधार पर प्रदत्त किसी अन्य सूचना को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयत के बारे में संतुष्ट होने के उपरांत गोपनीय ही माना जाएगा और ऐसी किसी सूचना का प्रकटन ऐसे सूचना प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी दूसरे पक्षकार को नहीं किया जाएगा ।

(2) गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रदाता किसी पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश प्रस्तुत करना संभव न हो तो ऐसा पक्षकार इस आशय के कारणों का एक विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है कि उसका सारांश प्रस्तुत करना संभव क्यों नहीं है ।

(3) उप नियम (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता या तो सूचना को

सार्वजनिक करने अथवा सामान्य रूप में या सारांश रूप में उसके प्रकटन का प्राधिकार प्रदान करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं ।

(ख) सूचना की गोपनीयता के बारे में पाटनरोधी डब्ल्यू टी ओ करार में निम्नानुसार उपबंध है :-

अनुच्छेद-6.5 ऐसी सूचना जो गोपनीय प्रकृति की है (उदाहरणार्थ क्योंकि उसके प्रकटन से किसी प्रतिस्पर्धी को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी लाभ मिलेगा अथवा उसके प्रकटन से उक्त सूचना प्रदाता किसी व्यक्ति पर अथवा जिस व्यक्ति से उक्त सूचना प्राप्त की गई है, उस व्यक्ति पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा) अथवा जिसे किसी जांच हेतु पक्षकारों ने गोपनीय आधार पर प्रदान किया है, उस सूचना को बेहतर कारण दर्शाए जाने पर प्राधिकारियों द्वारा गोपनीय ही माना जाएगा । ऐसी सूचना का प्रकटन सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार की विशिष्ट अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा ।

अनुच्छेद-6.5.1 प्राधिकारी गोपनीय सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेंगे । ये सारांश यथोचित विस्तार में होंगे ताकि गोपनीय रूप में प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके । आपवादित परिस्थितियों में ऐसे पक्षकार यह उल्लेख कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश तैयार नहीं किया जा सकता । ऐसी आपवादिक परिस्थितियों में ऐसे कारणों का विवरण दिया जाना चाहिए कि इसका सारांश तैयार करना क्यों संभव नहीं है ।

अनुच्छेद-6.5.2 यदि प्राधिकारी यह पाते हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता या तो सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्य रूप में या सारांश रूप में उसके प्रकटन का प्राधिकार प्रदान करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं बशर्ते उचित स्रोतों से उनकी संतुष्टि होने के उपरांत यह प्रदर्शित हो सके कि उक्त सूचना सही है ।

अनुच्छेद-6.5.2 की पाद टिप्पणी (पाटनरोधी डब्ल्यू टी ओ करार की पाद टिप्पणी 18) में निम्नानुसार उपबंध है :-

सदस्य इस बात पर सहमत हैं कि गोपनीयता के अनुरोधों को स्वैच्छिक ढंग से अस्वीकृत नहीं किया जाना चाहिए ।

16. अतः यह स्पष्ट है कि प्राधिकारियों द्वारा जारी सार्वजनिक सूचनाएं गोपनीयता के उपबंधों के प्रत्यक्षतः अधीन हैं और उन्हें किसी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की रक्षा करनी चाहिए । इसके अलावा, गोपनीय सूचना के आधार पर प्राधिकारी द्वारा निकाला गया कोई निष्कर्ष भी गोपनीय बन जाता है यदि इस प्रकार के निष्कर्ष के प्रकटन से गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना का किसी रूप में कारगर ढंग से प्रकटन हो सकता है ।

17. प्राधिकारी ने विधिक उपबंधों और अन्य जांचकर्ता प्राधिकारियों की प्रक्रियाओं की भी जांच की और यह पाया कि अन्य जांचकर्ता प्राधिकारियों द्वारा भी जारी की गई ऐसी सार्वजनिक सूचना/पत्रों में जांच परिणाम जारी करते समय कोई गोपनीय सूचना शामिल नहीं होती है ।

18. प्राधिकारी का यह सतत मत रहा है कि परिकलित सामान्य मूल्य का प्रकटन सार्वजनिक अधिसूचना में नहीं किया जा सकता । तथापि अपनाई गई कार्य पद्धति की इस जांच परिणाम में व्याख्या की गई है ।

19. अंतिम जांच परिणाम देने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों के प्रकटन का प्रावधान पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 में दिया गया है । नियम 16 में भी गोपनीय तथ्यों का प्रकटन "संबंधित हितबद्ध पक्षकारों" को करने की अपेक्षा की गई है जबकि अगोपनीय तथ्यों का प्रकटन सभी हितबद्ध पक्षकारों को करने की अपेक्षा की गई है । निर्दिष्ट प्राधिकारी को किसी भी चरण पर प्रतिस्पर्धा करने वाले और टकराव वाले हितों के पक्षकारों को गोपनीय सूचना का प्रकटन करने की शक्ति नहीं है । अतः यह पर्याप्त होगा यदि निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत की पुष्टि और तुलना में प्रयुक्त कार्य पद्धति के कारणों की संपूर्ण व्याख्या को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा वास्तविक आंकड़ों के प्रकटन के बजाए प्रकटित किया जाए । सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और क्षति रहित कीमत पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत गोपनीय सूचना पर आधारित हैं और उनके प्रकटन से प्रतिस्पर्धी को पर्याप्त प्रतिस्पर्धी लाभ मिलेगा और इसके प्रकटन का सूचना प्रदाता व्यक्ति पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है ।

20. जांच को सुकर बनाने के लिए विश्वास और आत्मविश्वास के बल पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील और गोपनीय सूचना के प्रकटन से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मोर्चों पर बाजारी वातावरण पूर्णतः विकृत हो जाएगा । घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, क्षति रहित कीमत आदि से संबंधित गोपनीय सूचना के प्रकटन से घरेलू और विदेशी प्रतिस्पर्धियों को अनावश्यक लाभ मिलेगा और वे ग्राहकों के समक्ष अलाभकारी स्थिति में आ जाएंगे । इसी प्रकार सामान्य मूल्य, निवल निर्यात कीमत, पहुंच कीमत आदि जैसी गोपनीय सूचना का निर्यातकों को प्रकटन किए जाने से उनके प्रतिस्पर्धियों और क्रेताओं की तुलना में वाणिज्यिक हित का नुकसान होगा ।

21. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा मांगी गई गोपनीय सूचना का प्रकटन प्रतिस्पर्धा करने वाले और टकराव वाले हित रखने वाले पक्षकारों को नहीं किया जा सकता । तथापि, अगोपनीय सूचना का प्रकटन हितबद्ध पक्षकारों को कर दिया गया है ।

छ. विविध मुद्दे

22. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच के दौरान निम्नलिखित विविध मुद्दे उठाए गए हैं :

- संबद्ध उत्पाद पर शुल्क लगाने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि उत्पाद पहले से ही सुरक्षित है क्योंकि उसके प्रमुख दोनों संघटकों का पाटनरोधी शुल्क तथा रक्षोपाय शुल्क द्वारा पहले से ही अपेक्षा से अधिक संरक्षण प्राप्त है। लगातार रक्षोपाय शुल्क और पाटनरोधी शुल्क के भेदभावपूर्ण और अनक्रमिक अधिरोपण से प्रयोक्ताओं और उपभोक्ताओं का भारी कीमत चुकानी पड़ रही है जिसे प्राधिकारी को ऐसे शुल्क की संस्तुति करते समय समझना चाहिए।
- खपत की पद्धति में एक खास परिवर्तन हुआ है। सिरेमिक उद्योग से मांग में वृद्धि जो अब तक डिटरजेंट उद्योग के बाद एस टी पी पी का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, की अनदेखी की गई है।
- घरेलू उद्योग ने घरेलू मांग का गलत प्रदर्शन किया है। सिरेमिक उद्योग की ओर से मांग में वृद्धि की अनदेखी की गई है जो एस टी पी पी का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।
- टी सी एल एकाधिकार वाली बाजारी स्थिति में है और उसमें एस टी पी पी का अनियमित उत्पादन बगाए रखा है। घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग को पूरा करने में असमर्थ है और इसीलिए चीन से आयात अपरिहार्य हैं।
- उच्चतर निवेश, रोजगार और राजस्व के कारण कमजोर प्रयोक्ता उद्योगों में अधिक सार्वजनिक हित है। यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो संबद्ध वस्तु की कीमत में वृद्धि होगी और कई डिटरजेंट विनिर्माता अपनी फैक्टरियां बंद कर देंगे।
- जांच अवधि अनुचित है क्योंकि यह हाल की नहीं है। इसमें जानबूझकर वैश्विक मंदी की अवधि शामिल की गई है।
- अनंतिम पाटनरोधी शुल्क अंतिम जांच परिणाम अंतिम मौखिक सुनवाई से पहले लगाया गया था।
- समय/संप्रति आवेदक मै. टाटा कैमिकल्स लिमिटेड विस्तार प्रयोजन के लिए बंद है।
- पाटनरोधी शुल्क का कोई उद्ग्रहण पूर्वदिनांकित अथवा नियत तारीख से पूर्व (अंतिम जांच परिणाम की तारीख से पूर्व) नई होना चाहिए।
- कीमतों, लाभप्रदता और आवेदक के उत्पादन तथा आयात की मात्रा के बारे में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क का परिणाम उपलब्ध नहीं कराया गया है। पाटनरोधी शुल्क

के बाद भी यदि आवेदक अपने उत्पादन स्तर पर नहीं पहुंचता है तो स्थिति क्या होगी? क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा या कम कर दिया जाएगा ।

### छ.1 प्राधिकारी द्वारा जांच

23. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्रमुख कच्ची सामग्री को पाटनरोधी शुल्क और रक्षोपाय शुल्क द्वारा पहले से संरक्षण प्राप्त है और इस प्रकार संबद्ध वस्तु के आयात को ऐसे किसी संरक्षण की जरूरत नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियामों में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है जिसके अंतर्गत प्राधिकारी को उस स्थिति में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने से रोका जाए जब वस्तुएं पाटित पाई गई हों और घरेलू उद्योग को उससे क्षति हो रही हो भले ही उसकी कच्ची सामग्री के आयात पर पहले से ही कोई संरक्षणकारी उपाय लागू हो ।

24. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि सिरेमिक उद्योग की मांग की अनदेखी की गई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग को भारत में हुए आयातों की मात्रा और घरेलू उत्पादक द्वारा की गई सभी बिक्री के रूप में परिभाषित किया गया है । इसमें सिरेमिक सहित सभी क्षेत्रों की मांग पर विचार करना शामिल है ।

25. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि टी सी एल को एकाधिकारवादी बाजारी स्थिति का लाभ प्राप्त है और वह घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग को पूरा करने में असमर्थ है और इसीलिए चीन से आयात अनिवार्य हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य और प्रयोजन अनुचित व्यापार व्यवहार को रोकना और डब्ल्यू टी ओ के तत्त्वावधान में पाटित आयातों के मुकाबले घरेलू उद्योग के लिए प्रतिस्पर्धा का समान अवसर उपलब्ध करना है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि "पाटन" एक अनुचित व्यापार व्यवहार है और किसी स्थापित घरेलू उद्योग को क्षति होने की स्थिति में उसकी भर्त्सना की जानी चाहिए भले ही एक ही घरेलू उत्पादक हो; क्योंकि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है । शुल्क लगाए जाने से भारतीय बाजार में अपाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तु को बेचने के लिए विदेशी उत्पादकों के अधिकार सीमित नहीं होंगे । तथापि, जांच से यह पता चला है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई है ।

26. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जांच की अवधि अनुचित है और उसमें वैश्विक मंदी की अवधि शामिल कि गई है, किसी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई साक्ष्य/सूचना प्रदान नहीं की है कि वैश्विक मंदी से एस टी पी पी उद्योग प्रभावित हुआ है ।

27. इसके अलावा, कानून में प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या उत्पाद का निर्यात पाटित कीमतों पर किया जा रहा है; यदि हां, तो क्या ऐसे पाटन से घरेलू उद्योग

को क्षति हुई है। इसके अलावा, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या ऐसी क्षति किसी अन्य ज्ञात कारक या किसी ऐसे अन्य कारक से हुई है जिसकी जानकारी प्राधिकारी को दी गई है। इस संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई पुष्टि नहीं की है कि घरेलू उद्योग को क्षति अन्य कारकों से हुई है।

28. अनंतिम पाटनरोधी शुल्क नियम 12 और 13 द्वारा शासित होता है जबकि अंतिम जांच परिणाम तथा निश्चयात्मक शुल्क नियम 17 तथा 18 द्वारा शासित होते हैं। इसके अलावा, नियमों में अंतरिम शुल्क की संस्तुति से पूर्व सार्वजनिक सुनवाई का प्रावधान नहीं है।

29. प्राधिकारी ने केवल जांच अवधि से संबंधित सूचना पर ध्यान दिया है तथा जांच अवधि के बाद के घटनाक्रम समीक्षा के विषय हैं और वर्तमान जांच के लिए प्रासंगिक नहीं हैं।

30. पाटनरोधी नियमावली के नियम 12, 13, 17 और 18 द्वारा अंतरिम एवं अंसिम शुल्क का अधिरोपण शासित होता है। निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क अनंतिम शुल्क लगाए जाने की तारीख से लागू होगा।

31. प्राधिकारी की यह सतत पद्धति रही है कि जांच अवधि के बाद की अवधि के लिए किसी मापदंड पर विचार न किया जाए। जांच अवधि के बाद हुआ कोई घटनाक्रम चाहे वह अनुकूल हो अथवा प्रतिकूल, पर समीक्षा तंत्र के जरिए विचार किया जा सकता है न कि वर्तमान कार्यवाही में।

32. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच के विभिन्न चरणों पर किए गए संगत अनुरोधों की जांच की गई है और उन पर इस जांच परिणाम के संबंधित पैराग्राफों में विचार किया गया है।

#### ज. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

33. विचाराधीन उत्पाद "सोडियम ट्रिपोली फॉस्फेट" (एस टी पी पी) है जिसका रासायनिक सूत्र  $Na_5P_3O_{10}$  है। यह सोडियम का एक पॉलीफोस्फेट या ट्रिफॉस्फोरिक अम्ल का सोडियम साल्ट है। मोटे तौर पर एस टी पी पी के दो ग्रेड हैं अर्थात् तकनीकी ग्रेड और खाद्य ग्रेड। एस टी पी पी के विभिन्न तकनीकी ग्रेड हैं - रेगुलर मध्यम तापमान राइज, उच्च तापमान राइज, दानेदार और हाइड्रेटेट। एस टी पी पी एक लोस अकार्बनिक यौगिक है जिसका उपयोग अनेक घरेलू सफाई उत्पादों में किया जाता है जो मुख्यतः एक निर्माणकर्ता के रूप में होता है परंतु इसका उपयोग मानवीय खाद्य पदार्थों, पशुओं के खाद्य पदार्थों, औद्योगिक सफाई प्रक्रियाओं और सेरामिक्स के विनिर्माण में भी किया जाता है।

34. विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 28 के अंतर्गत उप शीर्ष 2835.3100 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल

सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है । वर्तमान जांच में एस टी पी पी के सभी ग्रेड और किस्में शामिल हैं ।

### निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

35. निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि - फूड ग्रेड एस टी पी पी उत्पादन लागत, रासायनिक विशेषताओं आदि के संबंध में टेक्नीकल ग्रेड एस टी पी पी से भिन्न है और इसका उपयोग अदल-बदल कर नहीं होता है । विचाराधीन उत्पाद में इसे शामिल कर फूड ग्रेड एस टी पी पी के आयातों पर शुल्क लगाने का कोई कारण नहीं है । इसके अलावा, चीन से आयातित एस टी पी पी की गुणवत्ता घरेलू रूप से उत्पादित एस टी पी पी की गुणवत्ता की तुलना में काफी बेहतर है । प्रकटन पश्चात यह भी अनुरोध किया जाता है कि आवेदक तकनीकी एस टी पी पी के अन्य विभिन्न उप ग्रेडों का विनिर्माण नहीं करता है ।

### घरेलू उद्योग के विचार

36. घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित उत्पाद और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच ऐसा कोई ज्ञात अंतर नहीं है जिससे इसकी कीमत, उपयोग और गुणवत्ता आदि पर प्रभाव पड़ सकता हो । घरेलू उद्योग ने यह भी दावा किया है कि उनके द्वारा और संबद्ध देश के उत्पादकों के द्वारा उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी और प्राथमिक उत्पादक प्रक्रिया तुलनीय है । घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि यदि टेक्नीकल ग्रेड एस टी पी पी की कीमत फूड ग्रेड एस टी पी पी की कीमत से अधिक हो जाती है तो उपभोक्ता फूड ग्रेड एस टी पी पी की ओर रुख करेंगे । फूड ग्रेड एस टी पी पी तथा टेक्नीकल ग्रेड एस टी पी पी के बीच एकमात्र अंतर यह है कि फूड ग्रेड में टेक्नीकल ग्रेड एस टी पी पी की तुलना में कम अशुद्धताएं होती हैं अतः यह स्पष्ट है कि फूड एस टी पी पी की तुलनात्मक कीमत कम होने की स्थिति में उपभोक्ता फूड एस टी पी पी की ओर तुरंत रुख करेंगे । इसी आधार पर फूड और टेक्नीकल एस टी पी पी को समान वस्तु माना जाना चाहिए । प्रकटन पश्चात घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि यदि फूड ग्रेड का आयात पाटनरोधी शुल्क के बिना किया जाता है और तकनीकी ग्रेड के अनुप्रयोग में उसका उपयोग किया जाता है, तो लंबे समय से चल रही वर्तमान जांच का समूचा प्रयोजन ही विफल हो जाएगा । यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी का प्रस्ताव फूड ग्रेड को अलग रखने का है, तो इसे केवल उन अनुप्रयोगों के लिए अलग किया जाना चाहिए जिनमें केवल फूड ग्रेड ही अपेक्षित होता है और तकनीकी ग्रेड की खपत नहीं की जा सकती है ।

## प्राधिकारी द्वारा जांच

37. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच और उसके सत्यापन के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है और इसलिए ये समान वस्तुएं हैं ।

38. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है: -

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हों;

39. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से तकनीकी एस टी पी पी के ऐसे किसी ग्रेड का पता नहीं चलता है जिसकी आपूर्ति/उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा न किया जा रहा हो । इसके अलावा, जहां तक फूड ग्रेड एस टी पी पी और तकनीकी ग्रेड एस टी पी पी के बीच अंतर का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि फूड ग्रेड एस टी पी पी में काफी कम अशुद्धताएं एवं तकनीकी ग्रेड एस टी पी पी की तुलना में भारी धातुएं होती हैं । प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि कुछ निर्यातकों ने यह स्वीकार किया है कि अधिक शुद्ध प्रवृत्ति का होने के कारण फूड ग्रेड एस टी पी पी का उपयोग तकनीकी ग्रेड एस टी पी पी के स्थान पर किया जा सकता है परंतु इसका विलोमतः प्रयोग नहीं होता है । तथापि, इन तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग फूड ग्रेड एस टी पी पी का विनिर्माण नहीं करता है । घरेलू बाजार में फूड ग्रेड एस टी पी पी की मांग और देश में इसका आयात काफी कम तथा नगण्य होने के कारण और फूड ग्रेड एस टी पी पी की कीमत तकनीक ग्रेड एस टी पी पी से लगभग 25% अधिक होने की वजह से दोनों ग्रेडों का अदल-बदल कर उपयोग उक्त दोनों तरीकों से नहीं हो सकता । इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि फैड ग्रेड एस टी पी पी को पाटनरोधी उपाय के दायरे में लाने की जरूरत नहीं है । उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि फूड ग्रेड एस टी पी पी के आयातों पर पाटनरोधी उपायों की संस्तुति अपेक्षित नहीं है ।

## झ. घरेलू उद्योग और स्थिति

40. यह याचिका मै. टाटा कैमिकल्स लि., मुंबई द्वारा दायर की गई है और मै. अलब्राइड एंड विल्सन लि. ने इसका समर्थन किया है । आवेदक समर्थक के साथ भारत में इस उत्पाद का प्रमुख उत्पादक है जिसका भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन में 100% हिस्सा बनता है । किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है ।

41. हिन्दिया स्थित टी सी एल के संयंत्र में संबद्ध वस्तु और संबद्ध वस्तु के विनिर्माण के लिए सत्कृत्यारिक अम्ल और फॉस्फोरिक अम्ल जैसे दोनों अपेक्षित प्रमुख मध्यवर्ती उत्पादों का उत्पादन होता है । यह संयंत्र मूलतः वर्ष 1979 में मै. हिंद लीवर कैमिकल लि. (एच एल सी एल) द्वारा स्थापित किया गया था और तत्पश्चात इसे मुंबई के माननीय उच्च न्यायालय और चंडीगढ़ स्थित पंजाब और हरियाणा के माननीय उच्च न्यायालय के अनुपालन में 2004 में मै. टी सी एल द्वारा खरीदा गया था । टी सी एल ने जॉब-कार्य आधार पर अपेक्षित प्रमुख कच्ची सामग्रियों की आपूत्रि के विरुद्ध हिंदुस्तान यूनीलीवर लि. अर्थात् पूर्ववर्ती हिंदुस्तान लीवर लि. को संबद्ध वस्तु की बिक्री के लिए हिंदुस्तान यूनीलीवर लि. (एच यू एल) के साथ एक करार किया था । इस कंपनी ने मई, 2006 के बाद से जॉब वर्क उत्पाद बंद कर दिया है ।

42. मै. टाटा कैमिकल्स द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अनुसार, भारत में संबद्ध वस्तु के दो ज्ञात उत्पादक हैं । आवेदक के अलावा, मै. अल्बाइड एंड विल्सन कैमिकल्स इंडिया लि., मुंबई के पास भी संबद्ध वस्तु के उत्पादन की क्षमता है । परंतु जांच अवधि के दौरान दूसरे उत्पादक ने मै. टाटा कैमिकल्स द्वारा \*\*\* मी.ट. के उत्पादन की तुलना में केवल \*\*\* मी.ट. का उत्पादन किया है । जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का कुल भारतीय उत्पादन \*\*\* मी.ट. रहा है जिसमें से मै. टाटा कैमिकल्स लि., मुंबई (याचिकाकर्ता) के उत्पादन का 92% हिस्सा बनता है और इसलिए उनके पास नियम 5(3) के अनुसार स्थिति संबंधी योग्यता है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार वह घरेलू उद्योग है ।

### अ . निर्धारित न्यूनतम सीमाएं

43. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय ( डी जी सी आई एंड एस) और अन्य गौण स्रोतों से प्राधिकारी को प्राप्त आयात आंकड़ों और चीन जन.गण. के सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक पाए गए हैं ।

### ट . पाटन मार्जिन का निर्धारण

#### ट .1 बाजार अर्थव्यवस्था के दावे की जांच

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्व में अन्य उल्ल्यू टी ओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को उपर्युक्त नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा किसी निर्यातक द्वारा उपर्युक्त धारणा का खंडन किए जाने के अधीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है ।

45. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के पैराग्राफ 8 अनुबंध 1 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा का खंडन किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराएं और इसके विपरीत बात को सिद्ध करें। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ के उप पैराग्राफ 3 में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि वया :-

- (क) चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों के कीमतों, लागत और निविष्टियों, कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन बिक्रियों और निवेश से संबंधित निर्णय बाजार संकेतों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं जिनमें पूर्ते और मांग प्रदर्शित होती है और इस संबंध में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती हैं।
- (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसंपत्तियों के हास, अन्य बहु-खातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान की दृष्टि से पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से प्राप्त पर्याप्त विकृतियों के अधीन हैं।
- (ग) ऐसी फर्मों दिवालियापन और संपत्ति संबंधी उन कानूनों के अधीन हैं जो इन फर्मों की कानूनी निश्चितता और प्रचालन के स्थायित्व की गारंटी देते हैं, और
- (घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं।

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना के परिणामस्वरूप चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और गैर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी धारणा का खंडन किया है:

कंपनी का नाम	
	गुइङ्गू वेंगफू जीन-फोर्स कैमिकल कं. लि.
	वेंगफू इंटरट्रेड लि.
3.	सिचुआन ब्लू सोर्ड कैमिकल (ग्रुप) कं. लि.
4.	सिचुआन ब्लू सोर्ड चुआंगसी फॉस्फो कैमिकल्स कं. लि.
5.	सिचुआन ब्लू सोर्ड इपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
6.	मै. यीबिन तियानयुआन ग्रुप कं. लि.
7.	मै. यीबिन तियानलन कैमिकल कं. लि.
8.	मै. लिसान जिनगुआंग कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि.

9.	मै. सिचुआन जिनगुआंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि.
10.	मै. सिचुआन जिनगुआंग कैमिकल कं. लि.

## ट .2 प्राधिकारी द्वारा जांच

मै. गुइज्जू वेंगफू जीन-फोस कैमिकल कं. लि. (उत्पादक) और मै. वेंगफू इंटरट्रेड लि. (निर्यातक)

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिवादी कंपनियों ने यह स्वीकार किया है कि वे राज्य के स्वामित्व वाली हैं। इन कंपनियों के निदेशक बोर्ड में राज्य के स्वामित्व वाली शेयरधारक कंपनियों का प्रभुत्व है। ग्रुप कंपनी मै. वेंगफू ग्रुप कंपनी लि. एक स्वीकृत राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है, जिसने प्राधिकारी द्वारा विशेष रूप से पूछे जाने पर भी उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि फॉस्फोरिक एसिड जो संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण के लिए मूल मध्यवर्ती वस्तु है, की प्रतिवादी उत्पादक कंपनी द्वारा खरीद मै. वेंगफू ग्रुप कंपनी लि., जो मूल कंपनी है, से की जा रही है। इसके अलावा, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि इस कंपनी को सरकारी स्रोतों से पर्याप्त मात्रा में सब्सिडियां/अनुदान प्राप्त हुए हैं।

48. मौके पर सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने निम्नलिखित अभिमत व्यक्त किए :

- i. गुइज्जाऊ वेंगफू जीन फोस कैमिकल कंपनी लि. (उत्पादक) और वेंगफू इंटरट्रेड लि. (निर्यातक) राज्य की स्वामित्व वाली और उसके नियंत्रणाधीन वेंगफू ग्रुप कंपनी लि. की संबद्ध कंपनियां हैं। इस समूह की कंपनी ने निर्यातक और एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया था।
- ii. यद्यपि, प्राधिकारी ने प्रतिवादी कंपनियों से काफी समय पहले अनुरोध किया था कि वे सत्यापन हेतु अपेक्षित रिकॉर्ड/दस्तावेज तैयार रखें। तथापि, वे कुछेक संगत परिशिष्टों सहित अधिकांश अपेक्षित दस्तावेज/रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा सके। इसके बजाए उन्होंने अपेक्षित दस्तावेज/रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के लिए अपनी असमर्थता दर्शाने वाला पत्र उपलब्ध कराया।
- iii. वेंगफू कॉर्प कंपनी लि., जिसके वेंगफू इंटरट्रेड लिमिटेड में \*\*\* % शेयर हैं, के अलावा, राज्य की स्वामित्व वाली एक अन्य कंपनी अर्थात् गुइज्जाऊ कैम. फर्टीलाइजर इंड कंपनी लि. के उक्त कंपनी में \*\*\* % शेयर हैं। इस तरह प्रतिवादी निर्यातक कंपनी 100% राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है।

i. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत एम ई टी उत्तर के अनुसार इस कंपनी को पूर्व में गुर्ज़ोऊ वेंगफू कैमीफॉस इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन के नाम से जाना जाता था जिसका वर्तमान नाम 3 जुलाई, 2008 को रखा गया है। सत्यापन के दौरान कंपनी ने सूचित किया कि यह भूलतः समूह की मूल कंपनी अर्थात् वेंगफू ग्रुप कंपनी लि. की एक शाखा थी। वर्ष 2003 से यह कंपनी एक लिमिटेड कंपनी बन गई। तथापि, यह कंपनी यह दर्शाने के लिए कोई संगत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी कि क्या यह मात्र नाम में परिवर्तन हुआ था अथवा क्या परिसंपत्तियों या देनदारी के अंतरण सहित कंपनी का वास्तविक रूपांतरण हुआ था।

v. इसके अलावा, कंपनी की वैब आधारित सूचना के अनुसार, यह कंपनी गुर्ज़ोऊ होंगफू इंडस्ट्री एंड कॉर्मस डेवलपमेंट वर्गरेशन लि. की एक व्यापारिक शाखा के रूप में 25 नवंबर, 1994 को स्थापित की गई थी। कंपनी इस प्रश्न का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी कि कंपनी के व्यापार लाइसेंस में स्थापना की तारीख 3 जुलाई, 2003 कैसे प्रदर्शित की गई है जबकि कंपनी की वैब आधारित सूचना में इस कंपनी की स्थापना 25 नवंबर, 1994 को दर्शायी गई है। यह कंपनी काफी गहरे मांगी गई सूचना के बायजूद एम ई टी दावे के समर्थन में संगत दस्तावेज/रिकॉर्ड भी प्रस्तुत नहीं कर सकी।

vi. उत्पादनकर्ता कंपनी स्थापना वर्ष के कंपनी के लेखापरीक्षित वार्षिक लेखे, अर्जन की तारीख से संबंधित ब्यौरों सहित परिसंपत्ति अनुसूची, अर्जन की पद्धति, भुगतान के तरीके, सामान्य बैंकिंग माध्यम आदि के जरिए भुगतान के साक्ष्य, पूंजी सत्यापन रिपोर्ट की प्रति, कंपनी के उद्भव एवं विकास आदि से संबंधित दस्तावेज/रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा सकी। इसी प्रकार समूह की मूल कंपनी से संबंधित संगत दस्तावेज/रिकॉर्ड एम ई टी दावे की पुष्टि हेतु कंपनी द्वारा प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

vii. सत्यापन के दौरान यह सूचित किया गया कि कंपनी का मूल नाम मै. साउथ गुर्ज़ोऊ फॉस्फेट फैक्ट्री था, जिसे वर्ष 2000 में सरकार से हांगफू ग्रुप ने खरीदा था। खरीद के बाद कंपनी का नाम बदलकर वर्ष 2009 में मै. वेंगफू ग्रुप कर दिया गया था। तथापि, कंपनी द्वारा खरीद की पद्धति, भुगतान आदि के तरीके को दर्शाने वालो दस्तावेज/रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

viii. इसके अलावा, सत्यापन के दौरान यह देखा गया था कि फॉस्फोरिक एसिड, जो एक प्रमुख कच्ची सामग्री है की कंपनी द्वारा खरीद मूल कंपनी वेंगफू ग्रुप कंपनी लिमिटेड से की गई थी परंतु कंपनी इस बात की पुष्टि हेतु समर्थकारी दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा

सकी कि मूल समूह की कंपनी से खरीदी गई कच्ची सामग्री की खरीद दूरवर्ती आधार पर की गई थी ।

49. प्राधिकारी ने सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणियों के लिए उत्पादक तथा निर्यातक को भेजी गई थी । तथापि, ये कंपनियां टिप्पणियां नहीं दे सकी और असहयोगी बनी रहीं । उपर्युक्त कारणों से प्राधिकारी उन्हें एम ई टी दर्जा प्रदान करना उचित नहीं मानते हैं और उन्हें असहयोगी घोषित करते हैं ।

मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड कैमिकल (ग्रुप) कं. लि., मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड चुआंगसी फॉर्स्फो कैमिकल्स कं. लि. (उत्पादक) और मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (निर्यातक)

50. प्राधिकारी उपर्युक्त कंपनियों द्वारा प्रस्तुत उत्तरों से यह पाया कि मै. सिचुआन रोंगसिंग इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. के पास सिचुआन ब्लू सोर्ड इन्वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी लि. के \*\*\*% शेयर हैं, जिसके इसके बाद सिचुआन ब्लू सोर्ड कैमिकल ग्रुप में \*\*\*% शेयर हैं । उत्तर में यह बात स्वीकार की गई है कि ब्लू सोर्ड कैमिकल ग्रुप ब्लू सोर्ड चुआंगसी और ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि. को नियंत्रित करता है । इसमें यह भी बताया गया है कि सिचुआन ब्लू सोर्ड इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी लि. ब्लू सोर्ड कैमिकल ग्रुप को नियंत्रित करता है । प्राधिकारी द्वारा ध्यान दिलाए जाने के बावजूद प्रतिवादी कंपनियों ने इन कंपनियों के ऊपर अंतिम रूप से नियंत्रण रखने वाली ग्रुप/मूल कंपनी की ओर से कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया । यद्यपि, उत्तर में मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड कैमिकल कंपनी लि. को वर्ष 2002 में स्थापित हुई बताया गया है । तथापि, प्राधिकारी ने कंपनी की वैबसाइट आधारित सूचना से यह देखा है कि यह मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड ग्रुप से निकली हुई कंपनी है जो काफी पहले वर्ष 1985 में स्थापित हुई थी । प्राधिकारी यह भी समुक्ति करते हैं कि प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने यह दावा किया है कि उन्होंने प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद असंबद्ध स्रोत से की है । इस संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि इनकी खरीद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों के तुलनीय प्रचलित बाजार कीमतों पर की गई है ।

51. मौके पर सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने निम्नानुसार पाया था :-

- i. सिचुआन ब्लू सोर्ड चुआंगसी फॉर्स्फो कैमिकल कंपनी लि. और सिचुआन ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि. क्रमशः सिचुआन ब्लू सोर्ड कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड की संबद्ध वस्तु की उत्पादक और निर्यातक सहायक कंपनियां हैं । सिचुआन ब्लू सोर्ड कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड सिचुआन इनवेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है जो सिचुआन रोंगजिन कंपनी लिमिटेड की भी एक सहायक कंपनी है । नियंत्रक समूह की कंपनी वर्ष 1979 में स्थापित राज्य की स्वामित्व वाली

कंपनी है और सभी सहायक कंपनियां उक्त समूह की कंपनी के साझा नियंत्रण में हैं। सत्यापन के दौरान सिचुआन ब्लू सोर्ड इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के बारे में यह बताया गया कि वह समूचे ब्लूसोर्ड ग्रुप की वास्तविक नियंत्रणकर्ता कंपनी थी। परंतु, उस कंपनी ने एम ई टी उत्तर दायर नहीं किया। वह नियंत्रणकर्ता ग्रुप कंपनी अर्थात् सिचुआन ब्लू सोर्ड इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड का व्यापार लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सकी।

- ii. इसके अलावा, सत्यापन के दौरान कंपनी ने यह सूचित किया कि सिचुआन ब्लू सोर्ड पैकिंग कंपनी लिमिटेड की परिसंपत्तियां एक नीलामी के जरिए कंपनी ने अर्जित की थीं, परंतु वह सत्यापन दल को नीलामी से संबंधित नीलामी और संगत दस्तावेजों का ब्यौरा उपलब्ध नहीं करा सकती।
- iii. यद्यपि, प्राधिकारी ने सत्यापन हेतु रिकॉर्ड तैयार रखने के बारे में कंपनी को काफी पहले सूचित कर दिया था, तथापि कंपनी की परिसंपत्ति से संबंधित ब्यौरों सहित संगत ब्यौरे सत्यापन दल के समक्ष प्रस्तुत नहीं कर सकी और वह सत्यापन के प्रयोजनार्थ परिसंपत्ति अनुसूची उपलब्ध नहीं करा सकी।
- iv. उत्तर में यह घोषित किया गया था कि सिचुआन ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड का पंजीकृत कार्यालय योनिंग गांव, सिफांग सिटी है। परंतु सत्यापन के दौरान कंपनी ने यह बताया कि कंपनी का कार्यालय उपर्युक्त पते पर नहीं है और यह चेंगडू में स्थानांतरित हो गया है।
- v. इस बात को स्वीकार किया गया कि नियंत्रक समूह की कंपनी मूलतः राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है, सहायक कंपनियां समूह की मूल कंपनी के साझा नियंत्रण में हैं। इस समूह की कंपनी में इन वर्षों के दौरान कई परिवर्तन हुए और यह एक रूपांतरित कंपनी है परंतु रूपांतरण की प्रक्रिया की पुष्टि करने के लिए सत्यापन दल द्वारा अपेक्षित ऐसा कोई दस्तावेज/रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया जा सका कि क्या ऐसा बाजारी शक्तियों के संबंध में हुआ है अथवा क्या यह राज्य के हस्तक्षेप से मुक्त अथवा अन्यथा है।
- vi. वैब आधारित सूचना के अनुसार वर्ष 1985 में स्थापित सिचुआन ब्लू सोर्ड कैमिकल (ग्रुप) कंपनी लिमिटेड सिचुआन ब्लू सोर्ड ग्रुप द्वारा पूर्णतः निवेशित एक सहायक कंपनी है। समूह की कंपनी का पूर्ववर्ती नाम सिचुआन चुआनसी फॉस्फोकैम था, समूह कंपनी की स्थापना सिचुआन चुआनसी फॉस्फोकैम वर्क्स ग्रुप कार्पो. की निवेश संरचना में सुधार के जरिए की गई थी।
- vii. इस समूह की कंपनी एक रूपांतरित कंपनी है और उसमें इन वर्षों के दौरान कई परिवर्तन हुए हैं। परंतु चूंकि सत्यापन दल द्वारा अपेक्षित संगत दस्तावेज/रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराए जा सके, इसलिए प्रतिवादी कंपनियों ने एम ई टी दावे से अलग

होने का निर्णय लिया । उपर्युक्त कारणों से प्रतिवादी कंपनियों ने लिखित में अपने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के दावे को त्याग दिया ।

viii. प्राधिकारी ने सत्यापन रिपोर्ट उपर्युक्त कंपनियों को टिप्पणियों के लिए भेजी तथापि, वे टिप्पणियां नहीं दे सकीं । उपर्युक्त कारणों से प्राधिकारी उन्हें एम.ई.टी. दर्जा प्रदान न करना उचित समझते हैं ।

मै. यीबिन तियानयुआन ग्रुप कं. लि. (निर्यातक) और मै. यीबिन तियानलन कैमिकल कं. लि. (उत्पादक)

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिवादी कंपनियों में राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों के पर्याप्त शेयर हैं । इसके अलावा, ग्रुप कंपनी के निदेशक बोर्ड के अधिकांश लोग जिनमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष शामिल हैं, यीबेन स्टेट ओन्ड एसेस्ट ऑपरेशन का प्रतिनिधित्व करते हैं । इसके अलावा, प्राधिकारी यह अवलोकन करते हैं कि मै. यीबेन तियानयुआन ग्रुप कंपनी लि. ने स्वयं को अपने उत्तर में एक राज्य के स्वामित्व वाला उद्यम माना है । प्राधिकारी यह भी समुक्ति करते हैं कि प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने यह दावा किया है कि उन्होंने प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद असंबद्ध स्रोत से की है । इस संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि इनकी खरीद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों के तुलनीय प्रचलित बाजार कीमतों पर की गई है ।

53. मौके पर सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने निम्नलिखित अभिमत व्यक्त किए :

- i. यीबिन तियानयुआन कंपनी लिमिटेड 100% राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है । कंपनी ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया था और इस संबंध में उत्तर दायर किया था । कंपनी से काफी पहले संगत दस्तावेज/रिकॉर्ड रखने का अनुरोध किया गया था परंतु वह बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के अपने दावे के समर्थन में अपने दस्तावेज/रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सकती ।
- ii. सत्यापन के दौरान समूह कंपनी ने यह बताया कि उसकी स्थापना मूलतः 1944 में हुई थी । इन वर्षों के दौरान कंपनी में कई परिवर्तन और रूपांतरण हुए । इस समय यह कंपनी 100% राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है । कंपनी दस्तावेजी साक्ष्य के साथ कंपनी की मूल संरचना और कार्य, इन वर्षों के दौरान कंपनी की वृद्धि, कंपनी की स्थापना के समय निधि/निवेश के स्रोत और पूंजी हिस्सेदारी में वृद्धि, कंपनी की परिसंपत्तियों के ब्यौरे सरकारी स्रोतों से कंपनी को प्राप्त अनुदान और प्रोत्साहनों से संबंधित ब्यौरे आदि को स्पष्ट नहीं कर सका । उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए

कंपनी ने अपना एम ई टी दावा त्याग दिया और इस आशय का पत्र सत्यापन दल को दे दिया ।

iii. यीबिन तियानलान कैमिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) 100% राज्य की स्वामित्व वाली यीबिन तियान युआन ग्रुप कंपनी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली और नियंत्रक सहायक कंपनी है । संबद्ध कंपनी ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया और इस संबंध में उत्तर प्रस्तुत किया । कंपनी से काफी पहले संगत दस्तावेज/रिकॉर्ड रखने का अनुरोध किया गया परंतु वह बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के अपने दावे के समर्थन में अपेक्षित दस्तावेज/रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सकी । जब अधिकारियों ने सत्यापन के प्रयोजनार्थ कंपनी के पूर्ववृत्त से संबंधित दस्तावेज/सूचना/रिकॉर्ड, कंपनी द्वारा खरीदी गई और धारित परिसंपत्ति भुगतान की पद्धति, वित्तपोषण के लोत आदि की मांग की तो ये प्रस्तुत नहीं किए जा सके । इस बात को देखते हुए कंपनी ने अपना एम ई टी दावा त्याग दिया और इस आशय का पत्र सत्यापन दल को दे दिया ।

54. प्राधिकारी ने सत्यापन रिपोर्ट उपर्युक्त कंपनियों के लिए भेजी तथापि, वे टिप्पणियां नहीं दे सकीं । उपर्युक्त कारणों से प्राधिकारी उन्हें एम ई टी दर्जा प्रदान न करना उचित समझते हैं ।

मै. सिचुआन जिनगुआंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि., मै. सिचुआन जिनगुआंग कैमिकल कं. लि. और मै. लिसान जिनगुआंग कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि.

55. मै. सिचुआन जिनगुआंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि. को व्यापार लाइसेंस के अनुसार मार्च, 2001 में स्थापित हुआ बताया गया है । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि संबद्ध ग्रुप कंपनी ने लिसान कीर फाइन कैमिकल कंपनी लि. से विकसित होने की बात स्वीकार की है, जो मार्च, 2001 में स्थापित हुई बताई गई है । लिसान कीर फाइन कैमिकल कंपनी लि. के बोर्ड संकल्प की प्रति के अनुसार बोर्ड ने 16 जून, 2003 को कंपनी के नाम में मै. सिचुआन जिनगुआंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि., के रूप में बदलाव को अनुमोदित किया है । यह स्पष्ट नहीं है कि मै. सिचुआन जिनगुआंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि. की स्थापना इसके नाम में बदलाव से पहले कैसे हो सकती है । इसके अलावा, मै. सिचुआन जिनगुआंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि. की एक सहायक कंपनी लिसान जिनगुआंग कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. को 1998 में स्थापित हुआ बताया गया है जो तारीख मूल कंपनी की स्थापना की तारीख से पहले की है । इस संबंध में उन्होंने स्पष्ट किया है कि लिसान जिनगुआंग कैमिकल इंडस्ट्री कं. लि. 1998 में 6 व्यक्तियों द्वारा स्थापित की गई थी जिनमें से श्री चैंग रुइंगगुआंग ने 2003 में \*\*\*% शेयरधारिता लिसान कीर फाइन कैमिकल्स कं. लि. को हस्तांतरित कर दी थी, जो सिचुआन जिनगुआंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कं. लि. की पूर्ववर्ती कंपनी है । परंतु उत्तर से यह

देखा गया है कि कंपनी के केवल तीन शेयर धारक हैं और न कि छः शेयरधारक । इसके अलावा, कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से प्राधिकारी ने यह अवलोकन किया है कि मै. लिसान कीर अल्कली कं. लि. जो उसकी एक संबद्ध कंपनी है, की मूलतः स्थापना केलसाइंड सोल्ड फैक्ट्री के रूप में की गई थी, जिसके बारे में उत्तर में कुछ भी नहीं किया गया है । प्राधिकारी यह भी समुक्ति करते हैं कि प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने यह दावा किया है कि उन्होंने प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद असंबद्ध स्रोत से की है । इस संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि इनकी खरीद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों के तुलनीय प्रचलित बाजार कीमतों पर की गई है ।

56. मौके पर सत्यापन के दौरान निम्नानुसार अनुरोध किया गया था :

- क. सिचुआन जिगयुआंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड, सिचुआन जिगचुआंग इंड ग्रुप की एक सहायक कंपनी है, जिसकी स्थापना वर्ष 2008 में फंटाई इंड जोन, पान ज़िहुआ सिटी में की गई थी । मई, 2008 से सितंबर, 2009 तक सहायक कंपनी यतो फॉस्फोरस उत्पादन लाइन की तैयारी कर रही थी और इसी अवधि के दौरान कंपनी ने फॉस्फोरिक एसिड प्राप्त किया तथा सिचुआन जिगयुआंग ग्रुप से एसटीपीपी उत्पादन लाइनें प्राप्त कीं ।
- ख. लेशान जिगुआंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड, जिनहेटाउन, जिकोहे जिला, लेशान शहर, की स्थापना 1998 में की गई थी । सिचुआन जिगुआंग इंड ग्रुप कंपनी लिमिटेड ने कंपनी के 53.75 शेयरों की खरीद की और इसे समूह कंपनी की एक सहायक कंपनी बनाया । यह कंपनी सैन्य क्षेत्र में स्थित है जो विदेशियों के लिए निषिद्ध है ।
- ग. अप्रैल, 2008 से मार्च, 2009 तक सिचुआन जिगुआंग इंड ग्रुप कंपनी लिमिटेड ने एस टी पी पी का उत्पादन कर उसकी बिक्री घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में की । लेशान शहर स्थित समूह कंपनी की विनिर्माण सुविधा में फॉस्फोरिक एसिड संयंत्र तथा एस टी पी पी संयंत्र दोनों शामिल थे ।
- घ. समूह कंपनी ने मई, 2009 से फरवरी, 2010 के दौरान अपनी लेशान शहर की सुविधा से फॉस्फोरिक एसिड एस टी पी पी उत्पादन संयंत्र और उपकरणों को पानज़िहुआ शहर स्थित फंटाई इंड जोन में सिचुआन जिगुआंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड को अंतरित कर दी । सिचुआन जिगुआंग इंड ग्रुप कंपनी लिमिटेड, लेशान शहर ने अगस्त, 2009 से एस टी पी पी का उत्पादन बंद कर दिया । तथापि, जांचोत्तर अवधि में समूह कंपनी ने जांच अवधि के अपने पूर्ववर्ती सटॉक से एस टी पी पी की कुछ खेपों का निर्यात किया । सिचुआन जिगुआंग इंड ग्रुप कंपनी लिमिटेड एक व्यापारी है जो अपनी सहायक कंपनियों से एस टी पी पी की खरीद करती है और उसकी बिक्री घरेलू बाजार तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करती है ।

57. मानके पर सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने निम्नलिखित अभिमत व्यक्त किए :

- प्रतिवादी समूह कंपनी और सहायक कंपनियों ने अपने उत्तर में एम ई टी का दावा किया। यह कंपनी एक अन्य कंपनी अर्थात लेशानकार फाइन कैमिकल कं. लि. से उत्पन्न हुई। संबद्ध कंपनी के मूल निवेशकों ने संयंत्रों और उपकरणों के रूप में शेयर प्राप्त किए। परंतु सत्यापन के दौरान कंपनी एम ई टी के अपने दावे के समर्थन में अपनी स्थापना/रूपांतरण की प्रक्रिया, मूल शेयरधारकों द्वारा निवेशित संयंत्र और उपकरणों के खोत, संयंत्रों और उपकरणों के ऐसे अंतरण की पद्धति, निधि के खोत आदि के बारे में संगत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी और इसके बदले उसने यह कहते हुए पत्र प्रस्तुत किए कि वे अपना एम ई टी दावा वापस लेते हैं। इसी प्रकार के पत्र दोनों सहायक कंपनियों द्वारा यह कहते हुए समूह कंपनी की ओर से प्रस्तुत किए गए कि वे एम ई टी का अपना दावा छोड़ते हैं।
- जांच दल ने 24 दिसंबर, 2010 को संयंत्र का दौरा किया। संयंत्र स्थल पर कुछ विखंडित शैलों और कुछ पुराने उपकरणों, जो विखंडन और बाहर भेजने की प्रक्रियाधीन थे, को छोड़कर संयंत्र स्थल पर कोई संयंत्र या कोई उत्पादन कार्यकलाप नहीं पाया गया। कंपनी ने यह रूपीत किया कि फॉर्स्फोरिक एसिड संयंत्र और एस टी पी पी संयंत्र दोनों को उसकी सहायक कंपनी सिचुआन जिगुआंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड, फंटाई इंड जोन, पान जिहुआ शहर, को बाहर भेजने की प्रक्रिया के अधीन पाए गए कुछेक उपकरणों को छोड़कर अंतरित किए जा चुके हैं। यह भी सूचित किया गया कि समूह कंपनी ने 15 अगस्त, 2009 से एस टी पी पी का उत्पादन बंद कर दिया और वह केवल व्यापार कार्यकलाप कर रही है।
- तथापि, लेशान स्थित, समूह कंपनी की उत्पादन सुविधा को बंद किए जाने और संयंत्र को दूसरे शहर में ले जाने जाने के तथ्य की जानकारी पहले प्राधिकारी को नहीं दी गई थी। यहां तक कि सत्यापन हेतु प्राधिकारी को आमंत्रित करते समय समूह कंपनी प्राधिकारी की जानकारी में इन तथ्यों को नहीं ला सकी। परंतु प्राधिकारी की जानकारी में यह तथ्य सत्यापन के दौरान और संयंत्र के दौरे के समय ही लाया गया था। यह महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाने का मामला बनता है और इससे प्रतिवादी कंपनी के असहयोगात्मक दृष्टिकोण का स्पष्ट तौर पर पता चलता है।

58. प्राधिकारी ने सत्यापन रिपोर्ट उत्पादक/निर्यातक के पास टिप्पणियों के भेजी गई थी। तथापि, कंपनियां कोई सकारात्मक सूचना प्रदान करने में विफल रही और असहयोगी बनी रही। प्रकटन पश्चात सर्वधित पक्षकार ने यह सूचित किया है कि उसने प्राधिकारी को सिचुआन, जिगुआंग कैमिकल का दौरान करने के लिए पानजिहुआ सिटी में आमंत्रित किया था। तथापि, प्रतिवादी कंपनी जांचोत्तर

अवधि में संबद्ध वस्तु का उत्पादक नहीं रही । उपर्युक्त कारणों को देखते हुए प्राधिकारी उसे एम ई टी दर्जा प्रदान न करना उचित समझते हैं और उसे असहयोगी घोषित करते हैं ।

### मै. हुबेर्झ जिगफा कैमिकल्स कं. लि. और मै. कमिंग मेलोंग कैमिकल कं. लि.

59. प्राधिकारी यह समुक्ति करते हैं कि मै. हुबेर्झ जिगफा कैमिकल्स कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । इसके अलावा, मै. हुबेर्झ जिगफा कैमिकल्स कं. लि.द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर को प्राधिकारी द्वारा इन जांच परिणामों में पहले ही बताए गए कारणों के चलते स्वीकार नहीं किया गया है । इसके अलावा मै. कमिंग मेलोंग कैमिकल कंपनी लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किए बिना विलंबित और अधूरा उत्तर प्रस्तुत किया है और इस कारण इसे प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया गया है । अतः प्राधिकारी मानते हैं कि चीन के उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे के लिए किसी भी तरह से पात्र नहीं हैं जिन्हें अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु प्राधिकारी ने स्वीकार नहीं किया है ।

60. इस प्रकार प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन लागत पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है जिसे कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और इष्टतम परिवर्तन लागतों, बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों तथा तर्कसंगत लाभ को प्रदर्शित करने हुतु विधिवत ढंग से समायोजित किया गया है । यह भी नोट किया जाता है कि चीन की प्रतिवादी कंपनियों सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सूचना प्रदान कर बाजार अर्थव्यवस्था वाले उचित तीसरे देश के संबंध में कोई दावा नहीं किया है ।

### सामान्य मूल्य का निर्धारण

61. जांच के दौरान सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए थे :

- i. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की गणना करते समय अनुबंध-1 के पैरा 7 में निहित नियमों का पालन नहीं किया है । नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में 3 पद्धतियों का प्रावधान है जिनका निर्धारण अनुक्रमिक रूप से और उसी वर्णनुक्रम में किया जाना चाहिए । पैरा 7 में आगे यह उपबंध है कि संबद्ध देश के विकास के स्तर और संदर्भाधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए जांच के पक्षकारों को अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के बारे में सूचना दी जाएगी और टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी । तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पहले दोनों विकल्पों को समाप्त किए बिना एकपक्षीय रूप से कार्रवाई की है और उन्होंने भारत में उत्पादन

लागत के अधार पर परिकलित मूल्य का सीधे सहारा लिया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास यह विकल्प नहीं है कि वह बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में सामान्य मूल्य अथवा ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित किसी अन्य देश के लिए निर्यात कीमत के निर्धारण के दोनों विकल्पों से इकार किए बिना सीधे भारत में उत्पादन लागत का निर्धारण करें।

- ii. घरेलू उद्योग और चीन के उत्पादक द्वारा अपनाई गई उत्पादक प्रक्रिया अलग-अलग है, इसलिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य की गणना गलत है।
- iii. जहां तक एम ई टी दर्जे का संबंध है, प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद प्रचलित बाजार कीमतों पर की जाती है जो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमत से तुलनीय है जो पाटनराधी नियमों के दायरे में नहीं है। किसी निविष्टि का बाजार मूल्य अनिवार्यतः प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के बराबर होना जरूरी नहीं है।
- iv. सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी को चीन में उत्पाद की घरेलू बिक्री कीमत पर विचार करना चाहिए था।
- v. सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आंकड़ों में भारी समस्याएं हैं। इन आंकड़ों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और निर्यातकों द्वारा अपनाई गई अलग-अलग उत्पादन प्रक्रिया, चीन में रॉक फॉस्फेट, सोडा ऐश और सल्फ्यूरिक ऐसिड की कम कीमत पर उपलब्धता, फॉस्फोरिक ऐसिड की लागत, ताप लागत, शोधन लागत आदि जैसे कुछेक कारकों की अनदेखी की है जिनका कीमत और लागत की तुलनीयता पर प्रभाव पड़ता है और वह उनका समायोजन करने में विफल रहे हैं।
- vi. सामान्य मूल्य के त्रुटिपूर्ण निर्धारण से प्राधिकारी द्वारा पाटन और पाटन मार्जिन का गलत निर्धारण किया गया है।
- vii. घरेलू उद्योग एस टी पी पी के विनिर्माण हेतु वैट प्रक्रिया का उपयोग करता है जबकि ब्लू सोर्ड एस टी पी पी के उत्पादन हेतु ड्राई प्रक्रिया का उपयोग करता है।
- viii. कच्ची सामग्री की प्रक्रिया में अंतर को महत्व दिया जाए। इसके अलावा यलो फॉस्फेट पद्धति तथा रॉक फॉस्फेट पद्धति में अंतर पर विचार किया जाए।

## ठ.1 प्राधिकारी द्वारा जांच

62. इस संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

63. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में प्राधिकारी ने यह दर्शाया है कि प्राधिकारी उपर्युक्त प्रावधान के अनुसार चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ यथासमय किसी उचित तीसरे देश को अधिसूचित कर सकते हैं । तथापि, घरेलू उद्योग सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उपर्युक्त प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले उचित तीसरे देश के चयन के लिए प्राधिकारी के समक्ष कोई वास्तविक तथ्य उपलब्ध नहीं कराया गया है ।

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की उत्पादन प्रक्रिया में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि फॉस्फोरिक एसिड की उत्पादन प्रक्रिया में अंतर है और फास्फोरिक एसिड का आबद्ध उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा और चीन के कुछ उत्पादकों द्वारा भी किया जाता है । प्राधिकारी ने एस टी पी पी के उत्पादन हेतु कच्ची सामग्री के रूप में फॉस्फोरिक एसिड पर विचार किया है । अतः परिकलित सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्राधिकारी ने फॉस्फोरिक एसिड के अंतर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य को हिसाब में लिया है । अतः दोनों ही मामलों में फॉस्फोरिक एसिड की उत्पादन लागत पर विचार किया गया है । चूंकि किसी मामले में उत्पादन लागत पर विचार नहीं किया गया है, इसलिए कच्चीं सामग्री की उत्पादन लागत में अंतर का मुद्दा नितांत अप्रासंगिक बन जाता है और इससे पाटन मार्जिन या क्षति मार्जिन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है ।

65. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि किसी भी प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक को एम ई टी दर्जा प्रदान नहीं किया गया है और घरेलू उद्योग सहित किसी हितबद्ध पक्षकार ने किसी उचित बाजार अर्थवयवस्था वाले तीसरे देश के चयन हेतु प्राधिकारी को कोई तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। इसलिए प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के द्वितीय परंतुक के अनुसार अन्य उचित आधार पर चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। तदनुसार चीन जन.गण. से सभी निर्यातकों के विचाराधीन उत्पाद के कारखाना द्वारा सामान्य मूल्य का अनंतिम रूप से परिकलन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के चारों प्रतिवादी उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन किया। इनमें से मै. गुरुझोऊ वैंगफू जैन-फॉस कैमिकल कंपनी लिमिटेड तथा मै. सिचुआन जिंगुआंग इंडस्ट्रियल ग्रुप कंपनी लिमिटेड को प्राधिकारी ने असहयोगी घोषित किया है। मै. यीबिन लियानलान ने दावा किया कि वे यलो फॉस्फोरस चरण से एस टी पी का उत्पादन करते हैं और उन्होंने सत्यापन हेतु एस टी पी के लिए यलो फॉस्फोरस से कच्ची सामग्री की खपत के मानदंड उपलब्ध कराए। यलो फॉस्फोरस से फॉर्मोरिक एसिड तक परिवर्तन लागत के अभाव में प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि उनके खपत मानकों को स्वीकार न किया जाए। यद्यपि, मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड चुआंगसी फॉस्फो कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड ने सत्यापन के दौरान यह अनुरोध किया कि वे फॉस्फोरिक एसिड पद्धति के जरिए संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर रहे हैं तथापि, वे सत्यापन दल को दावा की गई उत्पादन प्रक्रिया का प्रदर्शन करने में विफल रहे। अतः सामान्य मूल्य की गणना हेतु उनकी कच्ची सामग्री की खपत से संबंधित मानकों पर विचार नहीं किया गया है। उपर्युक्त के मद्देनजर सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और खपत संबंधी मानकों, घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत और एस जी ए व्यय को ध्यान में रखते हुए किया गया है। व्याज को छोड़कर कारखाना द्वारा लागत के 5% का तर्कसंगत लाभ मार्जिन जोड़ने के बाद परिकलित सामान्य मूल्य निम्नानुसार ज्ञात किया गया है:

अम.डासै./ मी.ट.

कच्ची सामग्रियों की लागत	***
परिवर्तन लागत	***
एस जी ए व्यय और वित्तपोषण लागत	***
लाभ मार्जिन	***
परिकलित सामान्य मूल्य	***

66. और अधिक औचित्य लाने के लिए प्राधिकारी ने प्रतिवादी सहयोगी निर्यातकों के खपत मानकों पर विचार करते हुए कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत तथा घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत को लागू करते हुए सामान्य मूल्य का परिकलन करने का भी प्रयास किया था। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपर्युक्त पैरा के अनुसार सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु अपनाई गई पद्धति सही है।

उ. निर्यात कीमत

मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (निर्यातक) मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड चुआंगसी फॉस्फोकैमिकल्स कं. लि. (उत्पादक)

67. मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड चुआंगसी फॉस्फोकैमिकल्स कं. लि. संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक है। उसकी सहायक कंपनी मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ने अपनी मूल कंपनी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया है। मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के \*\*\* मी.ट. के निर्यातों की जानकारी दी है। इस जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ और वैट समायोजन, प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किए गए समुद्री भाड़े, बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, बैंक प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। तदनुसार कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति मी.ट. निर्धारित की गई है।

मै. यीबिन तियानयुआन ग्रुप कं. लि. (निर्यातक)

मै. यीबिन तियानलन कैमिकल कं. लि. (उत्पादक)

68. मै. यीबिन तियानलन कैमिकल कं. लि. संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक है और इसकी मूल कंपनी मै. यीबिन तियानयुआन ग्रुप कं. लि. ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के \*\*\* मी.ट. के निर्यातों की जानकारी दी है। इस जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किए गए समुद्री भाड़े, बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, बैंक प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। तदनुसार कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ. प्रति मी.ट. निर्धारित की गई है।

असहयोगी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

69. असहयोगी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर असहयोगी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत निर्धारित करने का निर्णय लिया है। कारखाना द्वारा स्तर पर निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के मामले में अनुमत समायोजनों के समतुल्य समायोजन की अनुमति दी गई है। इस पद्धति को अपनाकर संबद्ध वस्तु के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में कारखाना द्वारा स्तर पर निर्यात कीमत प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर \*\*\* अम.डॉ. प्रति मी.ट. ज्ञात की गई है।

### ६. पाटन मार्जिन

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एस टी पी पी के दो ग्रेड हैं : तकनीकी ग्रेड और खाद्य ग्रेड और घरेलू उद्योग खाद्य ग्रेड एस टी पी पी का विनिर्माण नहीं करता है परंतु चूंकि कुछ प्रतिवादी निर्यातकों ने यह माना है कि खाद्य ग्रेड एस टी पी पी को तकनीकी प्रयोगों हेतु प्रतिस्थापित किया जा सकता है। इसलिए इस जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने खाद्य ग्रेड एस टी पी पी को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं रखा है। इस प्रकार निर्धारित कारखाना द्वारा सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की व्यापार के समान स्तर पर तुलना की गई है और संबद्ध देश से निर्यातकों के लिए निम्नानुसार पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है :

राशि अम.डॉ./मी.ट. में

उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
मै. सिचुयान ब्लू सोर्ड चुआंगसी फोस्फोकैमिकल कं. लि.	मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.	***	***	***	70-80
मै. यीबिन तियानलन कैमिकल कं. लि.	मै. यीबिन तियानयुन ग्रुप कं. लि.	***	***	***	85-95
असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	150-160

### ७. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

71. निर्यातकों/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने जांच के दौरान निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं:-

- भारतीय डिटरजेंट विनिर्माताओं को केवल एक स्रोत से एस टी पी पी की उपलब्धता उनकी क्षमता की दृष्टि से पर्याप्त नहीं है।

- डब्ल्यू टी ओ और व्यापार के वैश्वीकरण के अंतर्गत भारतीय उत्पाद को भी पड़ोसी देशों में प्रयोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाना चाहिए और उनकी कीमत भी पड़ोसी देशों द्वारा समान सामग्री के लिए पेशकश की जाने वाली कीमत के अनुक्रम में होनी चाहिए ।
- घरेलू विनिर्माता केवल कुछ उपभोक्ताओं पर केन्द्रित हैं जो भारी मात्रा में उनकी सामग्री खरीदते हैं और वह कम मात्रा के क्रेताओं की उपेक्षा करता है ।
- पाटनरोधी शुल्क यदि लगाया जाता है तो इससे प्रयोक्ता उद्योग की निविष्ट लागत में काफी वृद्धि हो जाएगी ।
- चीन के एस टी पी की गुणवत्ता घरेलू उद्योग की गुणवत्ता से काफी बेहतर है और फॉर्सफेट की मात्रा उनके उत्पाद को और अधिक मूल्यवान बना देती है ।
- चीन द्वारा डिटरजेंट क्षेत्र में उपयोग के लिए एस टी पी का एक प्रतिस्थापक विकसित किया गया है ।
- घरेलू उत्पादक को कच्ची सामग्री की कमी और अन्य बड़ी समस्याओं के कारण लगातार उत्पादन बंद रखना पड़ता है और इसके परिणामस्वरूप प्रयोक्ता उद्योगों को नुकसान उठाना पड़ता है ।
- एस टी पी पी टाटा कैमिकल्स का एक केन्द्रित उत्पाद नहीं है ।
- एस टी पी की कीमत इसके घटकों की गुणवत्ता और मात्रा पर निर्भर करती है ।
- पहुंच मूल्य का घरेलू बिक्री कीमत पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है ।
- उत्पादन लागत, क्षतिरहित कीमत के त्रुटिपूर्ण निर्धारण से कम कीमत पर बिक्री, क्षति मार्जिन आदि का त्रुटिपूर्ण निर्धारण हुआ है ।
- लाभप्रदता, निवेश पर आय आदि में गिरावट अंतरण कीमत के कारण उत्पादन की बढ़ी हुई लागत के सिवाय कुछ नहीं है ।
- घरेलू उद्योग की कीमत में कोई हास नहीं हुआ है क्योंकि जांच अवधि के दौरान इसने अपनी बिक्री कीमत दोगुनी कर ली है । इसके अलावा, कीमत में कोई न्यूनीकरण भी नहीं हुआ है ।

- घरेलू उद्योग के मासिक उत्पादन आंकड़ों पर विचार किया जाना चाहिए था क्योंकि जांच अवधि के दौरान संयंत्र बंद रहा था । इस तथ्य का समायोजन भी क्षति एवं कारणात्मक संबंध के निर्धारण के लिए किया जाना चाहिए कि जांच अवधि के एक भाग के लिए संयंत्र बंद रहा था ।
- घरेलू उद्योग का संयंत्र काफी पुराना है । उत्पादकता में गिरावट का कारण आयातों को नहीं माना जा सकता क्योंकि उत्पादन में गिरावट आयातों का प्रत्यक्ष परिणाम नहीं है ।
- बाजार हिस्से के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी का विश्लेषण त्रुटिपूर्ण है क्योंकि उन्होंने समर्थनकर्ता की क्षमता/उत्पादन के आंकड़ों पर विचार नहीं किया है परंतु बिक्री के प्रयोजनार्थ उस पर विचार किया जा रहा है ।
- वर्ष 2007 के उत्तरार्ध में सल्फर की लागत में असामान्य वृद्धि होने से उत्पादन लागत में तेजी से वृद्धि हुई जिससे घरेलू उद्योग अप्रतिस्पर्धी बन गया जिसने थर्मल प्रक्रिया की तुलना में उत्पादन की वैट प्रक्रिया को अपनाया था । घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, अस्थायी थी, जिसकी वजह प्रौद्योगिकी तथा सल्फर की कीमत रही है और उसका कारण वस्तु के आरोपित पाटन को नहीं माना जा सकता । ऐसे अस्थायी परिदृश्य का समाधान पाटनरोधी शुल्क नहीं है । इसके लिए ढांचागत समाधान की जरूरत होती है जिसे घरेलू उद्योग ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में स्वीकार किया है ।
- घरेलू उद्योग को हुई क्षति टीसीएल तथा हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड के बीच एसटीपीपी के उत्पादन हेतु की गई संविदागत व्यवस्था के कारण हुई है । अतः टीसीएल के उत्पादन और क्षमता में परिणामी गिरावट का कारण आरोपित पाटन नहीं माना जा सकता ।
- टीसीएल को दो कारणों-फॉस्फोरिक एसिड की उच्च लागत के कारण कम लाभ दिखाकर तथा अपनी विदेशी संबद्ध कंपनी को प्रीमियम अंतरण कीमत के भुगतान हेतु उर्वरक सब्सिडी से लाभ प्राप्त कर - दोहरा लाभ हुआ है । टी सी एल द्वारा \*\*\* रुपए प्रति मी.ट. की कीमत पर अपने संबद्ध विदेशी उद्यग से फॉस्फोरिक एसिड का आयात किया जा रहा है जबकि जी ए सी एल तथा जी एस एफ सी द्वारा क्रमशः \*\*\* और \*\*\* की कीमत पर फॉस्फोरिक एसिड की बिक्री की जा रही है । टीसीएल द्वारा प्रदत्त अतिरिक्त कीमत को सही क्षति रहित कीमत की गणना, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के निर्धारण हेतु समायोजित किया जाना चाहिए ।
- फॉस्फोरिक एसिड की बढ़ी हुई लागत का उपयोग क्षति रहित कीमत के निर्धारण और परिकलित सामान्य मूल्य में किया गया है । क्षति की पुष्टि संबद्ध कंपनियों को अतिरिक्त अंतरण कीमत पर आधारित बढ़ी हुई लागत द्वारा की गई है ।

- सोडा ऐश की खरीद हेतु टी सी एल द्वारा प्रदत्त अंतरण कीमत को सही क्षति रहित कीमत, सीएनवी, क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण करते समय सोडा ऐश के बाजार मूल्य से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए ।
- क्षति रहित कीमत के निर्धारण में भारत के उच्चतम न्यायालय के अनुसार आंतरिक रूप से उत्पादित मध्यवर्तीयों की बाजार कीमत के रूप में अंतरण कीमत को शामिल किया जाना चाहिए । इससे वर्तमान मामले में क्षति रहित कीमत, क्षति मार्जिन में पर्याप्त कमी आएगी ।
- वार्षिक रिपोर्ट में उपयोगिताओं के अपर्याप्त उपयोग दर्शाया गया है जिससे इकाई अप्रतिस्पर्धी बन गई हैं जिसकी वजह से स्वतः स्फूर्त क्षति हुई है ।
- घरेलू उद्योग ने अधिक लाभ कमाने और बिक्री करने के लिए एस टी पी पी के उत्पादन के बजाए कच्ची सामग्री का उपयोग उर्वरक के उत्पादन में किया है, अतः जांच अवधि के दौरान एसटीपीपी के कम उत्पादन और बिक्री के कारणों में से एक कारण पाठन न होकर उर्वरकों से हुआ बेहतर लाभ है ।
- घरेलू बिक्री कीमत में वृद्धि को महत्व दिया जाए ।
- आवेदक द्वारा उठाए गए विस्तृत ढांचागत कदमों को सूचित नहीं किया गया है । घरेलू उद्योग का पुनः सत्यापन एच यू एल, उसके संपर्क के ब्यौरे अथवा समाप्ति अथवा उसके आयात अथवा क्रय के साथ नहीं किया गया है । आवेदक का आरोप निराधार और साझ्य/समर्थकारी दस्तावेज से रहित है ।
- घरेलू उद्योग एस टी पी पी के विनिर्माण हेतु वैट प्रक्रिया का उपयोग करता है जबकि ब्लू सोर्ड एस टी पी पी के उत्पादन हेतु ड्राई प्रक्रिया का उपयोग करता है ।
- कच्ची सामग्री की प्रक्रिया में अंतर को महत्व दिया जाए । इसके अलावा यलो फॉस्फेट पद्धति तथा रॉक फॉस्फेट पद्धति में अंतर पर विचार किया जाए ।
- फॉस्फोरिक एसिड की कीमत के संबंध में असामान्य जांच अवधि का चयन चिंताजनक है । सल्फर/सल्फ्यूरिक एसिड और रॉक फॉस्फेट, जो फॉस्फोरिक एसिड की संघटक हैं, की कीमतों में असामान्यता के कारण आबद्ध रूप से उत्पादित फॉस्फोरिक एसिड की लागत प्रभावित हुई थी । हितबद्ध पक्षकारों ने जांच अवधि के दौरान सल्फर/सल्फ्यूरिक एसिड, रॉक फॉस्फेट तथा फॉस्फोरिक एसिड की प्रचलित कीमत की असामान्य स्थिति के तथ्य को उजागर किया था । परंतु, प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में इसमुद्दे पर कार्यवाही नहीं की है ।
- आवेदक ने संयंत्र बंद होने के सही कारक एवं सही अवधि नहीं बताई है ।

- क्षमता उपयोग के कारण क्षति रहित कीमत में समाहित पर इकाई नियत लागत बढ़ गई है। किसी सामान्य वर्ष में क्षमता उपयोग के उचित स्तर पर प्राधिकारी को विचार करना चाहिए था।
- अदेदक ने बिली उद्योगवार (डिटर्जेंट उद्योग वार, सिरामिक उद्योग वार आदि) के ब्यौरे प्रदान नहीं किए हैं।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

72. प्राधिकारी द्वारा संगत विचारों की निमानुसार जांच की गई है:

- प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से देश में वस्तुओं के आयात पर रोक नहीं लगती है बजाए इसके, इसका उद्देश्य घरेलू उत्पादकों को पाटन करने वाले देशों के साथ बाजार में बेहतर ढंग से प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक समान अवसर वाला बाजार सुलभ कराना है।
- संबद्ध जांच में संबद्ध वस्तु की घरेलू मांग 71390 मी.ट. है और घरेलू उत्पादक 26012 मी.ट. का उत्पादन करता है और उसके पास 50000 मी.ट. के उत्पादन की क्षमता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के पीछे प्रयोजना यह रहता है कि प्रतिस्पर्धा का समान अवसर उत्पन्न किया जाए और उचित व्यापार सुनिश्चित किया जाए ताकि घरेलू उत्पादक अपने क्षमता उपयोग का उन्नयन कर सकें और काफी हद तक घरेलू मांग की पूर्ति कर सकें। शेष घरेलू मांग को हमेशा आयातों द्वारा पूरा किया जा सकता है।
- पाटनरोधी शुल्क लागू होने से संभवतः आयातित संबद्ध वस्तु पर स्थितिकारी प्रभाव पड़ सकता है परंतु पाटन के दुष्प्रभावों को निष्क्रिय बनाकर घरेलू उद्योगों के लिए पाटन का सहारा लेने वाले विदेशी निर्यातकों के साथ अधिक कारगर ढंग से प्रतिस्पर्धा करने हेतु एक समान अवसर वाला माहौल बनाया जाता है।
- क्षति अवधि (2005-06 से 2008-09) के दौरान घरेलू उद्योग 2005-06 के दौरान 50647 मी.ट. के उत्पादन के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गया था परंतु पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग का उत्पादन जांच अवधि के दौरान घटकर 26912 मी.ट. के स्तर पर आ गया है। एक बार समान अवसर वाली प्रतिस्पर्धा का सृजन होने पर घरेलू उद्योग उत्पादन के पूर्ववर्ती स्तर पर आ सकता है और अधिकतम संभव सीमा तक घरेलू मांग को

पूरी कर सकता है। तथापि, यदि घरेलू उद्योग के उत्पादन की मात्रा पर्याप्त नहीं है या गुणवत्ता की दृष्टि से संतोषजनक नहीं है तो कोई भी बात संबद्ध वस्तु के आयात के लिए प्रयोक्ता क्षेत्र को रोक नहीं सकती है।

- चीन द्वारा संबद्ध वस्तु का प्रतिस्थापक विकसित किए जाने के संबंध में प्राधिकारी की जानकारी में ऐसी कोई सूचना नहीं आई है।
- घरेलू उद्योग के आंकड़ों/रिकॉर्ड का सत्यापन किया गया था। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संयंत्र बंद नहीं हुआ था।
- फॉस्फोरिक एसिड के उत्पादन की दो प्रक्रियाएँ हैं- सल्फर प्रक्रिया और रॉक फॉस्फेट प्रक्रिया। एस टी पी का उत्पादन फॉस्फोरिक एसिड के उपयोग से किया जाता है न कि सल्फर से। सल्फर का उपयोग फॉस्फोरिक एसिड के उत्पादन में किया जाता है। दोनों प्रक्रियाओं में एस टी पी के निर्माण हेतु प्रयुक्त वास्तविक कच्ची सामग्री फॉस्फोरिक एसिड है। इस अवधि में फॉस्फोरिक एसिड की कीमत में वृद्धि हुई है भले ही फॉस्फोरिक एसिड के उत्पादन हेतु विनिर्माण प्रक्रिया का पालन किया गया हो। हालांकि सल्फर की कीमत में वृद्धि हुई है जिससे इस पद्धति के जरिए उत्पादित फॉस्फोरिक एसिड की कीमत में वृद्धि हुई है। तथापि, रॉक फॉस्फेट की कीमत में भारी वृद्धि हुई है जिससे इस प्रक्रिया के जरिए प्रसंस्कृत फॉस्फोरिक एसिड की कीमत में वृद्धि हुई है। तथापि, फॉस्फोरिक एसिड के निर्माण हेतु अपनाई गई निर्माण प्रक्रिया, एस टी पी पी के निर्माण में शामिल कच्ची सामग्री फॉस्फोरिक एसिड पर ध्यान न देते हुए जांच से यह पता चला कि फॉस्फोरिक एसिड की कीमत में सार्वभौमिक रूप से वृद्धि हुई है। अतः फॉस्फोरिक एसिड की कीमतों में ऐसी वृद्धि चीन और भारतीय दोनों उत्पादकों के लिए प्रासंगिक है और यह घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी गिरावट का कारण नहीं हो सकता है।
- प्राधिकारी ने इस मुद्दे की विधिवत जांच की। हितबद्ध पक्षकारों की ओर से यह अनुमान लगाया गया कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति एक अस्थायी अल्पकालिक परिदृश्य है। विस्तार से जांच की गई जिसमें घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो की प्रवृत्ति का पता लगाने के लिए 4 वर्ष के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया और समस्त मापदंडों का विश्लेषण करने के बाद शुल्क की संस्तुति की गई। इसके अलावा, यदि प्राधिकारी की जानकारी में यह बात आती है कि हुई क्षति अस्थायी स्वरूप की है तो इसका प्रकटन जांच परिणाम में किया जाएगा। अपनी वापिक रिपोर्ट में टी सी एल झारा उल्लिखित ढांचा का समाधान से जुड़े मुद्दे की भी विस्तार से जांच की गई थी और घरेलू उद्योग ने यह उत्तर दिया था कि कंपनी ने ऐसी कुछ राशि का निवेश किया है जिसे जिसम की गुणवत्ता में सुधार हुआ है जिसकी वजह

से बेहतर प्राप्ति हुई है । अतः जिप्सम की सुधरी हुई गुणवत्ता और जिप्सम की बिक्री प्राप्ति के परिणामस्वरूप एस टी पी पी की उत्पादन लागत में गिरावट आई है ।

- घरेलू उद्योग द्वारा विद्युत, ईंधन आदि की अकुशल खपत के बारे में दिए गए तर्क का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की वर्तमान मात्रा का निर्धारण करने के लिए क्षति अवधि हेतु घरेलू उद्योग के सर्वोत्तम उपत मानकों पर ध्यान दिया गया है । प्राधिकारी ने सत्यापित वित्तीय सूचना पर नजर डाली है जिसमें प्राधिकारी ने समूची क्षति अवधि के दौरान विद्युत और ईंधन की खपत के मानकों पर विचार किया है । वस्तुतः क्षति रहित कीमत का निर्धारण समूची क्षति अवधि के लिए कच्ची सामग्री और उपयोगिताओं की खपत हेतु पिछले खपत मानकों पर विचार करने के बाद किया गया है । सत्यापित आंकड़ों के आधार पर क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया गया है और क्षति विश्लेषण किया गया है ।
- आयात मात्रा में वृद्धि, घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट, मांग में कभी के साथ-साथ घरेलू और आयातित उत्पाद के बीच कीमत में भारी अंतर से यह सिद्ध होता है कि घरेलू और आयातित उत्पाद के बीच कीमत अंतर (कीमत कटौती) के कारण आयात मात्रा में वृद्धि हुई है । यदि ऐसा कोई अन्य कारक है जिससे आयातों में वृद्धि हो सकती है तो हितबद्ध पक्षकारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे ऐसे कारकों का पता लगाएं और उसके बाद सत्यापनीय ज्ञान के साथ उसके प्रभाव को प्रदर्शित करें । तथापि, हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसी कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की । क्षति अवधि में घरेलू बिक्री कीमत दोगुनी हुई है । तथापि, बिक्री लागत में \*\*\*% की वृद्धि हुई, चीन से आयात की पहुंच कीमत में केवल \*\*\*% की वृद्धि हुई । इससे स्पष्टतः यह सिद्ध होता है कि आयात कीमतों में लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है ।
- हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति टी सी एल तथा हिंदुस्तान गूर्णीलीकर लिमिटेड के बीच एस टी पी पी के उत्पादन हेतु संविदागत व्यवस्था की समाप्ति के कारण हुई है और इसीलिए उत्पादन में गिरावट आई है तथा टी सी एल की क्षमता को आरोपित पाटन का कारण नहीं माना जा सकता । प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. एच एल सी एल और मै. टी सी एल ने इस शर्त के साथ एक करार किया था कि टी सी एल उजरती कार्य आधार पर अपेक्षित प्रमुख कच्ची सामग्री की आपूर्ति पर एच एल सी एल को उत्पादित संबद्ध वस्तु के 60% की बिक्री करेगी । कंपनी ने वर्ष 2007-08 से उजरती कार्य पर उत्पादन बंद कर दिया । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि संविदा के बावजूद एच यू एल ने जब कभी आयात कीमतें कम हुई, आयात का सहारा लिया और इसी प्रकार इसने जब कभी टी सी एल की कीमतें आयात कीमतों से तुलनीय हुई, टी सी एल से सामग्री की खरीद की । याचिकाकर्ता द्वारा एच यू एल को आपूर्ति की मात्रा घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत कीमतों के अनुरूप रही । अतः यह कहा जा सकता है कि याचिकाकर्ता को एच यू एल के साथ समझौते की मौजूदगी के दौरान भी पाटत आयातों के कारण क्षति हुई थी

और एच यू एल पाटित सामग्री का आयात करने के लिए स्वतंत्र थी। इसके अलावा, अन्य घरेलू खपतकर्ताओं ने भी आयातों को बढ़ाया क्योंकि उन्होंने आयातों को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत कीमतों की तुलना में अधिक लाभकारी पाया। इसके अलावा, अन्य खपतकर्ताओं ने उत्तरोत्तर पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग से खरीद करने के बजाए आयात किया। इन सबकी वजह से घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में तेजी से गिरावट आई जिससे उत्पादन और क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

- जहां तक टी सी एल की उत्पादन लागत में कृत्रिम वृद्धि उसके संबद्ध विदेशी संयुक्त उद्यम से फॉस्फोरिक ऐसिड के आयात के कारण होने के बारे में दिए गए तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एस टी पी पी के उत्पादन हेतु स्वयं फॉस्फोरिक ऐसिड का उत्पादन कर रहा है। एस टी पी पी के उत्पादन हेतु कंपनी ने फॉस्फोरिक ऐसिड का आयात नहीं किया है। यांचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और विक्रीत उर्वरक कुल मिलाकर अलग उत्पाद है, इसका निष्पादन विचाराधीन उत्पाद के लिए नितांत अप्रासंगिक है। इसके अलावा, क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया गया है और सत्यापित आंकड़ों के आधार पर क्षति विश्लेषण किया गया है।
- कीमत वृद्धि सार्वभौमिक होने के कारण यह नहीं कहा जा सकता कि निविष्टि की कीमत में वृद्धि होने से घरेलू उद्योग को क्षति होनी चाहिए। घरेलू उद्योग ने फॉस्फोरिक ऐसिड के उत्पादन के लिए अपेक्षित निविष्टि का आयात किया था। हितबद्ध पक्षकारों का तर्क यह नहीं है कि भारतीय बाजार के लिए इन निविष्टियों की कीमत में चुनिन्दा ढंग से वृद्धि की गई है। यदि कीमत में वृद्धि विश्व बाजार में हुई है तो यह नहीं कहा जा सकता कि घरेलू उद्योग निविष्टि लागत में वृद्धि के बावजूद अपनी कीमत बढ़ाने का पात्र नहीं है।
- प्राधिकारी के लिए समान वस्तु के उत्पादन और बिक्री के संबंध में आंकड़ों पर विचार कर घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण करना अपेक्षित होता है। जब तक न्यायाधित न हो, नियमों में अलग-अलग क्षति विश्लेषण का प्रावधान नहीं है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने कुछेक विशेष बाजार खंड में क्षति का दावा नहीं किया है।
- वर्तमान प्रयोजनार्थ संगत सूचना रिकॉर्ड में है। समस्त आबद्ध निविष्टियों के लिए प्राधिकारी ने ऐसी आबद्ध निविष्टियों की उत्पादन लागत पर विचार किया है। अन्य उत्पादों (जो वर्तमान मामले में जांचाधीन नहीं हैं) के उत्पादन हेतु कंपनी द्वारा आयातित निविष्टियों और उसमें अपनाई गई अंतरण कीमत वर्तमान प्रयोजन के लिए प्राधिकारी हेतु पूर्णतः संगत है।
- प्राधिकारी ने सूचना का सत्यापन किया है और इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और निवेश पर आय में भारी गिरावट आई है। जांच से ये पता चला है कि यह गिरावट अंतरण कीमत अथवा विद्युत एवं ईंधन के अकुशल उपयोग के कारण आई है। जहां तक कम क्षमता उपयोग का संबंध है, ऐसा पाटित आयातों के कारण हुआ है।

73. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..... " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

74. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर संबंधित नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है ।

75. ऊपर यथा इंगित घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मापदंडों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि की निम्नानुसार जांच की गई है:

#### त 1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव: आयात मात्राएं और बाजार हिस्सा

76. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । जहां तक आयात मात्रा का संबंध है, डी जी सी आई एंड एस के आयात आंकड़ों तथा गौण स्रोतों अर्थात् आई बी आई एस से प्राप्त आयात आंकड़ों की जांच की गई है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का आयात उत्पाद वर्गीकरण सं. 2835.3100 के अंतर्गत किया जाता है । अतः सौदा स्तर के आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद आयातों की मात्रा और मूल्य निम्नानुसार निर्धारित किए गए हैं:

#### क) आयात की मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा:

77. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है ।

78. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त सौदावार आंकड़ों और घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आई बी आई एव के आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देश और अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा की जांच की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में यथा प्रदर्शित चीन जन.गण. से हुए निर्यात आई बी आई एस आंकड़ों तथा चीन जन.गण. से प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में यथाउपलब्ध निर्यात आंकड़ों से काफी अधिक है । अतः प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ डी जी सी आई एंड एस द्वारा बताई गई निर्यात मात्रा पर मात्रात्मक विश्लेषण हेतु विचार किया गया है ।

79. आवेदक ने 2007-08 तक डी जी सी आई एंड एस के प्रकाशित आंकड़ों और तत्पश्चात जांच अवधि के लिए आई बी आई एस के आंकड़ों के आधार पर आयात संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है । प्राधिकारी ने आयात आंकड़ों के लिए डी जी सी आई एंड एस से अनुरोध किया था, जिन्हें प्राप्त किया गया था । इसके अलावा, चीन जन.गण. से अनेक उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारतीय उपभोक्ताओं और आयातकों ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है । प्राधिकारी ने आयातों से संबंधित समस्त सूचना को एकत्रित किया है और इस अवधि के दौरान आयातों की मात्रा का आकलन करने की दृष्टि से इसकी तुलना आई बी आई एस स्रोत पर आधारित घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के साथ की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में बताई गई आयातों की मात्रा आई बी आई एस के आंकड़ों के बताए गए आयातों के साथ तुलनीय है । अतः प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस स्रोत से प्राप्त सूचना पर भरोसा किया है । रिकॉर्ड में उपलब्ध विभिन्न आयात आंकड़ों के आधार पर चीन जन.गण. से आयात की मात्रा निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक पाई गई है ।

**क) आयात मात्राएं और संबद्ध देशों का हिस्सा:**

80. चीन जन.गण. से हुए आयातों का भारत में किए गए कुल आयातों में प्रमुख हिस्सा बनता है । क्षति अवधि के दौरान आयातों में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है जो निम्नांकित तालिका से स्पष्ट है :

आयात	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.	15,356	18,763	35,831	41,367
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	3,112	675	1,658	1,075
कुल आयात	मी.ट.	18,469	19,438	37,490	42,442
आयातों में हिस्सा					
चीन जन.गण.	%	83.15	96.53	95.58	97.47
अन्य देश	%	16.85	3.47	4.42	2.53
कुल आयात	%	100.00	100.00	100.00	100.00

**ख) उत्पादन और क्षमता उपयोग पर वार्ताविक और संभावित प्रभाव:**

81. घरेलू उत्पादन की मात्रा और घरेलू उद्योग के घरेलू प्रचालन पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू बिक्रियों के अनुसार की गई है जो निम्नानुसार है:

क्षमता, उत्पादन और बिक्रियां	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमता	मी.ट.	50,000	50,000	50,000	50,000
उत्पादन (घरेलू उद्योग)	मी.ट.	50,647	43,881	44,411	26,912
क्षमता उपयोग	मी.ट.	101.29	87.76	88.82	53.82
घरेलू उद्योग की बेक्रियां	मी.ट.	46,398	48,246	44,694	26,311

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अप्रैल 2006 तक घरेलू उद्योग सामान्य वाणिज्यिक उत्पादन के अलावा एच थू एल के लिए जॉब कार्य करता रहा था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्रियों और क्षमता उपयोग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि जब घरेलू उद्योग कोई जॉब कार्य उत्पादन नहीं कर रहा था, तब पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में भी गिरावट आई थी। यद्यपि, घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान लगभग निरंतर गिरावट आई है। तथापि, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में निरंतर और पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है।

**ग) बाजार हिस्से पर वार्ताविक और संभावित प्रभाव:**

83. घरेलू बिक्रियों और बाजार हिस्सा पर पाठित आयातों के प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है :

मांग में हिस्सा	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	मी.ट.	46,398	48,246	44,694	26,311
समर्थक की बिक्रियां	मी.ट.	15,851	18,822	15,266	2,637
कुल आयात	मी.ट.	18,469	19,438	37,490	42,442
कुल मांग	मी.ट.	80,718	86,506	97,450	71,390
संबद्ध देश -चीन जन.गण.	%	19.02	21.69	36.77	57.95
अन्य देश	%	3.86	0.78	1.70	1.51
घरेलू उद्योग	%	57.48	55.77	45.86	36.86
समर्थक	%	19.64	21.76	15.67	3.69

84. यह नोट किया जाता है कि उत्पाद की मांग में जांच अवधि को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान भारी और निरंतर वृद्धि प्रदर्शित हुई है। इसके अलावा, यह देखा जाता है कि संबद्ध देश से आयातों में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान लगातार वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से हुए आयातों का जांच अवधि के दौरान कुल आयातों में 97% हिस्सा रहा है। इसके अलावा, यद्यपि, चीन के आयातों के बाजार हिस्से में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है, परंतु घरेलू उद्योग के हिस्से में भारी गिरावट आई है। यह देखा जाता है कि चीन जन.गण. से मांग में पाटित आयातों के बाजार हिस्से में आधार वर्ष के दौरान 19.2% से जांच अवधि के दौरान 57.95% तक की वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 57.48% से जांच अवधि के दौरान 36.86% की गिरावट आई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू मांग में 27% की गिरावट आई है। तथापि, घरेलू उद्योग (समर्थक सहित) की बिक्रियों में 52% तक की गिरावट आई है। परंतु घरेलू मांग में संबद्ध देश के आयात के हिस्से में 21% की वृद्धि हुई है और घरेलू मांग में घरेलू उद्योग (समर्थक सहित) के हिस्से में 21% की गिरावट आई है।

## त2 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

85. पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की जा रही है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई होगी। चीन जन.गण. से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की बिक्री लागतों, निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) और क्षति रहित कीमत (एन आई पी) की तुलना चीन से आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है।

### (i) कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव

#### क) कीमत कटौती

86. प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया कि क्या विचाराधीन उत्पाद के आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। कीमत कटौती का निर्धारण क्षति जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से पाटित आयातों के पहुंच मूल्य के साथ उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना द्वारा किया गया है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति ज्ञात करते समय घरेलू उद्योग द्वारा दी जाने वाली रिबेटों, छूटों और कमीशनों तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को घटाया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की गणना आयात कीमत में 1% पहुंच प्रभार और लागू सीमाशुल्क को जोड़कर की गई है।

	इकाई	2005-	2006-07	2007-08	2008-09
निवल बिक्री प्राप्ति	रु. किग्रा.	***	***	***	***
चीन से पहुंच कीमत	रु. किग्रा.	30.70	30.31	29.86	49.50
कम रुपरुप कटौती	रु. किग्रा.	***	***	***	***
कम रुपरुप कटौती %	%	0-5%	0-10%	5-15%	20-30%

87. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, 2005-06 और 06-07 के बीच आयात और घरेलू कीमतों में कोई खास अंतर नहीं रहा था, तथापि 2007-08 में इस अंतर में वृद्धि हुई और 2008-09 के दौरान इसमें और वृद्धि हुई। जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती 20-30% के बीच रही थी।

#### (x) कम कीमत पर बिक्री

क्षति रहित कीमत (रु. किग्रा.)	***
पहुंच कीमत (रु. किग्रा.)	***
कम कीमत पर बिक्री (रु. किग्रा.)	***
कम कीमत पर बिक्री % रूप में (रेंज)	25-35

88. कम कीमत पर बिक्री का आकलन करने के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. से आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए घरेलू उद्योग के निर्धारित क्षति रहित कीमत के साथ की गई है। इस विश्लेषण से यह पता चलता है कि कम कीमत पर बिक्री 25-35% के बीच रही थी।

#### ii) कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

89. कीमत ह्रास तब विद्यमान होता है, जब उद्योग की कीमतें पूर्वती अवधि के स्तर से कम रहती हैं। कीमत न्यूनीकरण तब होता है जब पाटन के कारण ऐसी कीमत वृद्धि अवरुद्ध होती है जो अन्यथा लागतों में वृद्धि के कारण बढ़ गई होती।

90. पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण प्रभाव की जांच भी बिक्री लागतों, निवल बिक्री प्राप्ति और चीन जन.गण. से पहुंच मूल्य के संदर्भ में की गई है।

	इकाई	2005-	2006-07	2007-08	2008-09
बिक्री की लागत	रु. किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106.00	132.20	233.19
निवल बिक्री प्राप्ति	रु. किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97.60	104.16	208.14
चीन से पहुंच कीमत	रु. किग्रा.	30.70	30.31	29.86	49.50

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि 2006-07 में जब बिक्री लागतों में वृद्धि हुई थी, तब भी आयात कीमतों में गिरावट के अनुक्रम में इस वर्ष के दौरान निवल बिक्री प्राप्ति में मामूली गिरावट आई थी। बिक्री लागतों और निवल बिक्री प्राप्ति के संबंध में केवल व्यापारिक बिक्रियों की दृष्टि से विचार किया

गया है। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान, आधार वर्ष की तुलना में बिक्री लागतों में \*\*\*% तक की वृद्धि हुई है जबकि निवल बिक्री प्राप्ति में केवल \*\*\*% की वृद्धि हुई है। जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग बिक्री लागतों में हुई वृद्धि के अनुरूप बिक्री कीमत प्राप्त नहीं सका था।

### क्षति संबंधी अन्य कारकों की जांच

92. पूर्ववर्ती खंड में मात्रा और कीमत प्रभाव की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने अन्य अनिवार्य क्षति संबंधी मापदंडों की निम्नानुसार जांच की है :

#### क) लाभ/हानि तथा निवेश पर आय

93. घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्रियों से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ निम्नानुसार रहा था: -

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
बिक्री लागत	रु. किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106.00	132.20	233.19
निवल बिक्री प्राप्ति	रु. किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97.60	104.16	208.14
लाभ/हानि	रु. किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	6.49	-199.23	-63.36
कर पूर्व लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	9.74	-146.76	-27.40
पी बी आई टी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	6.43	-142.24	-62.02
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	6.34	-134.39	-74.45

94. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग 2005-06 में लाभ करा रहा था जिसमें क्षति अवधि के दौरान तेजी से गिरावट आई। घरेलू उद्योग ने 2007-08 से वित्तीय घाटा उठाना शुरू कर दिया जो जांच अवधि में भी जारी रहा। यद्यपि, घरेलू उद्योग की बिक्री लागतों में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में \*\*\*% तक की वृद्धि हुई, तथापि निवल बिक्री प्राप्ति में इस अवधि के दौरान केवल \*\*\*% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति अवधि के दौरान भारी परिवर्तन हुआ है। इस अवधि में कर पूर्व लाभ तथा ब्याज एवं कर पूर्व लाभ दोनों में भारी गिरावट प्रदर्शित हुई है। घरेलू बिक्री पर घरेलू उद्योग के लाभ (पी बी आई टी) में भी प्रति इकाई लाभ जैसी प्रवृत्ति बनी हुई है। यद्यपि, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है, परंतु यह देखा जाता है कि मात्रात्मक दृष्टि से घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में संगत अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है।

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूंजी पर आय में क्षति अवधि के दौरान इस हद तक भारी गिरावट आई है कि 2007-08 के दौरान तथा जांच अवधि में यह ऋणात्मक हो गई है।

## ख) नकद लाभ

96. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के नकद लाभ निम्नानुसार रहे हैं:

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	19.23	-121.59	-13.90

97. नकद प्रवाह के संबंध में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की नकद लाभ की स्थिति की जांच की है और इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग के नकद लाभों में भी तेजी से गिरावट प्रदर्शित हुई है। यद्यपि, नकद लाभ 2005-06 में धनात्मक रहे थे, परन्तु तत्पश्चात इस स्थिति में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग में 2007-08 से ऋणात्मक नकद लाभ स्थाना शुरू कर दिया था, यही स्थिति जांच अवधि में भी जारी रही।

ग) रोजगार और मजदूरी

98. रोजगार और मजदूरी से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार दर्शाते हैं:

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
विचाराधीन उत्पाद के समर्पित रोजगार	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	95	93
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	169	170

99. यह देखा जाता है कि कर्मचारियों की संख्या में गिरावट आई है और प्रदत्त मजदूरी में सुधार प्रदर्शित हुआ है।

घ) माल सूची:

100. मालसूचियों से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार दर्शाते हैं:

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आरंभिक स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***

101. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की मालसूचियों में मार्च, 2008 तक गिरावट आई है। तथापि, जांच अवधि के अंत में मालसूचियों में पुनः वृद्धि हुई है।

छ) लाभप्रदता

102. लाभप्रदता से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार दर्शाते हैं:

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86.21	87.59	53.10
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	मी.ट.	100	86.64	92.30	57.44

103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है।

च) वृद्धि

104. घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्रियों की समग्र मात्रा की दृष्टि से ऋणात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है। तथापि, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में हुई वृद्धि घरेलू मांग में हुई वृद्धि से कम रही है। लाभप्रदता, उत्पादकता और बाजार हिस्से की दृष्टि से जांच करने पर यह वृद्धि ऋणात्मक रही है।

छ) नया निवेश जुटाने की क्षमता

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा कोई खास निवेश नहीं किए गए थे। इसके अलावा दोनों कंपनियों बहु उत्पाद कंपनियां हैं। तथापि, इस उत्पाद के निरंतर पाटन से पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर निश्चित रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ा होगा।

ज) पाटन की मात्रा

106. संबद्ध देश और आवेदक निर्यातिक के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम् स्तर से अधिक रहा है।

झ) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

107. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा और कीमतों तथा घरेलू कीमतों की प्रवृत्ति की प्रारंभिक जांच से यह पता चलता है कि पाटित आयातों द्वारा मात्रा और कीमत प्रभावों के जरिए घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित किया गया है।

108. इन कारकों की उपर्युक्त प्रारंभिक जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्रियों में समग्र रूप से गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से, निवल बिक्री

प्राप्ति, लाभप्रदता, निवेशों पर आय और नकद लाभों में गिरावट के कारण क्षति उठानी पड़ी है। इसी के साथ संबद्ध देश से पाटित उत्पादों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है और पाटित आयातों की कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती कर रही थी जिसके परिणामस्वरूप घरेलू बाजार में भारी कीमत हास हुआ है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को काफी वित्तीय घाटे उठाने पड़े हैं। घरेलू उद्योग को हुई क्षति वास्तविक है और काफी अधिक है।

#### थ. कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

109. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक के कारण घरेलू उद्योग को इसी अवधि में क्षति उठानी पड़ी है ताकि इन अन्य कारकों के कारण हुई क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार न ठहराया जाए। इस संबंध में संगत कारकों में अन्य कारकों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में कमी या खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं तथा विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रोद्योगिकी में विकास और निर्यात निष्पादन तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल है।

##### i) अन्य लोतों से आयातों की मात्रा और कीमतें

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात नगण्य रहे हैं। तीसरे देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

##### ii) मांग में कमी और/या खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

111. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद की मांग में जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट प्रदर्शित हुई है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री मात्राओं और फलस्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में इस अवधि तक घाटा उठाना पड़ा है। तथापि, यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्राओं में आई गिरावट इस उत्पाद की मांग में आई गिरावट से अधिक रही है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति अवधि के दौरान लगातार गिरावट आई है। इस प्रकार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति मांग में कमी के कारण नहीं हुई है।

##### iii) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

112. ये वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं। याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तु का एक प्रमुख उत्पादक है और उसका घरेलू उत्पादन और बिक्रियों में काफी अधिक हिस्सा बनता है। प्रतिस्पर्धा या व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं की स्थितियों का कोई अन्य साक्ष्य किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है।

## iv) प्रौद्योगिकी में विकास

113. जांच अवधि के दौरान इस उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई विकास नहीं हुआ है । अतः प्रौद्योगिकी में संभावित विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है ।

## v) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

114. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री काफी कम रही है । तथापि क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ केवल घरेलू बिक्रियों पर विचार किया गया है और घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के कारण हुई क्षति, यदि कोई हो, के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
मात्रा मी.ट. में	मी.ट.	***	***	***	***

## vi) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

115. संबद्ध देश से पाटित आयातों में भारी वृद्धि के कारण जांच अवधि में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट आई है ।

11. उपर्युक्त गैर-आरोपण विश्लेषण यह दर्शाता है कि पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य ज्ञात कारक के कारण घरेलू उद्योग प्रभावित हुआ प्रतीत नहीं होता है ।

## त. कारणात्मक संबंध सिद्ध करने वाले कारक

117. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में वास्तविक रूप से विकृति आई है । अतः पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर सिद्ध होता है:

क. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में क्षति जांच अवधि के दौरान अत्यधिक कम कीमतों पर तेजी से वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप भारी कीमत कटौती और कम कीमतों पर बिक्री हुई है । इसके प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग बिक्री लागत में हुई वृद्धि के

अनुक्रम में अपनी कीमत में वृद्धि नहीं कर पाया था जिसके फलस्वरूप स्पष्ट वित्तीय घाटे हुए हैं ।

ख. आयात मात्रा में वृद्धि और घरेलू कीमतों में हास से कंपनी के लाभ, नकद प्रवाह और निवेशों पर आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ।

ग. भारी सकारात्मक कीमत कटौती के परिणामस्वरूप संबद्ध देश से आयात के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है । इसके प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है । ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतों को कम करके आयात कीमतों में हुई गिरावट का उत्तर दिया है और उसे वित्तीय घाटे उठाने पड़े हैं ।

118. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और घरेलू उद्योग को हुई यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के मात्रात्मक और कीमत प्रभावों के कारण हुई है ।

#### द. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

119. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए तकनीकी ग्रेड की संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है । चूंकि घरेलू उद्योग फूड ग्रेड एस टी पी पी का उत्पादन नहीं करता है, इसलिए एस टी पी पी के तकनीकी ग्रेड के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत एस टी पी पी के फूड ग्रेड के लिए भी अपनाई गई है । घरेलू उद्योग की इस प्रकार निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	क्षति रहित कीमत (अम.डॉ. प्रति मी.ट.)	पहुंच कीमत (अम.डॉ. प्रति मी.ट.)	क्षति मार्जिन (अम.डॉ. प्रति मी.ट.)	% के रूप में क्षति मार्जिन
1.	मै. यीविन तियानलन कैमिकल कंपनी लि. (उत्पादक) मै. यीविन तियानयुआन ग्रुप कंपनी लि. (निर्यातक)	***	***	***	25-35
2.	मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड चुआंगसी फॉस्फो कैमिकल्स क. लि. (उत्पादक) मै. सिचुआन ब्लू सोर्ड इंपोर्ट एंड एवरसोर्ट कंपनी लि. (निर्यातक)	***	***	***	15-25
3	असहयोगी निर्यातक	***	***	***	65-75

### ३. निष्कर्ष

120. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उठाए गए मुद्दों तथा इस जांच परिणाम परिणाम में प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- i) संबद्ध वस्तुओं ने भारतीय बाजार में संबद्ध देश से निर्यातक देश के घरेलू बाजार में उनके सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर प्रवेश किया है;
- ii) संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन काफी अधिक है और निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक है (2%);
- iii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है और घरेलू उद्योग को यह क्षति संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रात्मक और कीमत, दोनों प्रभाव के कारण उठानी पड़ी है ।

### ४. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

121. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

122. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । पाटनरोधी उपायों के लागू होने से संबद्ध देश से होने वाले आयात किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए इससे उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

## सिफारिशें

123. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाठन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और सम्पन्न करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह भत है कि पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी उपाय लगाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीच उल्लिखित प्रपत्र में और तरीके से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

124. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित फूड ग्रेड एस टी पी पी को दोडकर संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इन सिफारिशों को खीकार किए जाने की स्थिति में केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित अनंतिम शुल्क लगाए जाने की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

## शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ मद का उप शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
1	2835.3100	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	यीवीन तियानलन कैमिकल कंपनी लि.	यीवीन तियानयुआन ग्रुप कंपनी लि.	0.293	कि ग्रा.	अम डॉ.
2	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	सिचुआन ब्लू सोर्ड चुआंगसी फॉस्फो कैमिकल्स कॉ. लि.	सिचुआन ब्लू सोर्ड इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि.	0.238	कि ग्रा.	अम डॉ.
3	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क्र. से. 1 से 2 से इतर उत्पादक और निर्यातक का कोई संयोजन		0.556	कि ग्रा.	अम डॉ.
4	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	0.556	कि ग्रा.	अम डॉ.
5	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	0.556	कि ग्रा.	अम डॉ.

125. उपर्युक्त शुल्क तालिका में की गई संस्तुति के अनुसार फूड ग्रेड एस टी पी पी को पाटनरोधी उपाय के दायरे से बाहर रखा जाता है ।

126. उपरोक्त के अधीन प्राधिकारी 21 मई, 2010 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

127. केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इस जांच परिणाम के खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियम, 1995 के अनुसार (सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथ सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टेट) में दायर की जा सकेगी ।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

**(Department of Commerce)**

**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd May, 2011

**FINAL FINDINGS**

**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Sodium Tripoly Phosphate (STPP) originating in or exported from China PR.**

No. 14/25/2009-DGAD.—

**NO. 14/25/2009-DGAD:** - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

1. Whereas M/s Tata Chemicals Ltd., Mumbai (hereinafter referred to as the applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Act and the Rules alleging dumping of Sodium Tripoly Phosphate (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country) and requested for initiation of Anti-Dumping investigation for levy of anti dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.
2. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, issued a public notice dated 5<sup>th</sup> November, 2009, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country, in accordance with the sub Rule 5(5), of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

3. And whereas, the Designated Authority having regard to the Act and the Rules investigated and recommended imposition of provisional Anti Dumping Duties on imports of the subject goods falling under subheading 2835.31 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) originating in or exported from the subject country, vide Preliminary Findings of even number dated 21st May, 2009 and Provisional Anti Dumping Duties were imposed on the subject goods vide Customs Notification No. 96/2010 dated 21<sup>st</sup> September, 2010.

#### **A. PROCEDURE**

4. The procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the Public Notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority:

(i) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the anti-dumping investigation in accordance with the sub-rule (5) of Rule 5 supra.

(ii) The Designated Authority sent copies of the initiation notifications dated 5<sup>th</sup> November, 2009 to the embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it. The known interested parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within prescribed time limit. Copies of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter were also sent to the Embassy of the subject country along with a list of known exporters/ producers with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time.

(iii) Copy of the non-confidential version of the application filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra.

(iv) Questionnaires were sent to the known exporters from subject country in accordance with the rule 6(4) to elicit relevant information. Responses to Exporter's Questionnaire/ MET Questionnaire have been received from the following producers/exporters of the subject goods from the subject country:

Sl.No.	Producer/Exporter
1.	Guizhou Wengfu Gene-Phos Chemical Co., Ltd. (Producer)

2.	Wengfu Intertrade Ltd (Exporter)
3.	Sichuan Blue Sword Chemical (Group) Co., Ltd. (Domestic seller)
4.	Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemicals Co., Ltd. (Producer and Domestic seller)
5.	Sichuan Blue Sword Import & Export Co., Ltd. (Exporter)
6.	M/s Yibin Tianyuan Group Co., Ltd. (Exporter)
7.	M/s Yibin Tianlan Chemical Co., Ltd. (Producer)
8.	M/s Leshan Jinguang Chemical Industry Co., Ltd. (Producer)
9.	M/s Sichuan Jinguang Industrial Group Co., Ltd. (Producer / Exporter)
10.	M/s Sichuan Jinguang Chemical Co., Ltd. (Producer)
11.	Hubei Xingfa Chemicals Group Co., Ltd. (Producer / Exporter)
12.	Kunming Malong Chemical Co Ltd. (Producer/Exporter)

(v) Questionnaires were sent to the known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) and response to the importers questionnaire has been received from M/s Rohit Surfactants Private Limited. However, submissions have been received from M/s Parth Chem Impex Private Limited, M/s Fena (P) Limited, M/s Power Soaps Limited, M/s Sandeep Organics Pvt. Ltd, M/s Ardor International Pvt. Ltd, M/s Prabu Soap Works and Tamilnadu Small Scale Soap and Detergent Manufacturers Association.

(vi) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide details of imports of subject goods for the injury period including the period of investigation.

(vii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

(viii) The Non-Injurious Price based on the cost of production on the basis of the accounting information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) is worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry.

(ix) The Authority initiated the investigation with Non-Market Economy presumption in respect of People's Republic of China in terms of Para 8 of Annexure I to the Rules and provided an opportunity to the country concerned and the exporters from People's Republic of China to rebut the said presumption under the said Rule. It was also mentioned in the said notification that the Authority may however, notify an appropriate third country, in the due course, for the purpose of determination of normal value in China PR in terms of Para 7 of Annexure I to the Rules. However, none of the interested parties, including the applicants, have placed any material fact before the Authority to select an appropriate market economy third country for the above purpose.

(x) The confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them have been examined. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, along with non-confidential summary thereof, has been treated as confidential.

(xi) In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority also provided opportunity to all the known interested parties to present their views orally in oral hearing held on 13th August 2010 and 18<sup>th</sup> March, 2011. The parties, who presented their views in the oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally.

(xii) The submissions made by various interested parties post initiation and thereafter during the course of investigation and also before various courts have been considered, wherever found relevant, in this finding.

(xiii) Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the respondent cooperating producers/exporters from the subject countries. The verification report was sent to the respective producers/exporters for their comments and comments received thereon have been examined and considered in this finding.

(xiv) \*\*\* in this finding represents information furnished by the domestic industry and other interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

(xv) The exporters, producers, importers, consumers and other interested parties who have not supplied information in this investigation have been treated as non co-operating interested parties. However, submissions made by such parties have been considered in this finding.

(xvi) The disclosure statement was issued by the Authority disclosing the essential facts of the investigation to the interested parties. The relevant comments/submissions received from the interested parties have been examined and addressed in this finding.

(xvii) Investigation was carried for the period starting from 1st April 2008 to 31st March 2009 (12 months-POI). However, the injury investigation period covers the period 2005-06, 2006-07, 2007-08 and the POI.

(xviii) The exchange rate adopted for the POI is Rs. 45.80=1 US \$.

5. M/s Kunming Malong Chemical Co Ltd. submitted a belated and incomplete response and therefore the same was not accepted by the Authority,
6. The exporter's questionnaire response submitted by M/s Hubei Xingfa Chemicals Group Co., Ltd. (Producer / Exporter) was not accepted by the Authority and independent dumping margin was not given to the respondent producer/exporter for the preliminary findings due to the fact that their owned subsidiary company namely M/s Hubei Xingfa Chemicals Export & Import Co Ltd, who had also exported the subject goods to India during the POI, did not submit exporter's questionnaire response. Post preliminary findings, M/s Hubei Xingfa Chemicals Export & Import Co Ltd submitted exporter's questionnaire response submitting that they had exported the subject goods to India during the POI by procuring from an unrelated party. M/s Hubei Xingfa Chemicals Group Co., Ltd. submitted that they have neither sourced subject goods from any producer for export to India nor exported the subject goods through any exporter/trader and the channel of their sales to India is direct and complete in all respects. Further, they submitted that their subsidiary company M/s Hubei Xingfa Chemical Export and Import Co. Ltd has exported subject goods to India by sourcing from an unaffiliated producer namely M/s Wuhan Xingshi Chemical Co. Ltd. and this sale cannot be termed as relevant in determination of their dumping margin.
7. The Authority Notes that the responses filed by M/s Hubei Xingfa Chemicals Group Co Ltd, China PR, and their subsidiary company M/s Hubei Xingfa Chemicals Export & Import Co Ltd, were incomplete as per the prescribed format. Further, in the absence of complete response from the producer,

who has supplied the subject goods to M/s Hubei Xingfa Chemicals Export & Import Co Ltd, China, that has been exported to India, the normal value in respect of the same supply cannot be established. Accordingly, the normal value and consequential dumping margin, if any, are not possible to be worked out for overall exports by the holding company and the subsidiary company. In view of the above reasons, the exporters questionnaire responses filed by M/s Hubei Xingfa Chemicals Group Co Ltd, China PR and their owned subsidiary company M/s Hubei Xingfa Chemicals Export & Import Co Ltd, China PR have not been accepted by the Authority in this finding for determination of individual dumping margin. Post disclosure, the concerned party reiterated its arguments for acceptance of its responses. But, considering the fact and position of the case, the Authority treats the concerned producers/exporters as non-cooperative.

#### **B. Litigation before various courts during the course of the investigation**

8. The following cases were filed before various courts by interested parties;

- i. M/s Rohit Surfactants Pvt Ltd filed a Special Civil Application No. 7818 of 2010 before Hon'ble High Court of Ahmadabad, challenging the preliminary finding dated 21.05.2010. The Honble High court vide its order dated 08.07.2010 disposed the special civil application as under;

*“.....The issue raised in the petition is no longer res integra as this High Court in the case of Surefaces Plus v. Union of India, 2004 (173) ELT 127 (Guj.) has held that the preliminary finding is only recommendatory and is not appealable. That before the Central Government issues notification for provisional duty in exercise of powers under Rules 12 and 13 of the Rules, 1995, it is always open to make a representation. Accordingly, as laid down by this High Court, the petition is not required to be entertained considering the fact that the Central Government is bound, before issuing the notification for provisional duty, to consider the representation which may be made by the petitioners in accordance with law. The petitioners having already made a representation intend to make an additional representation within seven days from today. Subject to the aforesaid, the petition is not entertained and is, accordingly, summarily rejected.*

- ii. M/s Sandeep Organics Pvt Ltd had also filed a similar writ petition before the Hon'ble High Court of Delhi and the same was dismissed by the Hon'ble Court being premature.

**C. Issues Raised by exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation**

9. The following issues were raised by exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation:

i. **Issues relating to Product under consideration-**

- a) Food grade STPP is different from technical grade STPP in respect of cost of production, chemical characteristics, etc and are not used interchangeably. There is no reason for imposition of duty on imports of Food Grade STPP by inclusion of it in the Product under Consideration.
- b) The quality of STPP imported from China is much better quality compared to domestically produced STPP.

ii. **Issues relating to determination of Normal Value-**

- a) The Designated Authority has not followed the Rules contained in Para-7 of Annexure-1 of the Anti-dumping Rules while constructing normal value. Para 7 of Annexure-1 of the Rules provides three methods which, must be determined sequentially and in the same chronology, but the Designated Authority has proceeded unilaterally, without eliminating or exhausting the first two options, and has directly resorted to the construction of the normal value based on the cost of production in India.
- b) The production process adopted by Domestic Industry and Chinese producers is different and therefore construction of normal value by the Authority on the basis of cost of production of domestic industry is wrong.
- c) As per MET status is concerned the Authority's finding that major raw materials are procured at prevailing market prices comparable to the prices prevailing at international market is extraneous to the Anti dumping Rules. Market Value of an input need not necessarily be equal to prevailing international prices.
- d) The Authority should have considered the domestic sale price of the Product in China for determining the Normal Value.
- e) Data provided by the Domestic Industry for construction of normal value is fraught with tremendous problems. Having considered this data, the Authority has ignored certain factors like, different production process adopted by DI and the exporters, availability of Rock Phosphate, Soda Ash and Sulphuric Acid at low prices in China,

cost of Phosphoric Acid, heat cost, purifying cost, etc which affect the comparability of the prices and costs and have failed to make adjustments for the same.

f) Erroneous determination of normal value has contributed to incorrect assessment of dumping and dumping margin by the Authority.

iii. **Issues relating to Confidentiality-** Excessive confidentiality by the Authority in respect of normal value, export price, dumping margin, injury margin etc not in accordance with Rule 7 of the Rules.

iv. **Issues relating to absence of injury to the domestic industry**

- a) Landed value has no adverse effect on the Domestic Selling Price in view of the fact that the Domestic Industry has doubled its sales realization.
- b) Erroneous determination of cost of production, Non-injurious Price and consequent erroneous determination of Price Underselling, Injury margin etc.
- c) Decline in Profitability, Return on Investment etc. are nothing but effect of inflated cost of production due to transfer pricing.
- d) There is no price suppression.
- e) Monthly production figures from DI should have been considered as there was plant shut down during the POI.
- f) Domestic industry plant is very old.
- g) Decline in productivity cannot be attributed to imports as decline in production is not a direct consequence of imports.
- h) The analysis of the Authority on the issue of market share is erroneous because it has not considered the figures of capacity/production of the supporter, but for the purpose of sales the same is being considered.

v. **Issues relating to absence of causal link between dumping and injury.**

- a) Abnormal increase in cost of Sulphur during late 2007 resulted in sharp increase in cost of production and made it uncompetitive for domestic industry who adopted wet process of production in comparison to thermal process. The injury to the Domestic Industry, if any, was temporary and attributable to the technology and price of Sulphur and the same cannot be attributed to alleged dumping of goods. Imposition of Anti-dumping duty is not a solution for such

temporary phenomenon. It requires structural solutions, which the domestic industry has admitted in its Annual Report.

- b) Injury suffered by the Domestic Industry is on account of the termination of the contractual arrangement for the production of STPP between TCL and Hindustan Unilever Limited. Therefore, the resultant decline in production and capacity of TCL cannot be attributed to the alleged dumping.
- c) TCL has enjoyed double edged benefit on account of two reasons - by showing lower profit due to high cost of Phosphoric Acid and obtained benefits from fertilizer- subsidy for a premium transfer price paid to its foreign affiliate. TCL is importing Phosphoric Acid from its related foreign joint venture at the price of Rs \*\*\* Per MT, whereas GACL and GSFC selling Phosphoric Acid at the price \*\*\* and \*\*\* respectively. The excess price paid by TCL must be adjusted for calculation of accurate NIP, injury and causal link determination.
- d) Inflated cost of Phosphoric Acid has been used in determining Non injurious Price as well as Constructed Normal Value. Injury is established by inflated costs based on excessive transfer prices to affiliates.
- e) The transfer price paid by TCL for purchasing Soda ash should be substituted with the market value of soda ash while determining accurate NIP, CNV, Injury and causal link.
- f) NIP determination should include the transfer price as the market price of the internally produced intermediates according to the Supreme Court of India. This would lead to the NIP, injury margin to come down substantially in the instant case.
- g) The fact of Plant shut down for part of the POI should also be adjusted for injury and causal link determinations.
- h) The annual report shows the inefficient usages of utilities that would have simply made the unit less uncompetitive, thereby causing self inflicted injury.
- i) DI diverted raw material from STPP production to fertilizer production to maximize profit and sales, therefore not dumping but better profitability from fertilizers was one of the causes of lower production and sale of STPP in the POI.

vi. **Miscellaneous issues**

- a) There is no justification for imposing duty on the product concerned as the product is already protected as both of its major ingredients are already overprotected by anti dumping duty and safeguard duty. Indiscriminate and successive imposition of successive safe guard duty and Anti-dumping duty is causing tremendous cost to the users and consumers which the Authority should understand while recommending such Duty.
- b) There has been a distinct change in the pattern of consumption. The growth in demand from the ceramic industry which by far is the 2<sup>nd</sup> largest consumer of STPP after detergent industry has been ignored.
- c) Domestic demand has been erroneously presented by the Domestic Industry. The growth in demand from ceramic industry which is the second largest consumer of STPP is ignored.
- d) TCL enjoys a monopolistic market situation and has maintained irregular production of STPP.
- e) Domestic industry is unable to meet the demand of the subject goods in the domestic market and therefore imports from China is inevitable.
- f) Period of investigation is inappropriate as it is not recent. It deliberately includes the period of Global recession.
- g) There is greater public interest in the weak user industries due to higher investment, jobs and revenues. If the anti-dumping duty is imposed price of the subject goods will be increased many detergent manufacturers will closed their factories.

#### **D. Views of domestic industry**

10. Views offered by the domestic industry are as follows:

- i. The product under consideration in the present investigation is Sodium Tripoly Phosphate (STPP) originating in or exported from China PR. Sodium Tripoly Phosphate (STPP, also known as STP or Sodium Triphosphate or TPP) with chemical formula  $Na_5P_3O_{10}$ , is a polyphosphate of sodium or sodium salt of triphosphoric acid. Broadly, there are two grades of STPP – Food Grade and Technical Grade. Further, the Technical Grade STPP has various types like, Regular, Medium Temperature Rise, High Temperature Rise, Granular and Hydrated. All the types of STPP are covered within the scope of Product under consideration. The domestic industry submits that if technical grade STPP price becomes more than food grade STPP, consumers will switch to food grade STPP. The only difference between food grade STPP and

technical grade STPP is that, food grade has lower level of impurities as compared to technical grade STPP, it is evident that the consumers would readily switch to food STPP if the relative price of the food STPP become lower. On this ground alone, food and technical STPP should be considered as like article.

ii. Petitioner submits that Normal Value is based on constructed cost of production; including selling, general and administrative expenses and profits as no other information was available in this regard. This being the scenario, the Authority is fully justified in determining Normal Value on the basis of any other information. Petitioner completely agrees to the approach adopted by the Authority in determination of Normal Value. Apart from this, the Petitioner submits that product under consideration is produced in a number of other countries. The Authority may consider writing to these producers to determine Normal Value based on other principles laid down in Para 7, Annexure I, AD Rules.

iii. Market economy status cannot be granted on the following grounds;

- (a) Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity.
- (b) Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
- (c) Major inputs include utilities must reflect market value
- (d) Market economy status cannot be given unless the responding exporters establish that their books are audited in line with international accounting standards:
- (e) Onus/obligations: onus to prove market economy condition is on the Chinese exporters.
- (f) It is a settled position that the Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim.
- (g) market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- (h) Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied:

iv. The volume of imports has increased in absolute terms as well as in relation to production & consumption in India. Imports are undercutting the prices of the Domestic Industry. Price undercutting has resulted in significant price suppression to such an extent that the contribution margin of the Domestic

Industry has become negative. On the contrary, performance of the Domestic Industry has deteriorated in terms of sales, production, capacity utilization, market share, profits, return on investment and cash profit. As a result of significant price difference between the domestic product and imported product, there has been significant increase in imports in absolute terms and in relation to production and consumption in India. The deterioration in the performance during the current period is quite significant and material. Injury to the Domestic Industry has been caused by the dumped imports.

v. The argument of the monopolistic position being held by TCL is without any basis, given the legal and factual position of the present case. TCL has its own credibility in the Country and moreover it does not believe/aspire for any kind of monopolistic/opportunistic situation. Further, it cannot be argued that because Petitioner is the sole producer of the product under consideration, anti-dumping duties should not be imposed.

vi. As far as the argument of irregular production of the Petitioner is concerned, information on month by month basis production given in the written submissions clearly shows that it is the dumping of product concerned which has led to reduction in production. There is no deliberate attempt on the part of the Domestic Industry to reduce the production. All such allegations are denied.

vii. Global recession cannot be argued as a universal phenomenon impacting all countries and all products. It is not even established that global recession has affected the STPP industry.

viii. All allegations of inconsistent supply and insufficient production are denied. These are baseless arguments, wholly unsubstantiated and without any evidence.

ix. With regard to increase in sales realization, Petitioner submits that the same is required to be seen along with increase in the cost of production. The mere fact that selling price has increased does not establish that import did not have significant adverse impact on the domestic price.

x. With regard to the argument of interested parties that situation of injury claimed is temporary and can be solved through structural solution as admitted by the DI itself in its Annual Report, it is submitted that the problem of the Domestic Industry is largely dumping and the same cannot possibly be solved by structural solutions. In fact, steps have already been taken despite which the Domestic Industry is not able to improve its production and sales.

xi. It has been contended by the interested parties that the injury suffered by the Domestic Industry is on account of the termination of the contractual arrangement for the production of STPP between TCL and Hindustan Unilever Limited and therefore the resultant decline in production and capacity of TCL cannot be attributed to the alleged dumping. Petitioner submits that the argument that injury to the Domestic Industry is on account of termination of contracts with HUL is without any factual basis.

xii. A number of parties have contended that the process employed by the petitioner and Chinese manufacturer is different, and the process employed by the petitioner is highly inefficient and is in fact the cause of injury suffered by the Domestic Industry. In this regard petitioner submits as follows:

- a. The entire argument of these parties with regard to difference in process is flawed for the reason that the alleged difference in process is not involved in producing STPP. But the difference in process lies in production of Phosphoric Acid, which is one of the inputs required for producing STPP. The production of STPP requires Phosphoric Acid and Soda Ash as the major raw materials. This Phosphoric Acid may be obtained by such producers either captively or from market. Typically, producers have captive production of Phosphoric Acid. Captive production of Phosphoric Acid can be either through Rock Phosphate route or Yellow Phosphate route. Thus, there are alternate ways to obtain Phosphoric Acid as far as production of STPP is concerned, but as far as production of STPP is concerned there is no difference in the process followed for STPP production by different producers globally.
- b. As regards the argument that the process employed by Domestic Industry is inefficient, petitioner submits that a report published by "China Chemical Reporter" clearly shows that, in fact, Chinese producers are now contemplating to switch from yellow phosphate route to rock phosphate route. This shift of process from yellow phosphate to rock phosphate is certainly a result of multiple reasons/advantages attached to the rock phosphate route. Indeed, Guizhou Hongfu Industry Company, a Chinese company has already shifted its process to rock phosphate route. This fact clearly implies that rock phosphate route for production of Phosphoric Acid is a better/preferred process and the same is even realized by the Chinese Producers. In other words, the process deployed by Domestic Industry for making Phosphoric Acid is, in fact, the process which the Chinese producers also intent to employ in future.

xiii. Differences in the production process is entirely immaterial for the determination of CNV, dumping margin or the injury margin.

xiv. Petitioner submits that for determination of CNV and non-injurious price, the Designated Authority is required to consider raw materials and prices thereof. The Designated Authority is not required to consider cost of production of such raw materials. A domestic producer may obtain the inputs from market or produce captively. If the input has been obtained from market, the Designated Authority admittedly has taken only purchase price of such inputs. If a producer is also producing such raw materials, it would have cost of production of such raw materials. The Designated Authority however does not seek this information. the Domestic Industry is not required to provide information on cost of production of such captive inputs and the Designated Authority is consistently considering market value of such captive inputs. The difference in cost of inputs and market value of inputs is in profits – Given the purpose for which dumping margin and injury margin is determined, in any case, it can be concluded that the cost of inputs is entirely immaterial.

xv. Petitioner submits that there was no plant shut down during the period of investigation. The plant shut down occurred after the investigation period.

xvi. It has been argued that the petitioner has imported Phosphoric Acid from affiliated supplier which has adversely impacted the Domestic Industry. Petitioner submits that this argument is required to be rejected on the grounds that-

- (a) The petitioner has produced its own Phosphoric Acid for the purpose of producing STPP. The company has not imported Phosphoric Acid for producing STPP;
- (b) The imported Phosphoric Acid is of different grade and specification which cannot be used for producing STPP. It can only be used in production of fertilizers;

#### E. Post Disclosure Comments/Submissions made by the interested parties and domestic industry

11. The following comments/submissions have been made by interested parties post disclosure:

- Provisional Antidumping Was Imposed Before Issuance Of Final Findings & Final Oral Hearing.
- Currently / Presently, the Applicant, M/S. Tata Chemicals Ltd., Is Under Shut Down For Expansion Purpose.
- Any Levy Of Final Antidumping Should Not Be Back Dated Or Prior Dated (Before Final Finding Date).

- Result Of Provisional Antidumping On Prices, Profitability & Production Of The Applicant & Volume Of Imports Are Not Provided. Even After Antidumping, If The Applicant Does Not Reach Its Level Of Production, Then What Will Be The Situation? Will The Anti Dumping Be Abolished Or Reduced?
- Increase In Domestic Selling Prices To Be Given Importance.
- Detailed Structural Steps Taken By The Applicant Are Not Provided.
- D.I Has Not re-verified with HUL any details of its contract or termination or its imports or its purchase. The allegation of the Applicant is baseless & Without Any Proof / Supporting.
- The Domestic Industry uses the WET process for the manufacture of STPP whereas Blue Sword uses the DRY process for the production of STPP.
- Difference in process of raw material To Be Given Importance. Furhter difference In Yellow Phosphate Route & Rock Phosphate Route to be considered.
- Selection of an abnormal POI as far as price of Phosphoric Acid is concerned. The cost of captive produced Phosphoric Acid was affected by the abnormality in the prices of Sulphur/Sulphuric Acid and Rock Phosphate which are the ingredients of Phosphoric Acid. The interested parties had highlighted the fact of abnormal situation that prevailed in the prices of sulphur/sulphuric acid, rock phosphate and phosphoric acid during the POI. But Authority has not dealt with the issue in the Disclosure statement
- Exact Reason & Exact Duration Of Plant Shut Down Not Provided By The Applicant.
- Due to the low capacity utilisation, per- unit fixed cost absorbed in the NIP is inflated. A fair level of capacity utilisation in a normal year should have been considered by the Authority.
- The Applicant Has Not Given Details Of Its Sales Industry Wise (Detergent Industry Wise, Ceramic Industry Wise Etc.).

- The Applicant Does not Manufacture Other Various Sub Grades Of Technical STPP.
- Methodology of determination of normal value adopted by the Authority needs to be explained clearly.

12. The following submissions have been made by the domestic industry post disclosure:

- If food grade can be imported without anti dumping duty and used in technical grade applications, the entire purpose of present long drawn investigation is frustrated. Should the Designated Authority propose to exclude food grade, it should be excluded only for those applications wherein food grade alone is required and technical grade cannot be consumed.
- The non injurious price determined is too low and is unsupported even by the new law.
- The non injurious price has been determined following methodology inconsistent with the newly introduced rules.

#### **F. Issues relating to Confidentiality**

13. Interested parties contended excessive confidentiality by the Authority in respect of normal value, export price, dumping margin, injury margin etc is not in accordance with Rule 7 of the Rules.

##### **F.1 Examination by the Authority**

14. The Authority has examined the confidentiality claims of the interested parties. The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7). The Authority after examining the submissions of the interested parties observed that the methodology of computation of Normal Value, export price and non-injurious price have been disclosed in the Preliminary Findings.

15. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

**Confidential information.** (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules

(2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

b) The WTO Agreement on Anti Dumping provides as follows with regard to confidentiality of information :-

Article-6.5 Any information which is by nature confidential (for example, because its disclosure would be of significant competitive advantage to a competitor or because its disclosure would have a significantly adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information), or which is provided on a confidential basis by parties to an investigation shall, upon good cause shown, be treated as such by the authorities. Such information shall not be disclosed without specific permission of the party submitting it.

Article-6.5.1 The authorities shall require interested parties providing confidential information to furnish non confidential summaries thereof. These summaries shall be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information submitted in confidence. In exceptional circumstances, such parties may indicate that such information is not susceptible of summary. In such

exceptional circumstances, a statement of the reasons why summarization is not possible must be provided.

Article-6.5.2 If the authorities find that a request for confidentiality is not warranted and if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, the authorities may disregard such information unless it can be demonstrated to their satisfaction from appropriate sources that the information is correct.

Footnote to Article 6.5.2 (footnote 18 of the WTO Agreement on Anti Dumping) provides as follows :—

*Members agree that requests for confidentiality should not be arbitrarily rejected.*

16. It is thus evident that the public notices issued by the authorities are directly subjected to confidentiality provisions and should protect confidentiality of information provided by an interested party. Further, a conclusion drawn by the Authority based on confidential information also becomes confidential, if disclosure of such conclusion can in any way effectively lead to disclosure of information provided on confidential basis.
17. The Authority also examined the legal provisions and practices of other investigating Authorities and observed that similar public notice/communications issued by other investigating Authorities as well, does not include any confidential information while issuing findings.
18. It is the consistent position of the Authority that the constructed normal value determined cannot be disclosed in the public notification. However, the methodology adopted in this regard has been explained in this finding.
19. The provision for disclosure of essential facts before giving final findings has been laid down at Rule 16 of the Anti-dumping Rules. Even under Rule 16, the confidential facts are required to be disclosed to "respective interested parties", while non-confidential facts are required to be disclosed to all interested parties. At no stage the Designated Authority is empowered to disclose the confidential information to the parties with competing and conflicting interests. Thus it would be sufficient if full explanation of the reasons for the methodology used in the establishment and comparison of the export price, normal value and Non-injurious price are disclosed by the Designated Authority instead of disclosing the actual figures. Normal Value, export price and non-injurious price are based on the confidential

information submitted by the parties and disclosure of the same would be of significant competitive advantage to a competitor and its disclosure could have a significantly adverse effect upon the person supplying the information.

20. Disclosure of the commercially sensitive and confidential information, provided by the interested parties to the Designated Authority, by reposing trust and confidence, to facilitate the investigation, will completely vitiate the market atmosphere both in the domestic as well as international fronts. The disclosure of confidential information relating to the cost of production, non-injurious price etc. of the domestic industry will provide undue advantage to its domestic as well as overseas competitors and place them in a disadvantageous position before the consumers. Likewise disclosure of the confidential information relating to the exporters such as normal value, net export price, landed price etc. will jeopardize their commercial interest vis-à-vis their competitors as well as buyers.

21. In view of the above Authority notes that confidential information demanded by the interested parties can not be disclosed to the parties with competing and conflicting interests however the non –confidential information has been disclosed to the interested parties.

#### G. Miscellaneous issues

22. Following miscellaneous issues have been raised by the interested parties during the course of investigation.

- There is no justification for imposing duty on the product concerned as the product is already protected as both of its major ingredients are already overprotected by anti dumping duty and safeguard duty. Indiscriminate and successive imposition of successive safeguard duty and Anti-dumping duty is causing tremendous cost to the users and consumers which the Authority should understand while recommending such Duty.
- There has been a distinct change in the pattern of consumption. The growth in demand from the ceramic industry which by far is the 2<sup>nd</sup> largest consumer of STPP after detergent industry has been ignored.
- Domestic demand has been erroneously presented by the Domestic Industry. The growth in demand from ceramic industry which is the second largest consumer of STPP is ignored.

- TCL enjoys a monopolistic market situation and has maintained irregular production of STPP. Domestic industry is unable to meet the demand of the subject goods in the domestic market and therefore imports from China is inevitable.
- There is greater public interest in the weak user industries due to higher investment, jobs and revenues. If the anti-dumping duty is imposed price of the subject goods will be increased many detergent manufacturers will closed their factories.
- Period of investigation is inappropriate as it is not recent. It deliberately includes the period of Global recession.
- Provisional Antidumping Was Imposed Before Issuance Of Final Findings & Final Oral Hearing.
- Currently / Presently, the Applicant, M/S. Tata Chemicals Ltd., Is Under Shut Down For Expansion Purpose.
- Any Levy Of Final Antidumping Should Not Be Back Dated Or Prior Dated (Before Final Finding Date).
- Result Of Provisional Antidumping On Prices, Profitability & Production Of The Applicant & Volume Of Imports Are Not Provided. Even After Antidumping, If The Applicant Does Not Reach Its Level Of Production, Then What Will Be The Situation? Will The Anti Dumping Be Abolished Or Reduced?

#### **G.1. Examination by Authority**

23. With regard to contention that major raw materials already protected by anti-dumping duty and safeguard duty and thus the import of subject goods does not merit any such protection, the Authority notes that there is no bar under the Rules which prohibit the Authority to recommend anti-dumping duty where the goods are found to be dumped and causing injury to the domestic industry, regardless of the fact that any such protective measure is already imposed on the imports of its raw materials.
24. With regard to the contention that demand from ceramic industry has been ignored, the Authority notes that demand for the subject goods in domestic market has been defined as the sum of imports into India and all sales by

domestic producer. This includes consideration of demand in all sectors, including ceramics.

25. With regard to contention that TCL enjoys a monopolistic market situation and is unable to meet the demand of the subject goods in the domestic market and therefore imports from China is inevitable, the Authority notes that the objective and purpose of imposing anti-dumping duty is to prevent unfair trade practice and to create a level playing field for the domestic industry vis a vis dumped imports under the aegis of WTO. The Authority notes that 'dumping' is an unfair trade practice and must be condemned if it causes injury to an established domestic industry, even though there is only one domestic producer; as the intent of anti-dumping duty is only to redress the injury caused to the domestic industry on account of the unfair trade practice of dumping. Imposition of the duties shall not restrict the rights of foreign producers to sell the subject goods at un-dumped prices in the Indian market. Moreover the investigation has shown that the capacity utilization of the domestic industry declined significantly during the period of investigation due to dumping of the subject goods from the subject country.

26. As regard to contention that period of investigation is inappropriate and includes the period of Global recession, no evidence/information has been provided by any interested party that global recession has affected the STPP industry.

27. Further under the law, the Authority is required to consider whether the product is being exported at dumping prices; and if so, whether such dumping has caused injury to the domestic industry. Further, the Authority is required to consider whether such injury has been caused by any other known factor or any other factor brought to the knowledge of the Authority. None of the interested parties have established in this regard that injury to the domestic industry has been caused by other factors.

28. Provisional Anti-Dumping Duties are governed by Rule 12 & 13, whereas final findings and definitive duties are governed by Rule 17 & 18. Further, the Rules do not contemplate public hearing before recommendations for interim duties.

29. The Authority has to take note of information relating to Period of investigation only and the post POI developments are matters of review and not relevant to the present investigation.

30. Rules 12, 13, 17 & 18 of the Anti-dumping Rules govern imposition of interim and final duties. The definitive anti-dumping duties shall take effect from the date of imposition of provisional duties.

31. It is consistent practice of the Authority not to consider any parameter for the period after the period of investigation. Any development post investigation period whether favorable or adverse can only be considered through review mechanism and not in the current proceedings.

32. The relevant submissions raised by the interested parties at various stages of the investigation have been examined and addressed in the respective paras of this finding.

#### **H. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

33. The product under consideration is "Sodium Tripoly Phosphate" (STPP), having chemical formula  $\text{Na}_5\text{P}_3\text{O}_{10}$ . It is a polyphosphate of sodium or sodium salt of triphosphoric acid. Broadly there are two grades of STPP viz., Technical Grade and Food Grade. There are various technical grades of STPP – Regular, Medium Temperature Rise, High Temperature Rise, Granular and Hydrated. STPP is a solid inorganic compound used in a large variety of household cleaning products, mainly as a builder, but also in human foodstuffs, animal feeds, industrial cleaning processes and ceramics manufacture.

34. The product under consideration is classified under Chapter 28 of the Customs Tariff Act, 1975 under subheading 2835.3100. However, Customs classification is indicative only and not binding on the scope of the present investigation. The present investigation covers all grades and types of STPP.

#### **Views of the exporters/Importers/Other Interested Parties**

35. It has been contended by the exporters/importers/other interested parties that - Food grade STPP is different from technical grade STPP in respect of cost of production, chemical characteristics, etc and are not used interchangeably. There is no reason for imposition of duty on imports of Food Grade STPP by inclusion of it in the Product under Consideration. Further, the quality of STPP imported from China is much better quality compared to domestically produced STPP. Post disclosure it is further submitted that the Applicant does not manufacture other Various Sub Grades of Technical STPP.

### Views of the Domestic Industry

36. The domestic industry has claimed that there is no known difference between the products manufactured by them and the subject goods imported from the subject country, which can have any impact on price, usage, quality etc. The domestic industry also claims that the technology and primary production process employed by them and the producers from the subject country are comparable. The domestic industry submits that if technical grade STPP price becomes more than food grade STPP, consumers will switch to food grade STPP. The only difference between food grade STPP and Technical grade STPP is that the food grade STPP has lower level of impurities as compared to technical grade STPP. It is evident that the consumers would readily switch to food STPP if the relative price of the food STPP becomes lower. On this ground alone, food and technical STPP should be considered as like article. Post disclosure the domestic industry submitted that if food grade can be imported without anti dumping duty and used in technical grade applications, the entire purpose of present long drawn investigation is frustrated. Should the Designated Authority propose to exclude food grade, it should be excluded only for those applications wherein food grade alone is required and technical grade cannot be consumed.

### Examination by the Authority

37. In respect of the PUC, on the basis of examination of information submitted by the interested parties and verification thereof, the Authority notes that there is no known difference between the subject goods produced by the domestic industry and imported from the subject country and, therefore, are like articles.

38. With regard to like articles, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

*"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;*

39. The information on record does not show any grade of technical STPP which is not being produced/supplied by the domestic industry. Further, with regard to difference between Food grade STPP and Technical

grade STPP, the Authority notes that food grade STPP contains much less impurities and heavy metals than the technical grade STPP. The Authority further notes that certain exporters have acknowledged that the food grade STPP being more pure in nature and may replace technical grade STPP in its usage, but not vice versa. However, considering the facts that the domestic industry does not manufacture the food grade STPP, the demand for food grade STPP in the domestic market and import of the same into the country being very low and negligible and because price of food grade STPP is around 25% higher than the technical grade STPP and usage of both the grades is not substitutable both the ways, the Authority holds that there is no need to include the food grade STPP within the purview of anti-dumping measures. In view of the above, the Authority notes that the recommendation of anti-dumping measures on imports of Food grade STPP is not warranted.

#### I. DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

40. The application has been filed by M/s. Tata Chemicals Limited, Mumbai and supported by M/S Albright & Wilson Ltd. The applicant is the major producer of the product in India and along with the supporter, constitutes 100% of the production of the subject goods in India. None of the interested parties have raised any issue concerning scope of domestic industry and standing.

41. TCL's plant at Haldia produces the subject goods and both the required major intermediate products such as Sulphuric Acid and Phosphoric Acid for manufacturing the subject goods. The plant was originally set up by M/s Hind Lever Chemical Limited (HLCL) in the year 1979 and the same was subsequently purchased by M/s TCL in 2004, pursuant to the orders of Honorable High Court of Mumbai and Honorable High Court of Punjab and Haryana at Chandigarh. TCL had an agreement with Hindustan Unilever Limited (HUL) i.e. erstwhile Hindustan Lever Limited, to sale the subject goods to HUL against supply of the required major raw materials on job-work basis. The company has stopped job work production from the month of May 2006 onwards.

42. As per the application submitted by M/s Tata Chemicals, there are two known producers of the subject goods in India. Apart from the applicant, M/s Albright & Wilson Chemicals India Ltd, Mumbai also has the capacity to produce the subject goods. But, during the POI the later producer has only \*\*\* Mt of production, as against \*\*\* Mt of production by M/s Tata Chemicals. During the POI the total Indian production of the subject goods is \*\*\* Mt, out

of which the production by M/s Tata Chemicals Limited, Mumbai (the applicant) constitutes 92% and therefore commands standing in terms of Rule 5(3) and constitutes the domestic industry in terms of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules.

#### **J. DE MINIMIS LIMITS**

43. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources, as well as the data furnished by the cooperating exporters from China PR, the import of the subject goods from the subject country is found to be above the de minimis level.

#### **K. DETERMINATION OF DUMPING MARGIN**

##### **K.1 EXAMINATION OF MARKET ECONOMY CLAIM**

44. The Authority notes that in the past China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the Annexure of Anti-dumping Rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules.

45. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

(a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

- (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and,
- (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

46. The Authority notes that following producers and exporters of the subject goods from China PR have submitted Market Economy Questionnaire responses consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption:

S.N.	Company's Name
1.	Guizhou Wengfu Gene-Phos Chemical Co., Ltd.
2.	Wengfu Intertrade Ltd
3.	Sichuan Blue Sword Chemical (Group) Co., Ltd.
4.	Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemicals Co., Ltd.
5.	Sichuan Blue Sword Import & Export Co., Ltd.
6.	M/s Yibin Tianyuan Group Co., Ltd.
7.	M/s Yibin Tianlan Chemical Co., Ltd.
8.	M/s Leshan Jinguang Chemical Industry Co., Ltd.
9.	M/s Sichuan Jinguang Industrial Group Co., Ltd.
10.	M/s Sichuan Jinguang Chemical Co., Ltd.

## **K. 2. EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

**M/s Guizhou Wengfu Gene-Phos Chemical Co., Ltd. (Producer ) and Wengfu Intertrade Limited (Exporter)**

47. The Authority notes that the responding companies have acknowledged that they are State owned. The Board of Directors of the companies are dominated by the State owned share holding companies. The Group Company, M/s Wengfu Group Co. Ltd., an acknowledged State owned Company, has not filed response even after being pointed by the Authority. The Authority further notes that phosphoric acid, which is the basic intermediate for manufacturing the subject goods, is being procured by the responding producer company from M/s Wengfu Group Co. Ltd., the parent company. Moreover, from the auditor's report, it is evident that the company has received substantial amount of subsidies /grants from Govt. sources.

48. Following observations were made by the Authority during the course of on the spot verification:

- i. Both Guizhou Wengfu Gene Phos Chemical Co. Ltd. (producer) and Wengfu Intertrade Ltd (Exporter) are related companies owned and controlled by Wengfu Group Co Ltd, a State owned company. The Group Company did not file exporters and MET questionnaire responses.
- ii. Although the respondent companies were requested by the Authority well in advance to keep the required records/documents ready for verification, they failed to provide most of the required documents/records including some relevant appendices. Instead they provided a letter expressing their inability to provide the required documents/records.
- iii. Apart from Wengfu Group Co Ltd which holds \*\*\*% share in Wengfu Intertrade Ltd, another State owned company namely Guizhou Chem Fertilizer Industry Co Ltd holds \*\*\*% share in the company. In that way, the respondent exporting company is a 100% State owned company.
- iv. As per the MET response submitted by the exporter, the company was formerly known as Guizhou Wengfu Chemiphos Import and Export Corporation and changed to present name on 3<sup>rd</sup> July, 2008. During verification the company informed that originally it was the branch of the group parent company i.e. Wengfu Group Co. Ltd. Since the year 2008 the company became a limited company. However the company could not produce relevant documents to show whether it was merely a nomenclature change or there are more to that involving physical transformation of the company involving transfer of assets and liabilities.

v. Moreover, as per the web based information of the company, the company was founded on 25th November, 1994 as a trading arm of Guizhou Hongfu Industry and Commerce Development Corporation Limited. The company could not explain satisfactorily to a query about how the business license of the company reflected the date of establishment as 3rd July, 2003, while the web based information of the company states that the company was founded on 25th November, 1994. The company also could not produce relevant documents/records in support of their MET claim, despite intimation much in advance.

vi. The producing company could not provide documents/records relating to the audited annual accounts of the company of the year of establishment, the assets schedule with details regarding date of acquisition, mode of acquisition, mode of payment, proof of payment through normal banking channel, etc, copy of capital verification report, origin and growth of the company, etc. Similarly, relevant documents/records relating to the Group parent company could not be furnished by the company to substantiate their MET claim.

vii. During the course of the verification it was informed that the original name of the company was M/s South Guizhou Phosphate Factory, which was purchased by the Hongfu Group from the Government in the year 2000. After purchase the name of the company was changed to M/s Wengfu Group in the year 2009. However, documents/records showing mode of purchase, mode of payment etc could not be furnished by the company.

viii. Further, it was observed during verification that phosphoric acid, which is the major raw material was purchased by the company from parent company Wengfu Group Co. Ltd. But, the company could not provide the back up documents substantiating that raw materials purchased from the parent group company was procured at arm's length basis.

49. The verification report was sent by the Authority to the producer and exporter for comments. However the companies failed to offer comments and remained non-cooperative. In view of the above reasons, the authority considers it appropriate not to grant them MET status and declares them as non-cooperative.

**M/s Sichuan Blue Sword Chemical (Group) Co., Ltd., M/s Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemicals Co., Ltd. (Producer) and M/s Sichuan Blue Sword Import & Export Co., Ltd. (Exporter).**

50. The Authority observed from the responses submitted by the above companies that M/s Sichuan Rongxin Investment Company Limited holds \*\*\*% share in Sichuan Blue Sword Investment Management Co. Ltd., which in turn holds \*\*\*% share in Sichuan Blue Sword Chemical Group. It is acknowledged in the response that Blue Sword Chemical Group controls Blue Sword Chuanxi and Blue Sword Import & Export Co. Ltd. It is further stated therein that Sichuan Blue Sword Investment Management Co. Ltd. controls Blue Sword Chemical Group. Despite attention being drawn by the Authority, the responding companies did not submit any response on behalf of the group/parent company which holds the ultimate control over the companies. Although in the response M/S Sichuan Blue Sword Chemical Group Co. Limited is stated to have been set up in the year 2002, the Authority observed from the web based information of the company that it has grown out of M/S Sichuan Blue Sword Group which was established way back in the year 1985. The Authority further observes that the responding producers/exporters have claimed that they have procured major raw materials from un-affiliated sources without furnishing any evidence that the same are procured at prevailing market prices comparable to the prices prevailing at international market.

51. Following observation were made by the Authority during the course of on spot verification:

- i. Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemical Co Ltd and Sichuan Blue Sword Import & Export Co Ltd are the producing and exporting subsidiary companies for the subject goods, respectively, of Sichuan Blue Sword Chemical (Group) Co Ltd. Sichuan Blue Sword Chemical (Group) Co Ltd is a subsidiary of Sichuan Investment Management Co Ltd, which in turn is a subsidiary of Sichuan Rongxin Co Ltd. The controlling Group Company is a State owned company stated to be set up in 1979 and all the subsidiaries are under the common control of the Group Company. During the verification Sichuan Blue Sword Investment Management Co Ltd was stated to be the actual controlling company of the entire Blue Sword Group. But, the same company did not file the MET Response. They could not produce the business license of the controlling Group Co i.e. Sichuan Blue Sword Investment Management Co Ltd.

- ii. Further, during the verification, it was informed by the company that the assets of Sichuan Blue Sword Packing co Ltd were acquired by the company through an auction, but they could not produce the details of the auction and relevant documents relating to the auction to the verification team.
- iii. Although the company was informed by the Authority much in advance to keep the records ready for verification, the company could not produce before the verification team the relevant details including the details regarding the assets of the company and could not provide the assets schedule for verification purpose.
- iv. It was declared in the responses that the registered office of Sichuan Blue Sword Import & Export Co Ltd was Yoning Village, Shifang City. But, during the verification it was informed by the company that the office does not exist in the above address any more and has been shifted to Chengdu.
- v. It was acknowledged that the controlling group company was originally a State owned company. The subsidiary companies are under the common control of the group parent company. The group company has gone through many changes over the years and is a transformed company. But, the documents/records required by the verification team to substantiate the process of transformation, whether taken place in terms of market forces and free of State interference or otherwise, could not be produced.
- vi. As per the web based information, Sichuan Blue Sword Chemical (Group) Co Ltd, established in 1985, is a subsidiary fully invested by Sichuan Blue Sword Group. The former name of the Group Company was Sichuan Chuanxi Phosphochem. The Group Company was set up through the reformation of investment structure of Sichuan Chuanxi Phosphochem Works Group Corporation.
- vii. The group company is a transformed company and has gone through many changes over the years. But since the relevant documents/records required by the verification team could not be provided, the respondent companies decided to give up and forego MET claim. In view of the reasons stated above, the respondent companies gave up their market economy treatment claim in writing.

viii. The verification report was sent by the Authority to the above stated companies for comments. However, they did not offer comments. In view of the above reasons, the authority considers it appropriate not to grant them MET status.

**M/s Yibin Tianyuan Group Co., Ltd. (Exporter) and M/s Yibin Tianlan Chemical Co., Ltd. (Producer)**

52. The Authority notes that substantial shares are being held by State owned companies in the responding companies. Further, the majority of the Board of Directors of the Group Company, including the Chairman and Vice-chairman are representing the Yibin State Owned Assets Operation. Moreover, the Authority observes that M/S Yibin Tianyuan Group Co. Ltd. has acknowledged themselves to be a state proprietary enterprise in their response. The Authority further observes that the responding producers/exporters have claimed that they have procured major raw materials from un-affiliated sources, without furnishing any evidence that the same are procured at prevailing market prices comparable to the prices prevailing at international market.

53. Following observation were made by the Authority during the course of on spot verification:

- i. Yibin Tianyuan Group Co. Ltd is a 100% State owned company. The Company had claimed Market Economy Treatment (MET) and filed response to that regard. The company was requested to keep the relevant documents/records ready much in advance, but, they could not furnish the required documents/records in support of their Market Economy Treatment (MET) claim.
- ii. During verification the Group Company informed that they were originally set up in 1944. Over the years the company has gone through many changes and transformations. Presently, the company is a 100% State owned company. The Company could not explain with documentary evidence the original structure and function of the company, the growth of the company over the years, source of fund/investment when the company was set up and as and when share of the capital was increased, details of the assets of the company, details regarding the grants and incentives received by the company from the Government sources, etc. In view of the facts stated above, the Group Company gave up their MET claim and gave a letter to that effect to the verification team.

iii. Yibin Tianlan Chemical Co Ltd (producer) is a fully owned and controlled subsidiary company of Yibin Tianyuan Group Co. Ltd., which is a 100% State owned company. The subject company had claimed Market Economy Treatment (MET) and filed Response to that regard. The company was requested to keep the relevant documents/records ready much in advance, but, they could not furnish the required documents/records in support of their Market Economy Treatment (MET) claim. The documents/information/records relating to the history of the company, assets procured and held by the company, mode of payment, source of funding, etc could not be provided when the officers asked for verification purpose. In view of that the company gave up the MET claim and gave a letter to that effect to the verification team.

54. The verification report was sent by the Authority to the above stated companies for comments. However, they failed to offer comments. In view of the above reasons, the authority considers it appropriate not to grant them MET status.

**M/s Sichuan Jingguang Industrial Group Co., Ltd., M/s Sichuan Jingguang Chemical Co., Ltd and M/s Leshan Jingguang Chemical Industry Co., Ltd.**

55. M/s Sichuan Jingguang Industrial Group Co., Ltd., is stated to have been established in March, 2001 as per Business Licence. The Authority further notes that the subject Group Company is acknowledged to have been grown out of Leshan Keer Fine Chemical Co Ltd, which is also stated to have been established in March, 2001. As per the copy of the Board Resolution of Leshan Keer Fine Chemical Co Ltd, the Board has approved the change of name of the company to M/s Sichuan Jingguang Industrial Group Co., Ltd on 16<sup>th</sup> June, 2003. It is not clear how the date of establishment of M/s Sichuan Jingguang Industrial Group Co., Ltd will be prior to the change of name. Further, Leshan Jingguang Chemical Industry Co Ltd, a subsidiary of Sichuan Jingguang Industrial Group Co., Ltd., is stated to have been established in 1998, predating the date of establishment of the parent company. To this, they have clarified that Leshan Jingguang Chemical Industry Co Ltd was set up by six individuals in 1998, out of whom Mr. Chang Ruiguang transferred \*\*\*% share holding to Leshan Keer Fine Chemical Ltd in 2003, which is the predecessor of Sichuan Jingguang Industrial Group Co., Ltd. But, from the response it is observed that the company has only three share holders and not six. Further, from the official website of the company, the Authority observes that MS Lesahn Keer Alcali Co. Ltd., one of its affiliated companies, was originally founded as Calcined Soda Factory, about which the response has remained silent. The Authority

further observes that the responding producers/exporters have claimed that they have procured major raw materials from un-affiliated sources without furnishing any evidence that the same are procured at prevailing market prices comparable to the prices prevailing at international market.

56. During on the spot verification the following were submitted:

- a. Sichuan Jinguang Chemical Co Ltd, is a subsidiary of Sichuan Jiguang Industrial Group, was set up in 2008 in the Fantai Industrial Zone, Pan Zhihua City. From May, 2008 to September, 2009 the subsidiary company was preparing for yellow Phosphorous producing line and during the same period the company received the Phosphoric Acid and STPP producing lines from Sichuan Jiguang Group.
- b. Leshan Jiguang Chemical Co Ltd, Jinhe Town, Jinkouhe District, Leshan City, was established in 1998. Sichuan Jiguang Industrial Group Co Ltd purchased 53.75 of the shares of this company and made it a subsidiary of the Group Company. This company is situated in a military zone prohibited for foreigners.
- c. From April, 2008 to March, 2009, Sichuan Jiguang Industrial Group Co Ltd produced and sold STPP in both domestic and international markets. The manufacturing facility of the Group Company at Leshan City covered both Phosphoric acid plant and STPP plant.
- d. The Group Company shifted the Phosphoric Acid and STPP producing plants and equipments from its Leshan City facility to Sichuan Jiguang Chemical Co Ltd at Fantai Industrial Zone at Pan Zhihua City during May, 2009 to February, 2010. Sichuan Jiguang Industrial Group Co Ltd, Leshan City stopped production of STPP w.e.f August, 2009. However, post POI, the Group Company has exported a few consignments of STPP from its earlier stock of POI. Post POI, Sichuan Jiguang Industrial Group Co Ltd is a trader which purchases STPP from its subsidiaries and sells in domestic market as well as international market.

57. Following observations were made by the Authority during the course of on spot verification:

- i. The respondent Group Company and the subsidiary companies had claimed MET status in their response. The company has grown out of another company namely Leshan Keer Fine Chemical Co Ltd. The original investors of the subject company had brought shares in the form of plants and equipments. But, during the verification the company could not produce the

relevant documents with regard to the process of growth/transformation of the company, the source of the plants and equipments invested by the original shareholders, the mode of such transfer of plants and equipments, the source of fund etc. in support of their MET claim and instead, in view of that, furnished letters saying that they forgo and give up their MET claim. Similar letters were also provided by the Group Company on behalf of the two subsidiary companies saying that they forgo and give up their MET claim.

- ii. Plant visit was undertaken by investigating team on 24<sup>th</sup> December, 2010. There was neither any plant nor any production activity in the plant site, except some dilapidated sheds and some defunct equipment, which were in the process of dismantling and shifting. It was informed by the company that both the Phosphoric Acid Plant and the STPP Plant were already shifted to its subsidiary company Sichuan Jiguang Chemical Co Ltd, Fantai Industrial Zone at Pan Zhihua City, except a few equipments that were found to be in the process of shifting. It was also informed that the Group Company has stopped production of STPP since 15<sup>th</sup> August, 2009 and engaged in trading activity only.
- iii. However, the fact of closure of the production facility of the Group Company at Leshan and shifting of the plant to another city was not brought to the notice of the Authority earlier. Even while inviting the Authority for verification, the Group Company could have brought these facts before the Authority. But, it was brought to the notice of the Authority only during verification and plant visit. This amounts to suppression of vital facts and clearly reflects the non-cooperative attitude of the respondent company.

58. The verification report was sent by the Authority to the producer/exporter for comments. However the companies failed to provide any positive information and remained non-cooperative. Post Disclosure, the concerned party has informed that they had invited the Authority to Pan Zhihua City to visit Sichuan Jinguang Chemical. But, the Authority notes that no such invitation was received from them. Moreover, the respondent company has ceased to be a producer of the subject goods post POI. In view of the above reasons, the authority considers it appropriate not to grant them MET status and declares them as non-cooperative.

**M/s Hubei Xingfa Chemicals Group Co., Ltd. and M/s Kumming Malong Chemical Co., Ltd.**

59. The Authority observes that M/s Hubei Xingfa Chemicals Group Co., Ltd. has not filed MET response. Moreover, the response submitted by

M/s Hubei Xingfa Chemicals Group Co., Ltd. has not been accepted by the Authority due to reasons already stated in this finding. Further, M/s Kumming Malong Chemical Co. Ltd. has submitted belated and incomplete response without claiming MET status and because of which the same has not been accepted by the Authority. The Authority therefore holds that the above Chinese producers/ exporters are, in any case, not eligible for market economy status and have not been accepted by the Authority for determination of individual dumping margin.

60. Thus, the Authority has constructed the normal value by taking into account cost of production in India, duly adjusted to reflect international raw material prices and optimum conversion costs, selling, general & administrative expenses and reasonable profit. It is noted that none of the interested parties including the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country by providing information as per Para 7 of Annexure 1 of the Rules.

#### **L. DETERMINATION OF NORMAL VALUE**

61. Following issues were raised by the interested parties relating to determination of Normal Value during the course of the investigation:

- i. The DA has not followed the rules contained in Para-7 of Annexure-1 while constructing normal value. Para 7 of Annexure-I of the Rules provides three methods which, must be determined sequentially and in the same chronology. Para 7 further provides that keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, the parties to the investigation shall be informed without reasonable delay the selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments. However the Designated Authority has proceeded unilaterally, without eliminating or exhausting the first two options, and has directly resorted to the constructed value based on the cost of production in India. It is not open to the Designated Authority to directly jump to the cost of production in India without first ruling out the two options of determining the normal value in a market economy third country or the export price of such a third country to any other country including India.
- ii. Production process adopted by Domestic Industry and Chinese producer is different and therefore construction of normal value by the Authority on the basis of cost of production of domestic industry is wrong.

- iii. As far as MET status is concerned the Authority's finding that major raw materials are procured at prevailing market prices comparable to the prices prevailing at international market is extraneous to the Anti dumping Rules. Market Value of an input need not necessarily be equal to prevailing international prices.
- iv. The Authority should have considered the domestic sale price of the Product in China for determining the Normal Value.
- v. Data provided by the Domestic Industry for construction of normal value is fraught with tremendous problems. Having considered this data, the Authority has ignored certain factors like, different process used by DI and Exporters, availability of rock phosphate, Soda ash and Sulphuric Acid at low prices in China, cost of phosphoric acid, heat cost, purifying cost, etc which affect the comparability of the prices and costs and have failed to make adjustments for the same.
- vi. Erroneous determinations of Normal Value has contributed to an incorrect assessment of dumping and dumping margin by the Authority.
- vii. The Domestic Industry uses the WET process for the manufacture of STPP whereas Blue Sword uses the DRY process for the production of STPP.
- viii. Difference in process of raw material To Be Given Importance. Furhter difference In Yellow Phosphate Route & Rock Phosphate Route to be considered.

#### L.1 Examination by Authority

62. In this connection Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provide that:

*In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or*

payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

63. The Authority indicated, in the 'Initiation' Notification, that the Authority may notify an appropriate third country, in the due course, for the purpose of determination of normal value in China PR in terms of the above provision. However, none of the interested parties, including the domestic industry, have made available any material fact to the Authority to select an appropriate market economy third country for the above purpose.

64. The Authority notes that there is no known difference in the production process of the subject goods. However Authority notes that there are differences in the production process of Phosphoric Acid and the Phosphoric Acid is captively produced by the Domestic Industry and also by some of the Chinese producers. The Authority has considered Phosphoric Acid as the raw material for production of STPP. Therefore, for determination of constructed normal value, the Authority has taken international market value of Phosphoric Acid. Thus, in either case, cost of production of Phosphoric Acid has not been considered. Since cost of production has not been considered, in any case, the issue of difference in cost of production of raw material gets entirely immaterial and has in any case not adversely impacted either the dumping margin or the injury margin.

65. In view of the fact that none of the responding producers/exporters have been accorded MET status and none of the interested parties, including the domestic industry, have made available any material fact to the Authority to select an appropriate market economy third country, the Authority has determined the normal value in China PR on other reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all exporters from China PR has been constructed based on facts

available. The Authority verified the data submitted by four respondent producers from China PR. Out of the same M/s Guizhou Wengfu Gene-Phos Chemical Co., Ltd. and M/s Sichuan Jinguang Industrial Group Co., Ltd. have been declared by the Authority as non co-operative. M/S Yibin Tianlan claimed that they produce STPP from yellow phosphorous stage and provided raw material consumption norms from yellow phosphorus to STPP for verification. In absence of conversion cost from yellow phosphorous to phosphoric acid the Authority proposes not to accept their consumption norms. Although, M/S Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemicals Co., Ltd. submitted during the verification that they are producing the subject goods through phosphoric acid route, they failed to demonstrate the claimed production process to the verification team. Therefore, their raw material consumption norms have not been considered for computation of normal value. In view of the above, the normal Value has been constructed taking into account international prices of the major inputs and consumption norms, conversion cost and SGA expenses of the domestic industry. After adding a reasonable profit margin of 5% of ex-factory cost excluding interest, constructed normal value works out as under:

US\$ / Mt

Cost of raw materials	***
Conversion Cost	***
SGA Expenses and Finance cost	***
Profit margin	***
Constructed Normal Value	***

66. To be more reasonable Authority also attempted alternative ways to construct normal value by considering the consumption norms of the respondent co-operating exporters, by applying international prices of raw materials and conversion cost of domestic industry. However, the Authority notes that the methodology adopted for construction of normal value as at para above is in order.

#### M. EXPORT PRICE

M/s Sichuan Blue Sword Import & Export Co., Ltd. (exporter) M/s Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemicals Co., Ltd. (producer)

67. M/s Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemicals Co., Ltd. is a producer of the subject goods. It's subsidiary company M/s Sichuan Blue Sword Import & Export Co., Ltd. exported the subject goods produced by it's

parent company to India. M/s Sichuan Blue Sword Import & Export Co., Ltd. has reported exports of \*\*\* MT of the subject goods to India during the POI. The adjustments have been made on account of ocean freight, insurance, inland freight, bank charges and VAT adjustments as verified by the Authority for the purpose of this finding. Accordingly ex-factory export price has been determined as US\$ \*\*\* per MT.

**M/s Yibin Tianyuan Group Co., Ltd. (exporter) M/s Yibin Tianlan Chemical Co., Ltd. (producer)**

68. M/s Yibin Tianlan Chemical Co., Ltd. is a producer of the subject goods and M/s Yibin Tianyuan Group Co., Ltd., their parent company, exported the same to India. M/s Yibin Tianyuan Group Co., Ltd. has exported \*\*\* MT of the subject goods to India during the POI. The adjustments have been made on account of ocean freight, insurance, inland freight, bank charges and VAT adjustments as verified by the Authority for the purpose of this finding. Accordingly ex-factory export price has been determined as US\$ US\$ \*\*\* per MT.

**Determination of Export Price in respect of Non-Cooperating Exporters**

69. In respect of non-cooperating exporters, the Authority has decided to determine the export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. Adjustments at par with the ones allowed in case of co-operating producers/exporters have been allowed for arriving at their export price at ex-factory level. By adopting this method the export price at ex-factory level in respect of non-cooperating exporters for the subject goods worked out by the Authority is US\$ \*\*\* per Mt. on the basis of facts available.

**N. DUMPING MARGIN**

70. The ex-works normal value and export prices determined have been compared at the same level of trade and dumping margin has been determined for the exporters from the subject country as below:

Amount in USD/Mt

Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	DM %
M/s Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemicals Co., Ltd.	M/s Sichuan Blue Sword Import & Export Co., Ltd.	***	***	***	70-80
M/s Yibin Tianlan Chemical Co., Ltd.	M/s Yibin Tianyuan Group Co., Ltd.	***	***	***	85-95
Non-cooperating Producers/ Exporters	Non-cooperating Producers/ Exporters	***	***	***	150-160

## O. INJURY AND CAUSAL LINK

71. The following views have been raised by exporters/importer/ other interested parties during the course of investigation:

- The availability of STPP to the Indian detergent manufacturers from the only one source is not sufficient in terms of their capacity.
- Under the WTO and globalization of trade, Indian product should also be made available to users in the neighboring countries and their price should also go in line with the same material offered by the neighboring countries.
- The domestic manufacturer concentrates only on a few customers who buy their material in large volumes and ignores the lesser buyers.

- The anti-dumping duty, if imposed, will boost the input cost to the user industries.
- China's STPP quality is much better than that of the domestic industry and phosphate content adds more value to their product.
- A substitute for STPP has been developed by China for use in detergent sector.
- Domestic produces suffers from frequent shut down due to raw material shortage and other critical problems and as a result user industries suffer.
- STPP is not a focused product of Tata Chemicals.
- The price of STPP depends upon quality and quantity of its constituents.
- Landed value has no adverse effect on the Domestic Selling Price..
- Erroneous determination of Cost of Production, Non-injurious Price and consequent erroneous determination of Price Underselling, Injury margin.
- Decline in Profitability, Return on Investment etc. are nothing but effect of inflated cost of production due to transfer pricing.
- No price depression is caused to DI as it has doubled its selling price during the POI. Further, there is no price suppression also.
- Monthly production figures from DI should have been considered as there was plant shut down in the part of POI. The fact of Plant shut down for part of the POI should also be adjusted for injury and causal link determinations.
- Domestic industry plant is very old. Decline in productivity cannot be attributed to imports as decline in production is not a direct consequence of imports.
- The analysis of the Authority on the issue of market share is erroneous because on one hand, it has not considered the figures of capacity/production of the supporter but for the purpose of sales the same is being considered.
- Abnormal increase in cost of Sulphur during late 2007 resulted in sharp increase in cost of production and made it uncompetitive for domestic industry who adopted wet process of production in comparison to thermal process. The injury to the Domestic Industry, if any, was temporary and attributable to the technology and price of Sulphur and the same cannot be attributed to alleged dumping of goods. Imposition of Anti-dumping duty is not a solution for such temporary phenomenon. It requires structural solutions, which the domestic industry has admitted in its Annual Report.

- Injury suffered by the Domestic Industry is on account of the termination of the contractual arrangement for the production of STPP between TCL and Hindustan Unilever Limited. Therefore, the resultant decline in production and capacity of TCL cannot be attributed to the alleged dumping.
- TCL has enjoyed double edged benefit on account of two reasons - by showing lower profit due to high cost of Phosphoric Acid; and obtained benefits from fertilizer- subsidy for a premium transfer price paid to its foreign affiliate. TCL is importing Phosphoric Acid from its related foreign joint venture at the price of Rs \*\*\* Per MT, whereas GACL and GSFC selling Phosphoric Acid at the price \*\*\* and \*\*\* respectively. The excess price paid by TCL must be adjusted for calculation of accurate NIP, injury and causal link determination.
- Inflated cost of Phosphoric Acid has been used in determining Non-injurious Price as well as Constructed Normal Value. Injury is established by inflated costs based on excessive transfer prices to affiliates.
- The transfer price paid by TCL for purchasing Soda ash should be substituted with the market value of soda ash while determining accurate NIP, CNV, Injury and causal link.
- NIP determination should include the transfer price as the market price of the internally produced intermediates according to the Supreme Court of India. This would lead to the NIP, injury margin to come down substantially in the instant case.
- The annual report shows the inefficient usages of utilities that would have simply made the unit uncompetitive, thereby causing self inflicted injury.
- DI diverted raw material from STPP production to fertilizer production to maximize profit and sales, therefore not dumping but better profitability from fertilizers was one of the causes of lower production and sale of STPP in the POI.
- Increase In Domestic Selling Prices To Be Given Importance.
- Detailed Structural Steps Taken By The Applicant Are Not Provided.
- D.I Has Not re-verified with HUL any details of its contract or termination or its imports or its purchase. The allegation of the Applicant is baseless & Without Any Proof / Supporting.
- Selection of an abnormal POI as far as price of Phosphoric Acid is concerned. The cost of captive produced Phosphoric Acid was affected by the abnormality in the prices of Sulphur/Sulphuric Acid and Rock Phosphate which are the ingredients of Phosphoric Acid. The interested parties had highlighted the fact of

abnormal situation that prevailed in the prices of sulphur/sulphuric acid, rock phosphate and phosphoric acid during the POI. But Authority has not dealt with the issue in the Disclosure statement.

- Exact Reason & Exact Duration Of Plant Shut Down Not Provided By The Applicant.
- Due to the low capacity utilisation, per- unit fixed cost absorbed in the NIP is inflated. A fair level of capacity utilisation in a normal year should have been considered by the Authority.
- The Applicant Has Not Given Details Of Its Sales Industry Wise (Detergent Industry Wise, Ceramic Industry Wise Etc.)

## EXAMINATION BY THE AUTHORITY

72. The relevant views are examined by the Authority as below:

- The Authority notes that imposition of anti-dumping duty does not prevent import of goods to the country. Rather, it is intended to create a level playing field for the domestic producers to compete better in the market vis-à-vis the dumping countries.
- In the subject investigation the domestic demand of the subject goods is 71390 Mt and the domestic producers produce 26912 Mt and have the capacity to produce 50000 Mt. The Authority notes that the purpose behind imposition of anti-dumping duty is to create a level playing field and ensure fair trade, which may enable the domestic producers to upgrade their capacity utilization and cater to the domestic demand to a greater extent. The balance domestic demand can always be filled through imports.
- The imposition of anti-dumping duty may have an inflationary impact on the imported subject goods, but by neutralizing the ill effects of the dumping, a level playing field is created for the domestic industries to compete more effectively with the overseas exporters taking recourse to dumping.
- During the injury period (2005-06 to 2008-09) the domestic industry had reached the highest level of production of 50647 Mt during 2005-06. But, due to dumped imports the production of the domestic industry has gone down to the level of 26912 Mt during the POI. Once a level playing field is created, the domestic industry may bounce back to the earlier level of production and cater to the domestic demand to the maximum possible extent. However, if the volume of

production of the domestic industry is not adequate or not satisfactory in terms of quality, nothing prevents the user sector to import the subject goods.

- The view regarding a substitute for the subject good developed by China, no such information has come to the notice of the Authority.
- The data/records of the domestic industry were verified and Authority notes that there was no plant shut down during the period of investigation.
- There are two processes for production of phosphoric acid – Sulphur route and Rock Phosphate route. STPP is produced using Phosphoric Acid and not Sulphur. Sulphur is used in producing phosphoric acid. In either process, actual raw material for making STPP is Phosphoric Acid. Price of phosphoric acid increased in this period, regardless of the manufacturing process followed for producing phosphoric acid. While Sulphur prices increased leading to increase in price of phosphoric acid produced through this route, rock phosphate prices increased substantially leading to increase in the prices of phosphoric acid processed through this route. However, regardless of the manufacturing process followed for making phosphoric acid, raw material involved in making STPP being phosphoric acid, the investigation has shown that prices of phosphoric acid had universally increased. Such increase in prices of phosphoric acid was therefore relevant to both Chinese and Indian producers and could not have been a reason for significant deterioration in the performance of the domestic industry.
- The issue has been well investigated by the Authority. It is conjecture on the part of the interested parties that the injury to the domestic industry was a temporary short term phenomena. Investigation is carried out in detail in which data for four years is analyzed to see the trend of injury, if any, to domestic industry and duty is recommended after analyzing all parameters. Further, if it comes to the notice of the Authority that injury caused is temporary in nature then the facts would have been revealed in the findings. The issue with regard to structural solution stated by TCL in its annual report has also been investigated in detail and it was replied by the domestic industry that company invested some amount which resulted in improvement in the quality of gypsum which in turn fetched good realization. Therefore, improved quality of gypsum and sales realization of gypsum resulted in reduction in cost of production of STPP.
- As regard to contention of inefficient consumption of power, fuel etc. by domestic industry, the Authority notes that best consumption norms of the domestic industry has been taken for injury period for determining extent of injury. The Authority has gone by verified financial information wherein the Authority has considered consumption norms of power and fuel over the entire injury period. In fact, the non-injurious price has been determined after considering the past

consumption norms for consumption of raw materials and utilities for the entire injury period. Non Injurious price has been determined and injury analysis has been carried out on the basis of verified data.

- Significant price difference between domestic and imported product coupled with increase in import volumes, decline in sales of the domestic industry, decline in demand clearly establishes that the price difference (price undercutting) between domestic and imported product has led to increase in the import volumes. If there are any other factors which had led to increase in imports, interested parties are required to identify such factor and thereafter demonstrate impact of the same with verifiable evidence. No such information, however, has been filed by the interested parties. The domestic selling prices have doubled over the period. However, cost of sales increased by \*\*\*%, landed price of import from China increased only by \*\*\*%. This clearly establishes that import prices have not increased in proportion to the increase in the costs.
- It has been contended by the Interested parties that the injury suffered by the Domestic Industry is on account of the termination of the contractual arrangement for the production of STPP between TCL and Hindustan Unilever Limited and therefore the resultant decline in production and capacity of TCL cannot be attributed to the alleged dumping. The Authority notes that M/s HLCL and M/s TCL had an agreement with the condition that TCL will sale 60% of the produced subject goods to HLCL, against supply of the required major raw materials on job-work basis. The company stopped job work production from 2007-08 onwards. Authority further notes that despite the contract, HUL resorted to import whenever import prices were lower and similarly it used to purchase material from TCL whenever TCL prices were comparable to import price. The volume of supply to HUL by the Petitioner was linked to the prices offered by the domestic industry and foreign producers. Thus, it can be said that the Petitioner was suffering injury due to dumped imports even during the existence of the contract with HUL as HUL was free to import the dumped material. Further, the other domestic consumers also increased imports, as they found imports much lucrative as compared to the prices offered by the Domestic Industry. Moreover other consumers increasingly shifted to import instead of buying from Domestic Industry due to dumped imports. All this resulted in steep decline in sales volume of Domestic Industry which adversely impacted the production and capacity utilization as well.
- As regard to contention of artificial increase in cost of production of TCL is due to import of Phosphoric Acid from its related foreign joint venture, the Authority notes that domestic industry is producing own Phosphoric Acid for the production of STPP. The company has not imported Phosphoric Acid for producing STPP.

Fertilizers produced and sold by the petitioner is altogether different product, performance of the same is entirely immaterial for the product under consideration. Moreover Non Injurious price has been determined and injury analysis has been carried out on the basis of verified data.

- The price increases being universal, it cannot be said that the increase in the prices of the inputs should have caused injury to the domestic industry. The inputs required for production of phosphoric acid were imported by the domestic industry. It is not the argument of interested parties that the prices of these inputs increased selectively for the Indian market. In case the prices have increased in global market, it cannot be said that the domestic industry is not entitled to increase its prices in line with the increase in the input costs.
- The Authority is required to determine injury to the domestic industry by considering data in respect of production and sales of like article. The rules do not provide for segmented injury analysis, unless the same is justified. Moreover the domestic industry has not claimed injury in some particular market segment.
- The relevant information as required for the present purpose is on record. For all captive inputs, the Authority has taken cost of production of such captive inputs. Inputs imported by the company for production of other products (which are not under investigation in the present case) and transfer pricing followed therein is wholly irrelevant to the Authority for the present purpose.
- The Authority has verified information and has come to a conclusion that profitability and return on investment of the domestic industry has suffered significantly. The investigation has not shown that this deterioration is due to transfer pricing or inefficient use of power and fuel. As regards low capacity utilization, the same is the result of dumped imports.

73. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

74. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

75. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under:

**P.1 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market share**

76. With regard to the volume of the dumped imports, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, in absolute terms or relative to production and consumption in India. As far as import volume is concerned the DGCI&S import data as well as import data reported in secondary sources i.e. IBIS have been examined. The Authority notes that the product under consideration is imported under product classification No 2835.3100. Therefore, after analyzing the transaction level data, the volume and value of imports have been determined as follows:

**a) *Import volumes and share of subject countries:***

77. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

78. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods from the subject country and other countries based on the transaction-wise import data provided by DGCI&S and IBIS data provided by the domestic industry. The Authority notes that exports from China PR as reported in the DGCI&S data is higher than the export data as available in the IBIS data and that furnished by the responding exporters from China PR. Therefore, determination the export volume reported by the DGCI&S has been considered for volume analysis.

79. The Applicant has provided information with regard to imports based on the DGCI&S published data up to 2007-08 thereafter IBIS data for the POI. The Authority requested the DGCI&S for the import data, which was received. Further, a number of producers/exporters from China PR and Indian consumers/ importers have responded to the Authority. The Authority collated all information on imports and compared the same with the data furnished by the domestic industry based on IBIS source in order to assess the volume of imports during the period. The Authority notes that the volume of imports reported in DGCI&S data is comparable with imports reported in IBIS data. Therefore, the Authority has relied upon the information received from the DGCI&S source. On the basis of various import data on record, the import volume from China PR is found to be above the de-minimis level.

**a) Imports volumes and shares of subject countries:**

80. Imports from China PR constitute a major share in the total imports in to India. Imports have increased significantly over the injury period in absolute terms as evident in the table given below:

Imports	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Imports from China PR	MT	15,356	18,763	35,831	41,367
Imports from Other Countries	MT	3,112	675	1,658	1,075
Total Imports	MT	18,469	19,438	37,490	42,442
Share in imports					
China PR	%	83.15	96.53	95.58	97.47
Other countries	%	16.85	3.47	4.42	2.53
Total imports	%	100.00	100.00	100.00	100.00

**b) Actual and potential effect on production and capacity utilization:**

81. The volume of domestic production and effects of dumped imports on the domestic operation of the domestic industry have been examined in

terms of total production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry as below:

Capacity, Production and Sales	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Installed Capacity of DI	MT	50,000	50,000	50,000	50,000
Production (DI)	MT	50,647	43,881	44,411	26,912
Capacity Utilization	MT	101.29	87.76	88.82	53.82
Sales of Domestic Industry	MT	46,398	48,246	44,694	26,311

82. The Authority notes that up to April 2006 the domestic industry was carrying out a job work for HUL apart from its normal commercial production. The Authority notes that the production, sales and capacity utilization of the domestic industry declined significantly in the period of investigation as compared to the base year. Further, it is noted that production, sales and capacity utilization also declined during POI in comparison to immediate preceding year, when domestic industry was not carrying out any job work production. While the production, capacity utilization and sales of the domestic industry has declined almost consistently through out the injury period, the imports of the subject goods from the subject country has increased consistently and substantially.

**c) Actual and potential effect on market share:**

83. Effects of the dumped imports on the domestic sales and market shares have been examined as follows:

Share in Demand	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Sales of Domestic Industry	MT	46,398	48,246	44,694	26,311
Sales of Supporter	MT	15,851	18,822	15,266	2,637
Total Imports	MT	18,469	19,438	37,490	42,442
Total Demand	MT	80,718	86,506	97,450	71,390

Subject country - China PR	%	19.02	21.69	36.77	57.95
Other Countries	%	3.86	0.78	1.70	1.51
Domestic Industry	%	57.48	55.77	45.86	36.86
Supporter	%	19.64	21.76	15.67	3.69

84. It is noted that demand for the product has shown significant and consistent increase over the injury period except POI. Also, it is seen that the imports from the subject country has been increasing continuously throughout the injury period. The imports from the subject country constitute 97% of the total imports during POI. Further, whereas the market share of the Chinese imports increased substantially, that of domestic industry declined significantly. It is observed that the market share of dumped imports in demand from China PR increased from 19.02% during base year to 57.95% during the POI, whereas the market share of domestic industry declined from 57.48% to 36.86% during the POI. The Authority notes that during the POI as compared to the immediate proceeding year domestic demand has decreased by 27%, however sales of domestic industry (including supporter) has declined by 52%, the share of imports from the subject country in domestic demand has increased by 21% and the share of the domestic industry (including that of the supporter) in the domestic demand has declined by 21%.

## **P.2 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry**

85. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the China PR have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of sales, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from China.

(i) **Price undercutting and underselling effects**a) **Price undercutting**

86. The Authority determined whether imports of the product under consideration are undercutting the prices of the domestic industry in the market. Price undercutting has been determined by comparing the landed value of dumped imports from the China PR over the injury period of investigation with the net sales realization of the domestic industry for the same period. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty have been deducted. For this purpose, landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge and applicable customs duties to the import price.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Net sales realization	Rs. Kg	***	***	***	***
Landed price from China PR	Rs. Kg	30.70	30.31	29.86	49.50
Price undercutting	Rs. Kg	***	***	***	***
Price undercutting (%)	%	0-5%	0-10%	5-15%	20-30%

87. It is noted that whereas there was insignificant difference in the import and domestic prices between 2005-06 and 2006-07, the difference increased from 2007-08 and moved further during 2008-09. The price undercutting during the POI was in the range of 20-30% during POI.

(b) **Price underselling**

Non-Injurious price (Rs. Kg)	***
Landed price (Rs. Kg)	***
Price underselling (Rs. Kg)	***

Price underselling as a %	25-35
---------------------------	-------

88. For the purpose of assessment of price underselling, the landed prices of imports from China PR have been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. The analysis shows that price underselling was in the range of 25-35%.

ii) **Price suppression and depression**

89. Price depression exists when the industry's prices are lower than the level of the previous period. Price suppression occurs when dumping prevents price increases that would otherwise take place due to increase in costs.

90. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of sales, net sales realization and the landed values from the China PR.

	Unit			2007-08	2008-09
		2005-06	2006-07		
Cost of sales	Rs. Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106.00	132.20	233.19
Net Sales Realization Price	Rs. Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97.60	104.16	208.14
Landed price from China PR	Rs. Kg	30.70	30.31	29.86	49.50

91. The Authority notes that even when the cost of sales increased in 2006-07, the net sales realization declined marginally during the year in line with the decline in the import prices. Cost of sales and net sales realization has only been considered in respect of merchant sales only. Further, during POI cost of sales increase by \*\*\*% in comparison to base year whereas the net sales realization increase by \*\*\*% only indicating that the domestic

industry could not realize the selling price commensurate with the increase in cost of sales.

### Examination of other injury factors

92. After examining volume and price effect in the previous section, the Authority has examined the other mandatory injury parameters as follows:

#### a) Profit/Loss and Return on Investments

93. Profits earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows: -

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Cost of sales	Rs. Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106.00	132.20	233.19
Net Sales Realization Price	Rs. Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97.60	104.16	208.14
Profit/Loss	Rs. Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	6.49	-199.23	-63.36
Profit/Loss before Tax	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	9.74	-146.76	-27.40
PBIT	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	6.43	-142.24	-62.02
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	6.34	-134.39	-74.45

94. It is observed that the domestic industry was earning profits in 2005-06, which declined steeply over the injury period. The domestic industry started suffering financial losses from 2007-08, which continued in POI as well. Whereas cost of sales of the domestic industry increased by \*\*\*% in POI as compared to base year, the net sales realization increased only by \*\*\*% over the period. Profitability of the domestic industry changed significantly over the injury period. Both profit before tax and profit before interest & taxes showed steep deterioration over the period. The profit of domestic industry on the domestic sales (PBIT) has followed the same trend as profit per unit. Although, the financial position of the domestic industry during POI has improved in comparison to preceding year but it is observed that market share of the domestic industry in volume terms has reduced substantially during the corresponding period.

95. The Authority notes that return on capital employed for domestic industry has also deteriorated significantly over the injury period to such an extent that the same became negative during 2007-08 and in the POI.

**b) Cash Profit**

96. Cash profits of the domestic industry over the injury period have been as under:

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	19.23	-121.59	-13.90

97. As regards cash flow, the Authority has examined cash profits situation of the domestic industry and concludes that cash profits of the domestic industry also shows steep deterioration. Whereas the cash profits were positive in 2005-06, the situation declined thereafter and the domestic industry started suffering negative cash profits from 2007-08, which position continued in POI as well.

**c) Employment and wages**

98. Data relating to employment and wages show as follows:

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Dedicated Employment for the PUC	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	95	93
Wages	Rs/Lacs lakhs Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	169	170

99. It is seen that there has been a decline in number of employees and wages paid show improvement.

d) Inventories:

100. Data relating to inventories shows as follows:

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***

101. It is noted that inventories with the domestic industry declined up to March, 2008. The inventories however increased once again by the end of the POI.

e) Productivity

102. Data relating to productivity shows as follows:

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Productivity per day	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	86.21	87.59	53.10

Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	86.64	92.30	57.44

103. Authority notes that productivity of the domestic industry declined significantly over injury period.

f) Growth

104. The domestic industry has shown negative growth in terms of absolute volume of production and sales of the domestic industry over the injury period. However, the growth market share of the domestic industry is lower than the growth in domestic demand. The growth is negative when examined in terms of profitability, productivity and market share.

g) Ability to raise fresh investment

105. Authority notes that no significant investments were made by the domestic industry. Further, both the companies are multi product companies. However, continued dumping of the product would certainly have adverse impact on the ability of the domestic industry to raise capital investment.

h) Magnitude of Dumping

106. The dumping margin determined for the subject country and the applicant exporters is above de minimis level.

i) Factors affecting prices

107. Examination of trend in the volume of dumped imports and prices from the subject country and the domestic action indicate that the dumped imports through volume and price effects have affected the prices of the domestic industry.

108. The above analysis of the factors indicate that production and sales of the domestic industry has declined in absolute terms and the domestic industry suffered injury on account of decline in market share, net sales realization, profitability, return on investments and cash profits. Volume of dumped import from the subject country simultaneously increased significantly and the prices of dumped imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry, resulting in significant suppression of price in the domestic market. This has resulted in significant financial losses to the domestic industry. The injury suffered by the domestic industry is material and significant.

**Q. Causal Link and other factors**

109. As per the Anti Dumping Rules, the designated authority is inter alia, obligated to also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry.

**i) *Volume and prices of imports from other sources***

110. The Authority notes that there are negligible imports of the product under consideration from other countries. Imports from third countries could not have caused injury to the domestic industry.

**ii) *Contraction in demand and / or change in pattern of consumption***

111. The Authority notes that demand for the product showed significant decline during POI. Consequently, sales volumes of the domestic industry and resultantly production & capacity utilization of the domestic industry suffered up to this period. However, it is also noted that the decline in sales volumes of the domestic industry was more than the decline in demand for the product. Further, the profitability of the domestic industry continuously declined over the injury period. The Authority thus concludes that injury to the domestic industry was not due to contraction in demand.

***iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers***

112. The goods are freely importable. The applicant is the one of the major producer of the subject goods and account for significant domestic production and sales. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the knowledge of the Authority by any interested party.

***iv) Development in technology***

113. There has been no development in technology for production of the product during the POI. Possible development in technology therefore, is not a reason for any injury to the domestic industry.

***v) Export performance of the domestic industry***

114. The Authority notes that the export sale of the domestic industry is insignificant. However, for the purpose of injury analysis the domestic sales only has been considered and injury, if any, caused due to the export performance of the domestic industry has not been attributed to the dumped imports.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Volume in Mt	MT	***	***	***	***

***vi) Productivity of the Domestic Industry***

115. Productivity of the domestic industry has declined in the period of investigation due to surge in dumped imports from subject country.

116. The above non-attribution analysis shows that no other known factors, other than the dumped imports, appear to have affected the domestic industry.

## R. Factors establishing causal link

117. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject country. Therefore, the causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a. The volume of dumped import from the subject country has sharply increased at significantly lower prices during the injury investigation period, resulting in significant price undercutting and underselling. As a direct consequence, the domestic industry was not able to increase its prices in line with increase in the cost of sales resulting in tangible financial losses.
- b. Increase in import volumes and suppression of domestic prices adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company.
- c. Significant positive price undercutting resulted in increase in market share of imports from the subject country. As a direct consequence, market share of the domestic industry declined. The domestic industry appears to have responded to decline in import prices by suppressing its prices and suffered financial losses.

118. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry suffers material injury and the injury to the domestic industry has been caused by the volume and price effects of dumped imports from the subject country.

## S. Magnitude of Injury and injury margin

119. The Authority has determined non-injurious price of the subject goods for the domestic industry taking into account cost of production of the domestic industry and non-injurious price of the domestic industry so determined has been compared with the landed values of the subject imports to determine the injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

S.No.	Company's Name	NIP (US\$ per MT)	Landed price (US\$ per MT)	Injury margin (US\$ per MT)	Injury margin As a %
1.	M/s Yibin Tianlan Chemical Co., Ltd. (producer) M/s Yibin Tianyuan Group Co., Ltd. (exporter)	***	***	***	25-35
	M/s Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemicals Co., Ltd. (producer) M/s Sichuan Blue Sword Import & Export Co., Ltd. (exporter)	***	***	***	15-25
5	Non-cooperating Exporters	***	***	***	65-75

#### ***T. Conclusions***

120. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, as recorded in this finding, the Authority concludes that:

- i) The subject goods have entered the Indian market from the subject country at prices less than their normal values in the domestic market of the exporting country;
- ii) The dumping margins of the subject goods imported from the subject country are substantial and above de minimis (2%);
- iii) The domestic industry has suffered material injury and the injury has been caused to the domestic industry, both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or from the subject country.

#### ***U. Indian industry's interest & other issues***

121. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is, in general, in the interest of the country. Imposition of provisional anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

122. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

#### V. *Recommendations*

123. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal links. Having initiated and completed the investigation into dumping, injury and causal links in terms of the Anti-dumping Rules laid down and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping measures is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of definitive anti-dumping duties on imports of the subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

124. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country, excluding the Food Grade STPP, equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount mentioned in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of imposition of the provisional duty notified by the Central Government, in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of subject goods, originating in or exported from the China PR:-

## Duty Table

Sl.No	Sub Heading Of Tariff item	Description of Goods	Country Of Origin	Country Of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measurement
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
1.	2835.3100	Sodium Tripoly Phosphate (STPP)	China PR	China PR	Yibin Tianlan Chemical Co., Ltd.	Yibin Tianyuan Group Co., Ltd	0.293	Kg
2.	- Do -	- Do -	China PR	China PR	Sichuan Blue Sword Chuanxi Phosphochemicals Co., Ltd.	Sichuan Blue Sword Import & Export Co., Ltd.	0.238	Kg
3.	- Do -	- Do -	China PR	China PR	Any Combination of producer and exporter other than Sl. No. 1 & 2		0.556	Kg
4.	- Do -	- Do -	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	0.556	Kg
5.	- Do -	- Do -	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	0.556	Kg

125. The Food Grade STPP is excluded from the scope of the anti-dumping measures as recommended in the duty table above.

126. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 21<sup>th</sup> May, 2010.

127. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority